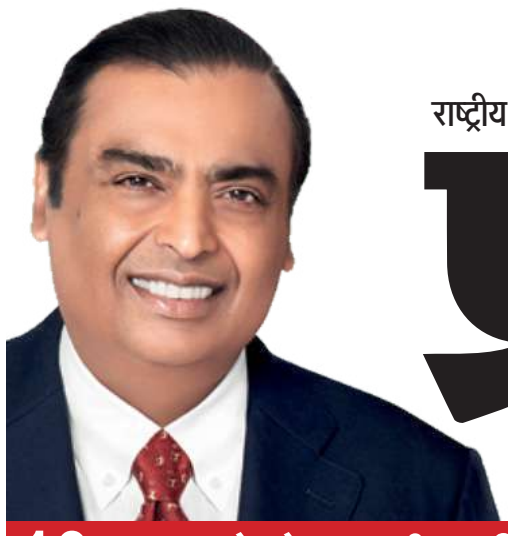

राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 3 रुपए के शेयर वाली इस दिवालिया कंपनी को खरीदने के ...

रहाणे धोनी के विश्वास पर खरे उतरे.... 11



वर्ष : 10 | अंक : 341 | पटना, बुधवार, 26 अप्रैल, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


# मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा : न्यायालय

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्देश दिया कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा क्योंकि राज्य ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकार का फैसला नौ मई तक जारी रहेगा। नौ जुलाई को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली दलीलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि वह दिन में जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने पीठ से कहा, ह्यह्यमैं इसे आज दाखिल करूंगा लेकिन समस्या यह है कि मैं (सॉलिसिटर जनरल) व्यक्तिगत समस्या का सामना कर रहा हूं। मुझे समलैंगिक विवाह से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सामने भी दलील रखनी है। कृपया इस मामले को किसी और दिन के लिए सूचीबद्ध करें। याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने

मेहता द्वारा स्थगन के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सुनवाई पहले ही चार बार टाली जा चुकी है। मेहता ने कहा कि अदालत द्वारा पारित अंतरिम आदेश पहले से ही याचिकाकताओं के पक्ष में है। दवे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मेहता की दलीलों को दर्ज करें कि मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने के आदेश को लागू नहीं किया जाएगा और 30 मार्च 2002 को जारी किया गया आरक्षण देने का आदेश सुनवाई की अगली तारीख तक लागू रहेगा। पीठ ने दवे के साथ सहमति व्यक्त की और आगे की सुनवाई के वास्ते मामले को नौ मई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्चतम न्यायालय ने 18 अप्रैल को कर्नाटक में मुसलमानों का चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। तब भी राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से वक्त मांगा था। उच्चतम न्यायालय ने 13 अप्रैल को कहा था कि सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के लिए आरक्षण में दो-दो प्रतिशत वृद्धि करने एवं ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुसलमानों के चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने का कर्नाटक सरकार का फैसला प्रथम दृष्टया त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। कर्नाटक में बसवराज बोम्मई की सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने का फैसला किया था। राज्य में 10 मई को चुनाव हैं। कर्नाटक सरकार ने पीठ को आश्वासन दिया था कि मामले की अगली सुनवाई तक 24 मार्च के सरकारी आदेश के आधार पर कोई नियुक्ति और दाखिला नहीं दिया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग के मुसलमानों के लिए चार फीसदी कोटा समाप्त करते हुए सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की दो नई श्रेणियों की घोषणा की थी। ओबीसी मुसलमानों के चार फीसदी कोटे को वोक्कलिगा और लिंगायत समुदायों के बीच बांट दिया गया है। यही नहीं, आरक्षण के लिए पात्र मुसलमानों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के तहत वगीर्कृत कर दिया गया है। राज्य सरकार के फैसले के बाद अब वहां आरक्षण की सीमा करीब 57 फीसदी हो गई है।

**मौसम**

अधिकतम तापमान 36.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

| | |
|---|---|
| हां | 30% |
| नहीं | 50% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 59,995 |
| चांदी | 72,500 |
| सेंसेक्स | 57,635 |
| निफ्टी | 16,986 |

# राज्यों का विकास होगा तो देश तेजी से विकास करेगा : पीएम मोदी

प्रात : किरण

तिरुवनंतपुरम/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कोच्चि वाटर मेट्रो सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और कहा कि जैसे-जैसे राज्यों का विकास होगा, देश तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद पर जोर देती है और मानती है कि अगर राज्यों का विकास होता है तो इससे देश के विकास में मदद मिलेगी। मोदी ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, जैसे-जैसे केरल का विकास होगा, भारत तेजी से विकास करेगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने यहां मध्य रेलवे स्टेशन से राज्य की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

यह सेवा राज्य की राजधानी को कासरगोड से जोड़ेगी। केरल का पारंपरिक कसावु मुंडु, शॉल और कुर्ता पहने मोदी ने स्टेडियम में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि कई लोग दुनिया भर के देशों की आर्थिक स्थिति से वाकिफ हैं। दक्षिणी राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए मोदी ने कहा कि इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत को वैश्विक स्तर पर विकास के चमकते केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोच्चि वाटर मेट्रो सहित देश में अधिकांश सार्वजनिक परिवहन प्रणालियां

भारत में निर्मित हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के वैश्विक संपर्क कार्यक्रमों से विदेशों में रहने वाले भारतीयों को फायदा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में दुनिया के विश्वास के पीछे कई कारण हैं और इनमें केंद्र में एक निर्णायक सरकार का होना, इसके द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास में अद्वितीय निवेश करना, जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने के लिए निवेश करना, युवाओं को कुशल बनाना, जीवन जीने की सुगमता और व्यवसाय की सुगमता के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता शामिल है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बताया कि इस की मन की बात देश निर्माण में योगदान देने वाले देशवासियों और श्रेष्ठ भारत के भावना को समर्पित होगी। उन्होंने कहा कि मन की बात का 100वां एपिसोड रविवार को प्रसारित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है और इसके पीछे पांच प्रमुख कारण हैं। इसमें निर्णायक सरकार, केंद्र सरकार की ओर से ढांचागत परियोजनाओं में अप्रत्याशित निवेश, जनसांख्यिकी का लाभ प्राप्त करने के लिए युवाओं के कौशल विकास में निवेश और इज ऑफ लिविंग और इज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सहयोगी संघवाद पर बल देती है और राज्यों के विकास को देश के विकास का सूत्र मानती है। केरल के विकास से ही देश का विकास और तेज होगा। इस सेवा भावना के साथ केन्द्र सरकार काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कोच्चि वाटर मेट्रो को राष्ट्र को समर्पित किया। कोच्चि शहर के साथ निर्बाध संपर्क के लिए बैटरी चालित इलेक्ट्रिक हाइब्रिड नौकाओं के माध्यम से कोच्चि के आसपास के 10 द्वीपों को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की अनूठी परियोजना है। डिंडीगुल-पलानी-पलक्कड़ खंड का रेल विद्युतीकरण किया गया है। प्रधानमंत्री ने इसे भी देश को समर्पित किया। आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री ने विभिन्न रेल परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। उन्होंने तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड, वर्कला, शिवगिरी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और निमोन व कोचुवेली सहित तिरुवनंतपुरम क्षेत्र के व्यापक विकास और तिरुवनंतपुरम-शोरानूर खंड की सेक्शनल गति में वृद्धि की परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

## रणविजय साहू को प्रदेश प्रधान महासचिव पद की जिम्मेवारी

### राजद के प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपने पदाधिकारियों के नाम का ऐलान किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के निर्देश के बाद प्रदेश पदाधिकारियों एवं प्रकोष्ठ अध्यक्ष के नाम का ऐलान किया गया है। पिछले साल सितंबर में ही जगदानंद सिंह प्रदेश अध्यक्ष बने थे। 7 महीने बाद मंगलवार को उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की है। राजद की पुरानी कमेटी में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। राजद ने अपने प्रदेश प्रधान महासचिव पद की जिम्मेवारी विधायक रणविजय साहू को दी है। पहले इस पद पर आलोक मेहता हुआ करते थे। इसके आलावा 18 लोगों को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनमें पूर्व विधान पार्षद डॉ तनवीर हसन, पूर्व मंत्री वृषिण पटेल, अशोक कुमार सिंह, शिवचन्द्र राम, सुरेश पासवान, शोभा प्रकाश कुशवाहा, पूर्व विधायक विनोद कुमार यादवेन्दु, सिपाही लाल महतो, पूर्व विधायक डॉ अनिल सहनी, सीताशरण बिन्द, मो मुजफ्फर हुसैन राही, पूर्व सांसद राजेश कुमार मांझी, विधायक भूदेव चौधरी, पूर्व सांसद विश्वमोहन कुमार मंडल, पूर्व विधान पार्षद गणेश भारती, विनोद कुमार श्रीवास्तव, पूर्व विधान पार्षद लाल दास राय और मधु मंजरी का नाम शामिल हैं। इन सभी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजद ने मो कामरान को पार्टी का प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया है। वहीं, महिला, युवा और छात्र राजद के नये प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की गयी है। रितु जायसवाल को महिला राजद का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। राजेश यादव को युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गयी है। गगन कुमार को छात्र राजद का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इस आशय की जानकारी राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने दी है।

## संक्षिप्त खबरें

### सूडान में फंसे भारतीयों का पहला जत्था नौसेना के जहाज से रवाना

नई दिल्ली। हिंसाग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के अभियान आपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों का जत्था आईएनएस सुमेधा पर सवार होकर वहां से जेद्दा के लिए रवाना हो गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जहाज 278 लोगों को लेकर सूडान के बंदरगाह से सऊदी अरब के शहर जेद्दा के लिए रवाना हुआ। बागची ने ट्वीट किया, आपरेशन कावेरी के तहत सूडान में फंसे भारतीयों का पहला जत्था रवाना हो गया। आईएनएस सुमेधा पर सवार होकर 278 लोग सूडान के बंदरगाह से जेद्दा के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि भारत ने हिंसाग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए सोमवार कोऑपरेशन कावेरी शुरू किया। सूडान में सेना और अर्द्धसैनिक समूह के बीच सत्ता हासिल करने के लिए भीषण संघर्ष जारी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू हो गया है। भारतीय जहाज और विमान भारतीयों को स्वदेश लाने के लिये तैयार हैं। ज्ञात हो कि रविवार को भारत ने कहा था कि हिंसा प्रभावित सूडान में फंसे भारतीयों को इस अफ्रीकी देश से सुरक्षित रूप से निकालने की अपनी आकस्मिक योजना के तहत जेद्दा में दो सी-130जे सैन्य परिवहन विमान उड़ान भरने के लिए तैयार रखे गए हैं। साथ ही, भारतीय नौसेना के एक जहाज आईएनएस सुमेधा को क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बंदरगाह पर रखा गया था। शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान से 3000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित रूप से निकालने की आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिये थे।

### एवलांच का खतरा, गोमुख ट्रैक पर आवागमन पर लगी रोक

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के गंगोत्री नेशनल पार्क प्रशासन ने जनपद के 3 हजार मीटर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में एवलांच आने की संभावना को देखते हुए गोमुख ट्रैक पर पर्यटकों के आगमन पर गुरुवार तक रोक लगा दी है। पार्क के उपनिदेशक रंगनाथ पांडेय ने बताया कि मौसम विभाग ने जनपद के 3000 मीटर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में एवलांच आने की संभावना को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसको लेकर गंगोत्री नेशनल पार्क प्रशासन ने गोमुख ट्रैक पर आगामी गुरुवार तक पर्यटकों के आवागमन पर रोक लगा दी है। अब गोमुख ट्रैक पर गुरुवार तक कोई भी पर्यटक आवागमन नहीं कर सकता है। उल्लेखनीय है कि गंगोत्री कपाट के खुलने के बाद गोमुख ट्रैक पर पर्यटकों की आमद में बढ़ोतरी होती थी, लेकिन इस बार कपाट उद्घाटन से पूर्व हुई बर्फबारी के चलते गोमुख क्षेत्र में एवलांच आने का खतरा बना हुआ है।

## हिट एंड रन वाहन दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को मिलेगा 2 लाख रुपये का मुआवजा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हिट एंड रन वाहन दुर्घटना के मामलों में मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये मुआवजा राशि का भुगतान किया जायेगा। वहीं गंभीर रुप से घायल होने की स्थिति में 50 हजार रुपए का भुगतान लाभुक को किया जायेगा। इस संबंध में त्वरित कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों को निदेश दिया है।

**डीएम स्तर से मिलेगी मुआवजा भुगतान की स्वीकृति :** परिवहन सचिव पंकज कुमार पाल ने बताया कि हीट एंड रन वाहन दुर्घटना जैसे मामलों में मुआवजा भुगतान के लिए डीएम के स्तर से स्वीकृति प्रदान की जाएगी एवं साधारण बीमा परिषद के द्वारा सीधे लाभुक के बैंक खाते में मुआवजा राशि का भुगतान किया जायेगा। मुआवजे के लिए आवेदन और पीड़ितों को भुगतान जारी करने की प्रक्रिया के लिए समय सीमा भी तय की गई है।

**अनुमंडल पदाधिकारी दावा जांच पदाधिकारी होंगे :** हिट एंड रन वाहन दुर्घटना मामले में अनुमंडल

● साधारण बीमा परिषद द्वारा सीधे पीड़ित/मृतक के आश्रित के बैंक खाते में मिलेगी मुआवजा राशि

पदाधिकारी दावा जांच पदाधिकारी होंगे, जबकि जिला पदाधिकारी दावा निपटान आयुक्त होंगे। दावा जांच पदाधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दावा निपटान आयुक्त दावे को मंजूर करेंगे। यदि दावा सही पाया जाता है तो दावा निपटान आयुक्त मुआवजे की राशि स्वीकृत कर सामान्य बीमा परिषद को स्वीकृति आदेश भेजेंगे। इस आदेश प्राप्ति के 15 दिवस की अवधि में सामान्य बीमा परिषद लाभुक के खाते में राशि का भुगतान करेंगे।

## पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का निधन

प्रात : किरण

चंडीगढ़/एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल को मंगलवार को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया। उनके बेटे और पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के पीए ने पुष्टि की। प्रकाश सहि बादल काफी समय से मोहाली के अस्पताल में भर्ती थे। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता को सांस लेने में परेशानी होने की शिकायत के बाद एक हफ्ते पहले फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 95 साल के प्रकाश सिंह बादल के स्वास्थ्य में सोमवार को हल्का सुधार हुआ था। लेकनि मंगलवार रात उनकी सांसे थम गईं। पंजाब के पांच बार

मुख्यमंत्री रह चुके बादल को ह्यगैस्ट्राइटिसह्न और सांस लेने में परेशानी होने के चलते पिछले साल जून में भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

### सीएम नीतीश ने जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता प्रकाश सिंह बादल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने अपने लंबे राजनीतिक सफर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। वो राजनीति में अपनी शुचिता के लिए जाने जाते थे. उनसे मेरा गहरा लगाव था। पटना में आयोजित प्रकाश पर्व के दौरान भी उनसे मेरी मुलाकात हुई थी। उनके निधन से मैं व्यक्तिगत रूप से मर्माहत हूं। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं उनके परिजनों एवं को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

## भारतीय लोक लेखा सेवा के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय प्रणाली विकसित करें : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के समतामूलक एवं समावेशी विकास में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करते हुए मंगलवार को कहा कि भारतीय लोक लेखा सेवा के महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में इसके अधिकारियों से ऐसी प्रणाली विकसित एवं लागू करने की अपेक्षा की जाती है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मॉडल बन सके। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू ने यह बात 2018-2021 बैच के भारतीय लोक लेखा सेवा के अधिकारियों से भेंट के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस सेवा के अधिकारी देश के वित्तीय प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और युवा लोक सेवकों के रूप में उनसे लोक प्रशासन और संवैधानिक मूल्यों को बनाये रखने में उत्कृष्टता की अपेक्षा की जाती है। मुर्मू ने कहा कि उनकी (अधिकारियों) नियुक्ति चाहे जिस विभाग में हुई हो, उन्हें अपने काम के उद्देश्यों के प्रति सजग रहना चाहिए और इस प्रक्रिया में कार्य का मकसद नहीं छूटना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन की ठोस व्यवस्था देश के समतामूलक एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने में सहायक होती है तथा भारतीय लोक लेखा सेवा के महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में अधिकारियों से ऐसी प्रणाली विकसित एवं लागू करने की अपेक्षा की जाती है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मॉडल बन सके। उन्होंने कहा कि हमने प्रशासनिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी के उपयोग से काफी बेहतरी देखी है तथा डिजिटलीकरण एवं ऑनलाइन सेवा प्रदान करने से सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही काफी बढ़ी है।

## छपरा में दलित बच्ची के साथ गैंगरेप

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा जिले में दलित बच्ची के साथ मनचले युवकों के द्वारा गैंगरेप किया गया है। जिसके बाद स्थिति बिगड़ने पर उस बच्ची को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। इस मामले में पीड़िता के माता-पिता ने बताया कि वह बच्ची जलावन की लकड़ी के लिए बगीचे की तरफ गई थी। जहां से वापस लौटने के क्रम में एक पुलिया के समीप दूसरे गांव के दो युवकों ने उसे जबरदस्ती पकड़ लिया और मुंह कपड़ा से बांधने के बाद उसे लेकर पुलिया के नीचे गए। जहां दोनो ने उसके साथ बारी-बारी से मुंह कुकर्म किया और उसे डरा-धमका कर भाग गये। जिसके बाद पीड़िता डरी सहमी घर पहुंची और पूरी घटना मां-बाप को बतलाई।जिसके बाद मामला मकेर थाना में पहुंचा और छानबीन के बाद मकेर थानाध्यक्ष के द्वारा जांच उपरांत त्वरित कार्रवाई में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी मकेर थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव के रहनेवाले बताये गये हैं। इस मामले में मकेर थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।वही पीड़िता को फिलहाल इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे इस मामले की पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

**उपलब्धि** ऊर्जा क्षेत्र में नीतीश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां, विगत चार वर्षों में खपत, राजस्व व उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी ...

# घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में 58.3 प्रतिशत का इजाफा

## विगत चार वर्षों में प्रति व्यक्ति बिजली खपत में 17.5 प्रतिशत की वृद्धि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में नीतीश सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। प्रदेश में बिजली उत्पादन के साथ खपत व राजस्व संग्रहण में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। हाल के वर्षों में राज्य में बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। आने वाले वर्षों में मांग बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार ने भी ऊर्जा क्षेत्र के लिए हाल के वर्षों में कई पहलकदमियां की है। पूरे राज्य में अब विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति की जा रही है। प्रदेश में बिजली का उत्पादन और खरीद 2 वर्षों में 11.4 प्रतिशत बढ़कर 2019-20 के 2997.4 करोड़ यूनिट से 2021-22 में 3338.8 करोड़ यूनिट हो गई। ऊर्जा की खपत बढ़ने से राजस्व संग्रहण भी बढ़ा है। लागत की वसूली 2019-20 में 852 प्रतिशत थी। जो 2021-22 में बढ़कर 91.5 प्रतिशत हो गई। बिजली की प्रति व्यक्ति खपत 2017-18 के 280 किलोवाट आवर से बढ़कर 2020-21 में 329 किलोवाट आवर हो गई है। यानी 4 वर्षों में 17.5 प्रतिशत वृद्धि हुई है। बिजली के अनुमानित चरम मांग में भी काफी सुधार हुआ है। जो 2017-18 के 4965 मेगावॉट से 2021-22 में 6475 मेगावाट हो गई। यह 4 वर्षों में 30.4 प्रतिशत से अधिक वृद्धि है। 2017-18 में राज्य में बिजली की कुल खपत 2.42 हजार करोड़ यूनिट थी जो 2021-22 में बढ़कर 3.28 हजार करोड़ यूनिट हो गई। चार वर्षों में 35.4 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार के नए कार्यक्रम हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के तहत 2021-22 और 2022-23 में कूल 300.00 करोड़ आवंटित किए गए हैं। घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या भी चार वर्षों में 58.3 प्रतिशत बढ़कर 2017-18 के 101.4 लाख से 2021-22 में 160.49 लाख हो गई। प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन राज्य में उर्जा के प्राकृतिक संसाधनों की सीमित उपलब्धता है। राज्य में जल विद्युत उत्पादन की भी कम संभावना है। यहां तक कि कोयला खदानें भी दूर है और हवा की गति भी पर्याप्त तेज नहीं रहती है कि उससे बिजली पैदा की जा से। वही बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए स्थापित उत्पादन क्षमता काफी बढ़ाने की जरूरत है। बिहार की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही

है और आने वाले वर्षों में भी विकास का वर्तमान आवेग बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने के लिए कई पहलकदमियां ली है।

**बिजली की उपलब्ध क्षमता 2021-22 में 7785 मेगावाट हो गई:** राज्य में विद्युत क्षेत्र में स्थापित क्षमता धीरे-धीरे बढ़ रही है। हालांकि रखरखाव के काम के कारण उसमें कुछ उतार-चढ़ाव आता रहा है। 2020-21 में राज्य में बिजली की उपलब्ध क्षमता 6422 मेगावॉट थी, जो 21.2 प्रतिशत बढ़कर 2021-22 में 7785 मेगावाट हो गई। बिजली की बढ़ी हुई मांग पूरी करने के लिए राज्य सरकार की योजना 2024-25 तक विभिन्न स्रोतों से चरणबद्ध ढंग से 5841 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने की है।

राज्य के उत्पादन केंद, केंद्रीय उत्पाद केंद्र, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के माध्यम से बिजली क्षमता बढ़ाने की कोशिश है। वर्ष 2024-25 में बिजली की कुल उपलब्ध क्षमता 13626 मेगावाट हो जाने की आशा है, जिसमें 9131 मेगावाट पारंपरिक बिजली होगी और शेष 4495 मेगावाट अपारंपरिक। खपत बढ़ने से राजस्व वसूली में भी रिकॉर्ड इजाफा : ऊर्जा विभाग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड 17,315 करोड़ का राजस्व संग्रह किया है। विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी की अनुषंगी दोनों वितरण कंपनियों ने पिछले वित्तीय वर्ष से 4,527 करोड़ यानि 35 प्रतिशत अधिक राजस्व की वसूली कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने राजस्व कार्य में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को रिकॉर्ड राजस्व संग्रह के लिए बधाई दी है। ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2022-23 में डाटा आधारित निर्णयों का उपयोग कर राजस्व संग्रहण की पूरी प्रक्रिया का प्रमंडल वार मासिक अनुश्रवण तथा संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रतिमाह उपभोक्ताओं से 895 करोड़ वसूले जा रहे थे, वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रतिमाह 1,104 करोड़ (23% अधिक) की वसूली की जा सकी है।

## संक्षिप्त खबरें

### कल हड़ताल पर रहेंगे ऑटो व ई-रिक्शा चालक

पटना सिटी (प्राकि)। अगमकुआं ऑटो स्टैंड पर ऑटो चालकों और ई-रिक्शा चालकों की संयुक्त बैठक मंगलवार को हुई। इसमें ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर फेडरेशन के अध्यक्ष चुन्नू सिंह, अशोक सिंह, सुनील ओझा, मोहम्मद मानो, धर्मेंद्र पासवान, अजय मिस्त्री, दीपक पासवान, सत्येंद्र लाल, रंजीत कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष ने बताया कि आटो और ई-रिक्शा का परिमट देने, सामाजिक सुरक्षा, पुलिस ज्यादती खत्म करने को लेकर 27 अप्रैल को एक दिन का हड़ताल होगा।

### शतचंडी महायज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान

पटना सिटी (प्राकि)। श्री भगवती सीता स्थान प्रबंधक समिति की ओर से जानकी नवमी पर शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया। बक्शी मुहल्ला स्थित सीता स्थान में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में काशी से आए पंडित नित्यानंद त्रिपाठी के आचार्यत्व में शतचंडी यज्ञ में पंचांग पूजन, वेदी पूजन आदि का अनुष्ठान किया गया। मंदिर प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष रतनदीप प्रसाद, सचिव प्रभात बहादुर माथुर, कोषाध्यक्ष इंद्र बिहारी प्रसाद, प्रो विनय कृष्ण प्रसाद, नितेश कुमार सिन्हा, शत्रुघ्न यादव, नितेश तिवारी, सचिन शर्मा, अमित राज माथुर आदि सक्रिय थे। अनुष्ठान 29 अप्रैल तक चलेगा। 30 अप्रैल को विर्सजन शोभायात्रा निकला जाएगा। शाम को भजन कीर्तन का अनुष्ठान हुआ।

### साइबर अपराधियों ने खाते से उड़ाए 53 हजार

दानापुर। फ्लिपकार्ट से ऑनलाइन शॉपिंग के माध्यम से53 घड़ी मंगाना एक छात्रा को काफी महंगा पड़ गया। साइवर बदमाश ने छात्रा का पता वेरिफाई करने का झांसा देकर उसके खाते से 53 हजार रुपए का निकासी कर डाला। लखनीबिगहा की रहने वाली पीड़ित छात्रा ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। लिखित शिकायत में छात्रा द्वारा बताया गया है कि वह फ्लिपकार्ट से ऑनलाइन शॉपिंग के माध्यम से एक घड़ी मंगाई थी। डिलेवर करने की तारिख पर एक युवक का फोन आया और एड्रेस वेरिफाई करने की बात कह वह कुछ ऐप डाउनलोड करवाएं। ऐप डाउनलोड करने के साथ अन्य बताए हुए प्रक्रिया करने के दो दिन बाद करीब 7 बार में उनके बैंक खाते से 53 हजार रुपए निकासी कर लिए गये। इस संबंध में स्थानीय पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन व कार्रवाई में जुटी है।

### मकान बनाने के लिए लगा विद्युत मीटर चोरी

दानापुर। सगुना क्षेत्र में खाली भूखंड पर मकान बनाने के लिए विद्युत मीटर अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। इस संबंध में आरपीएस, जजेज कॉलोनी निवासी रंजीत सिंह की पत्नी शैलकुमारी सिंह ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत की है। लिखित शिकायत में बताया गया है कि मौजा सगुना में उनका खाली भूखंड है जिसपर उन्होने मकान बनाने के पहले विद्युत मीटर लगवाया गया था जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिए है। वहीं स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### घर में काम कर रहा मजदूर डेढ़ लाख की मशीन ले भागा

दानापुर। नवनिर्मित मकान में काम कर रहे मजदूरों ने करीब डेढ लाख के एसीपी व ग्लेलिंग मशीन के लेकर फरार हो गये। इस संबंध में पीड़ित मकान मालिक त्रिभुवन पार्क निवासी अशोक शर्मा ने ठेकेदार समेत दो मजदूरों को नामजद करते हुए स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया है। दर्ज मामले में अशोक शर्मा ने बताया है कि उनके मकान में कई दिनों से फिनिसिंग का कार्य किया जा रहा था। ठेकेदार रवि राय के माध्यम से मजदूर विकास कुमार व दीपक कुमार काम कर रहे थे। विगत कुछ दिन पहले सभी मौका देखते ही करीब डेढ लाख की एसीपी व ग्लेसिंग मशीन लेकर वह सभी फरार हो गये।

### लोहार जाति को जनगणना से अलग रखने पर विरोध प्रदर्शन

मसौढ़ी। जाति आधारित जनगणना से लोहार जाति को अलग रखने को लेकर लोहार जाति द्वारा जाति जनगणना बहिष्कार करने को लेकर सरोज भारती के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपे आवेदन में बताया है कि जाति जनगणना में सभी जाति को कोड दिया गया है, लेकिन लोहार जाति का कोड कहीं अंकित नहीं है जबकि लोहार बिहार की मूल जाति है, जिसे कोड नंबर 13 पर कमार जाति की उपजाति (लोहार और कर्मकार )बना दी गई है उन लोगों के खतियान में सिर्फ लोहार अंकित है। मूल जाति लोहार रहने के बाद भी उपजाति में जनगणना कैसे कराएं आवेदन अनुरोध किया है कि इस तथ्य से बिहार सरकार के संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए लोहार जाति की गणना मूल जाति में कराने का अनुरोध करें।

# छोटी बाजार में दो दिनों से स्थिति बनी है तनावपूर्ण, पुलिस की तैनाती

## शांति समिति बैठक में कानून हाथ में नहीं लेने व अफवाह से दूर रहने की अपील

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दो दिन से खाजेकलां थाना क्षेत्र के मोगलपुरा छोटी बाजार दलित कालोनी में दो पक्षों में विवाद हुआ था। इसके बाद असामाजिक तत्वों के द्वारा अफवाह फैलाए जा रहा था। इसे लेकर पूर्व पार्षद सह पार्षद प्रतिनिधि बलराम चौधरी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। संचालन संजय अलबेला ने किया। बैठक में अनेक समाजसेवी, वरिष्ठ नागरिक एवं मोहल्ले के गण्यमान्य लोग भी शामिल हुए। शांति समिति की बैठक में शामिल थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शांति बनाए रखें। जिन लोगों ने गलत अफवाह फैलाने का प्रयास किया, तो वैसे लोगों पर निगरानी रखें तथा उन्हें सूचना दें। कोई नहीं बचेंगे। आपका सहयोग मिलेगा, तो कल की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। किसी प्रकार की भी जानकारी हो, तो सरकारी मोबाइल नंबर 9431822148 पर सूचना अवश्य दें। खाजेकलां थाना के थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी भी कीमत पर कोई भी व्यक्ति कानून को हाथ में नहीं लें। यदि क्षेत्र में कोई नया या संदिग्ध व्यक्ति दिखता है, तो उसे पकड़ कर सूचना दें। उसकी फोटो खींचकर रखें, न कि उसके साथ मारपीट करें। खासकर अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। यदि कोई अफवाह गलत फैलाता है या सोशल मीडिया पर वायरल करता है, तो संबंधित लोगों की शिनाख्त कर कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने कहा है कि वैसे मकान मालिक, जो किराए पर मकान लगाते हैं, वैसे लोग किराएदार को चिन्हित करने के बाद रखें तथा थाना को भी सूचना दें। बैठक में मो सनाउल रहमान, बलिराम विश्वकर्मा, अधिवक्ता इबरार अहमद रजा, जौहर इमाम जौनी, संजय कुमार अलबेला, फिरोज अंसारी उर्फ टिंकल, इम्तियाज अंसारी, मो सोनी, अनूप कुमार सिन्हा, विष्णुदेव मिस्त्री, रमन सिन्हा, राजेंद्र शर्मा, देवेंद्र राय आदि शामिल थे। स्थानीय लोग भी मौजूद थे। दरअसल पिछले दो दिनों से छोटी बाजार महादलित कॉलोनी में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। पहले मारपीट हुई थी। फिर उसके बाद हथियार के साथ कुछ लोग आया था। हालांकि कोई बड़ी घटना होने से यह गया। पुलिस स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में बता रही है। घटनास्थल पर एएसपी शरथ आरएस भी पहुंचकर मामले की पड़ताल किए हैं। यहां अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है।

# बच्चों को रोग से बचाव के लिए टीकाकरण पर दिया बल

## देश पोलियोमुक्त, सर्विलांस जारी, एनएमसीएच में हुआ कार्यशाला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज एंड एडवर्स इवेंट फॉलोइंग इम्यूनाइजेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुआ। एनएमसीएच के ऑडिटोरिम में मंगलवार को इसका आयोजन किया गया। उद्घाटन नालंदा मेडिकल कालेज की प्राचार्य डा रेणु रोहतगी एवं अस्पताल अधीक्षक डा राजीव रंजन ने किया। आयोजन में अस्पताल अधीक्षक डा राजीव रंजन, प्राचार्य डा रेणु रोहतगी, डा बीपी जायसवाल, डा सरोज कुमार व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा संजय कुमार को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान डब्ल्यूएचओ के डा कुमुद रंजन, डा उज्ज्वल, डा त्रिपाठी के अलावा पीजी के प्रीति, मनीषा आदि छात्र शामिल थे। वक्ताओं ने पांच साल तक के बच्चों में टीकाकरण पर बल देते हुए अनेक बीमारी से बचाव में इसे महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान होने वाले बीमारियों और बचाव पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं के द्वारा डिप्थीरिया, टिटनेस, पोलियो खसरा जैसे अलग-अलग बीमारियों पर चर्चा की गई। खासकर इसकी रिपोर्टिंग पर जोर दिया गया। यदि इस तरह के केस आते हैं, तो चिकित्सकों को इसे नोट करना चाहिए। इससे सरकर को संख्या का भी पता चल सकेगा और इसके उन्मूलन के लिए बनाए जाने वाली योजनाओं को लागू करने में भी सफलता प्राप्त होगी। हालांकि अपने देश में पोलियो करीब 12 साल से मुक्त है। फिर भी इसकी सर्विलांस जारी है। ऐसे केस, जिसमें शरीर के किसी अंग में लकवा मार दिया गया है। उस तरह के केस में पोलियो की भी जांच करानी है, ताकि यदि इस तरह का कोई सिम्टम पाया जाता है, तो उसे आसानी से ट्रेस किया जा सके।

# वार्ड 65 में मांगा 3 उच्च प्रवाही बोरिंग, मिला खाजेकलां घाट में

## डंका कूचा, सिंधी दालान व सदर गली में जलापूर्ति पाइप लाइन का विस्तार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नगर निगम के वार्ड 65 का अधिकांश एरिया जल संकट से जूझ रहा है। स्थिति यह है कि अशोक राजपथ के दक्षिण में जलजमाव की स्थिति भी वैसे ही बनती है। वार्ड पार्षद तरुणा राय ने इस संबंध में नगर आयुक्त को पत्र लिखकर वार्ड के तीन स्थान पर उच्च प्रवाही बोरिंग कराने के बाबत पत्र लिखा। मगर उसमें से सिर्फ खजेकलां घाट का ही स्वीकृत हो पाया। वह काम भी अब तक शुरू नहीं हो पाया है। दूसरी ओर जल संकट झेल रहे इलाका डंका कूचा, सिंधी दालान और सदर गली में जलापूर्ति पाइप लाइन योजना की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके तहत डंका कूचा में पाइप लाइन पानी का बिछाने का काम हो चुका है और घर-घर संबंधन भी दिया गया है। अब दूसरे और तीसरे चरण में सिंधी दालान और सदर गली में जलापूर्ति पाइप लाइन बिछाया जाना है। पार्षद प्रतिनिधि राजेश राय ने बताया कि इसी साल 16 फरवरी को वार्ड पार्षद तरुणा राय ने नगर आयुक्त को पत्र भेजा है। इसमें वार्ड 65 के तहत तीन स्थान मंगल तालाब स्लम एरिया, खाजेकलां घाट और उर्दू पब्लिक स्कूल बाग कालू खां में उच्च प्रवाह बोरिंग अधिष्ठापन करने की जरूरत बताई गई। कहा गया कि शाह का कमाल रोड, बनवारी टोला एवं काली मंदिर के पास पानी नहीं आता है। साथ ही सदर गली, गढ़हिया पर पानी का प्रवाह भी काफी कम है। इसके अलावा खाजेकलां पानी टंकी स्थित दो उच्च प्रवाह बोरिंग भी करीब 20 वर्ष पुराना है और यह काफी जर्जर स्थिति में आ गया है। यह कभी भी फेल हो सकता है। ऐसी स्थिति में एक घनी आबादी को पानी संकट का सामना करना पड़ सकता है। पटना नगर निगम के द्वारा 5 नवंबर, 2021 को पत्रांक 14798 के द्वारा आदेश जारी किया गया। इसमें कहा गया कि पटना नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत जलापूर्ति पाइप लाइन विस्तार योजना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। 28 अक्टूबर, 21 को आहूत सशक्त स्थायी समिति की 52वीं साधारण बैठक में सवार्नुमति से निर्णय लिया गया कि पटना नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत जलापूर्ति पाइप लाइन योजना की प्रशासनिक स्वीकृति के प्रस्ताव को सशक्त स्थायी समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है। इसके तहत वार्ड संख्या 65 के डंका कूचा गली, सिंधी दालान और सदर गली में जलापूर्ति पाइप लाइन बिछाते हुए घर-घर पानी का संबंधन भी देना है। इसकी प्राक्कलित राशि 66 लाख 61 हजार 932 रुपया निर्धारित की गई है। हालांकि इस संबंध में बताया जाता है कि डंका कूचा में पाइप लाइन बिछाने और संबंधन घर-घर देने का काम हो चुका है। इसके बाद अब दूसरे और तीसरे चरण में सिंधी दालान और सदर गली में काम शुरू होना है।

# श्री कृष्ण ने राक्षसों का वध कर जलीय जीवों से भी किया रक्षा

## गो सेवा केवल धर्म नहीं, बल्कि रोजगार का बड़ा साधन बन सकता है

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं अद्भुत हैं। श्रीकृष्ण की लीलाओं में समाज के लिए संदेश भी है। पूतना उद्धार, माखन चोरी, चीरहरण, अघासुर बकासुर, शकटासुर उद्धार के साथ कालिया मर्दन की लीला, गो चारण और प्रेम के बंधन में विवश गोपाल का तनिक दही के कारण गोपियों के सामने नाचना, उनके लीला पुरुषोत्तम होने का स्वरूप बताती है। प्राचीन ठाकुरबाड़ी मेहंदीगंज परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत की कथा के पांचवें दिन हरियाणा के कैमरी आश्रम के संत श्री राजदास जी महाराज ने मंगलवार को श्री कृष्ण के बाल लीलाओं को संगीतमय, मंत्रमुग्ध और भावविभोर वातावरण में कहा कि जिस देश में भगवान के अनेकों अवतार हुए स्वयं श्रीकृष्ण ने गो सेवा करते हुए गो माता कह कर इसका महत्व स्वीकार किया। उस देश में आजादी के बाद भी गो हत्या बंद न होना देश के नाम पर एक कलंक है। हमें अपने घर में गो रखते हुए गो माता की सेवा करनी चाहिए। गो सेवा केवल धर्म नहीं, बल्कि आधुनिक भारत में अर्थव्यवस्था की सशक्तिकरण के साथ रोजगार का बड़ा साधन बन सकता है। कथा व्यास ने कहा कि कृष्ण लीला पुरुषोत्तम है। उन्होंने सिर्फ राक्षसों का ही संहार ही नहीं किया, धरती और जलीय संकट से भी हमें बचाया है। ठाकुर जी महराज श्रीकृष्ण-बलराम की गोकुल में की गई लीलाओं का वर्णन करते हुए बीच-बीच में भावविभोर हो ब्रज भाषा में बोलने लगते, तो श्रोताओं को ब्रज भूमि में श्री कृष्ण के संवाद का एहसास होने लगा। कथा व्यास ने कहा बड़े दिन बाद नंद के घर बालक के होने की खबर लगी, तो ब्रज गांव के लोग आकर बधाइयां देने लगे। उत्सव के बीच कंस की भेजी हुई पूतना सुंदर गोपी का रूप धारण कर पहुंची, तो कृष्ण ने आंखें मूंद लीं, क्योंकि भगवान को कपट पसंद नहीं है। पहले दूध पिया।

उसके बाद पूतना का अंत भी कर दिया। इसी तरह श्रीकृष्ण ने शकटासुर का उद्धार किया। उन्होंने ने कहा कि कृष्ण ने ब्रज की मिट्टी चुरा कर खाने लगे। दाऊ ने शिकायत कर दी। मां ने पकड़ लिया। उसके बाद श्रीकृष्ण ने कालिया का अंत किया। कथा व्यास ने बीच-बीच में भावुक प्रसंगों का उल्लेख किया। भजनों से कथा को और भी मनमोहक बना दिया। अंत में आरती हुई और प्रसाद का वितरण हुआ।

# तख्तश्री परिसर में चल रहे रिहाइश निर्माण में तेजी लाएं

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कांफ्रेंस हॉल में रिहाइश निर्माण को लेकर मंत्रणा की। बैठक में कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह, गुरुविंदर सिंह, सचिव हरबंश सिंह खनूजा, निर्माण कार्य से जुड़े सुमित सिंह कलसी, सूरज सिंह नलवा, संत बाबा हरबंश सिंह कारसेवा दिल्लीवाले के स्थानीय प्रतिनिधि बाबा गुरनाम सिंह आदि शामिल हुए। इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए निष्काम सेवा सोसाइटी के बाबा इंद्रजीत सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान चल रहे रिहाइश निर्माण पर चर्चा की गई। कमेटी के द्वारा जिन-जिन लोगों को रिहाइश निर्माण की कारसेवा सौंपी गई है, उन सबों से आग्रह किया गया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही पाइलिंग और निर्माण से संबंधित मामलों पर बाबा इंद्रजीत सिंह एवं सुमित सिंह कलसी ने भी अपनी बात रखी।

# आंख के रोगों के लिए नेत्र तर्पण अद्भुत चिकित्सा : वैद्य दिनेश्वर

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, पटना, बेगूसराय , दरभंगा, बिहार के पूर्व प्राचार्य एवं पटना ,शेखपुरा ,के पाल मार्केट स्थित अमृत आयुर्वेद का निदेशक सहः मुख्य चिकित्सक ने हुए हर घर, हर दिन आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत " नेत्र तर्पण " विषय पर बताया की

आयुर्वेद के मुख्य ग्रंथ सुश्रुत संहिता में उद्धजत्रुगत रोग यथा आंख,कान,नाक, गला, मस्तिष्क, इत्यादि के साध्य असाध्य रोगों से निजात के लिए क्रियाकल्प विधि का वर्णन किया गया हैं। जिसका और भी विस्तृत वर्णन नेमी तंत्र यानी शालाक्य तंत्र के पुस्तको में किया गया है। उक्त क्रिया कल्प के अंतर्गत आंखो के विकारों के लिए नेत्र तर्पण का उल्लेख किया गया हैं।जिसके लिए अब तक यहां के लोग केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक,इत्यादि प्रदेशों में जाया करते थे ,पर अब मेरे सानिध्य में इस चिकित्सा की सुविधा उक्त केंद्र यानी अमृत आयुर्वेद में भी उपलबंध कराया गया हैं।

नेत्र तर्पण में विशेस रूप से जड़ी बूटियों से निर्मित स्वरस या तरल पदार्थ,मेडिकेटेड घृत इत्यादि का प्रयोग होता है जो, सामान्यतः10 दिनों तक नियमित रूप से दिया जाता है ।जिन जडी बूटियों से निर्मित रस युक्त या घृत युक्त औषधियों का प्रयोग किया जाता हैं।उसमे एंटी आकासिडेंट गुण पाए जाते है।जिससे थकी हुई या तनावग्रस्त आंखो को तत्काल राहत मिलता है। आज कल डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, मोबाइल,कंप्यूटर, स्क्रीन तथा, चकाचौंधयुक्त भिन भिन प्रकार के लाइटो में लंबे समय से काम करने के कारण, हानिकारक किरणों एवम प्रदूषणो से आंखों पर लगातार बुरा प्रभाव डाल रहा हैं । जिससे आंखो को बहुत नुकसान हो रहा हैं।फलस्वरूप आंखो में जलन,थकान, अनिद्रा,लालिमा,रोशनी में कमी इत्यादि की शिकायत हो रही है। कई एक लोग अंधेपन से आक्रांत हो रहे है। नेत्र तर्पण से आंखो में ठंडक और उसमे नरीस मेट मिलती है। इस क्रिया से आंखो के बाहरी एवम अंदरुनी भाग के हिस्से को पोषण मिलता है। आंखो के अंदरूनी विकार को बाहर निकालता हैं।इसके अतिरिक्त ड्राइ सिंड्रोम, आंखो में बार बार होने वाली खुजली की समस्या, ग्लूकोमा, आंखो में होने वाला दर्द, आंखो के जलन,एवम आंखो में कुछ कण जैसा महसूस होना, आंखो के भारीपन, इत्यादि में भी लाभ मिलता है। इससे नजदीक या दूर की रोशनी में कमी आने पर भी आशातीत लाभ मिलता है।

आंखो के सौंदर्य को भी बढ़ाता है। रेटीना में भी इससे ताकत मिलती है। इसके नियमित प्रयोग से बहुत से लोगो को चश्मो से छुटकारा मिलता हैं।आंखो या मास्तिष्क में चोट लगने से होने वाले आंखो के विकार से भी छुटकारा मिल सकती है।इसके साथ साथ आमतौर पर आयुर्वेद में वर्णिन शिरो विरेचन (नस्य) कर्म एवं जलौका चरण से भी लाभ होते देखा गया है। विशेष लाभ के लिए शिरोधारा शिरोलेप,शिरोबस्ती,का प्रयोग भी लाभप्रद है। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में वर्णित, वात, पित कफ,से होने वाली नेत्र संबंधी विमारियो में वमन,विरेचन, बस्ती का प्रयोग भी आवश्यकता नुसार कराने की जरूरत पड सकता है।और इन क्रियायो से भी आशातीत लाभ मिलते देखा जाता हैं। साथ में खान पान ,रहन सहन,में सुधार के साथ साथ योग में वर्णित आसन एवं प्राणायाम से भी लाभ मिलता है। अतः इस भ्रांति को भी दूर करने की जरूरत है की आयुर्वेद मे इन अवयवों या विकारों के चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है। आयुर्वेद में भी आंखो के चिकित्सा के लिए पुरी व्यवस्था आचार्यो ने की है।

# संत भिंडरावाले की बेटी ने तख्तश्री कमेटी को सौंपा पत्र

प्रात :किरण संवाददाता

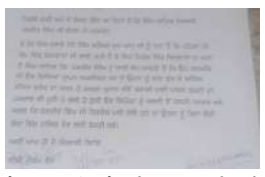

पटना सिटी। एक तरफ पंजाब दा बारिश के प्रमुख अमृतपाल सिंह का आसाम के डिब्रूगढ़ में गिरफ्तारी का मामला सुर्खियों में है। वहीं दूसरी ओर संत ज्ञानी जरनैल सिंह भिंडरावाले की बेटी बीबी प्रीतम कौर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में दर्शन दीदार करने को पहुंची थी। उन्होंने दशमेश दरबार में मत्था टेका और गुरु महाराज के जीवन से जुड़े धरोहरों का दर्शन दीदार करने के बाद लौट गईं। इस दौरान उन्होंने तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के कार्यालय में एक पत्र भी सौंपा है। सौंपे गए पत्र में संत ज्ञानी जरनैल सिंह भिंडरावाले की पुत्री प्रीतम कौर ने कमेटी के अध्यक्ष और महासचिव को संबोधित करते हुए कहा है कि काफी समय से देखने और सुनने में आ रहा है कि तख्तश्री पटना साहिब के जत्थेदार के पद पर रहे ज्ञानी रणजीत सिंह न्याय के लिए इंतजाररत हैं। वह एक सुलझे हुए सिख स्कॉलर हैं। आपको पता है कि सिखों में विद्वानों की खासा कमी है। यह एक तरह से सिख विद्वानों की हत्या है, जो इनके मामले में किया जा रहा है। सिख कौम गुरमत की उच्च शिक्षा प्राप्त शख्सियत हैं ज्ञानी रणजीत सिंह। उनको जानबूझ कर साजिश के तहत फंसाने की चाल चली गई है। तख्तश्री कमेटी की तरफ से हाई पावर कमेटी बना कर इसकी पड़ताल भी पूरी की जा चुकी है। वह कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही और महासचिव इंद्रजीत सिंह से आग्रह करेंगी कि जल्द से जल्द उक्त रिपोर्ट को देश-विदेश के सिख संगतों के बीच सार्वजनिक करें। यदि ज्ञानी रणजीत सिंह निर्दोष पाए जाते हैं, तो बिना देरी किए सेवा शुरू किए जाने को लेकर ज्ञानी रणजीत सिंह से कमेटी के पदाधिकारीगण प्रार्थना करें। मोबाइल पर हुई बातचीत के दौरान बीबी प्रीतम कौर ने कहा कि वह किसी राजनीति पर बातचीत करना नहीं चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि बारिश द पंजाब के अमृतपाल सिंह के बारे में आपका क्या कहना है, तो उन्होंने कहा कि वह पंजाब का बच्चा है। हम सबके बीच का है। बाकी उसके मन में क्या है, क्या सोच है, क्या करना चाहता है, यह सब सवाल उसी से पूछें, तो ज्यादा बेहतर होगा।

# सालाना स्नान मेला को ले गुरु का बाग में रखा गया अखंड पाठ

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी । गुरुद्वारा गुरु के बाग में वार्षिक स्नान मेला 27 को होगा। इसे लेकर मंगलवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ गुरुद्वारा गुरु के बाग में ग्रंथी मनोहर सिंह और संतोख सिंह की देखरेख में रखा गया। अखंड पाठ का समापन गुरुवार को वार्षिक स्नान मेला के दिन होगा। उसी दिन यहां विशेष दीवान सजेगा। इसमें शबद कीर्तन और कथा प्रवचन के साथ अन्य धार्मिक आयोजन होगा। स्नान मेला में शामिल होने के लिए पंजाब व दूसरे प्रांतों से सिख संगतों का जत्था तख्तश्री पटना साहिब पहुंच रहा है। प्रबंधक कमेटी के पदधारकों ने बताया कि स्नान मेला को लेकर तैयारी की गयी है। सरोवर को साफ कराया गया है। विदित हो कि गुरुद्वारा गुरु के बाग में एक वरदायिनी कुआं है, जिसे नवम पातशाह गुरु तेग बहादुर जी ने वरदान दिया था कि जो कोई भी सच्चे मन से इस कुएं के जल से स्नान कर दरबार साहिब में मत्था टेक अरदास करेगा, उसकी कोख हरी होगी या अन्य मनौती पूरी होंगी। यहां संतान की प्राप्ति होने के बाद लोग पौधा लगाने भी आया करते हैं। 27 अप्रैल को होने वाले सालाना स्नान मेला में एक तरफ मनौती लेकर आने वालों की संख्या होगी, तो दूसरी ओर पौधा लगाने वालों की भी।

# मन की बात की सफलता को लेकर बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

फतुहा। शहर के गोविन्दपुर मां तारा उत्सव हॉल में मंगलवार को आगामी 30 अप्रैल को पीएम मोदी के "मन की बात" का 100 वां एपिसोड जो फतुहा नगर के 20 बूथों पर संख्या बल के साथ सुनना और फतुहा कटैया घाट पर मन की बात का प्रदेश स्तरीय 100 वां एपिसोड मुख्य कार्यक्रम की सफलता के लिए फतुहा नगर मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी की अध्यक्षता में हुई। संचालन नगर महामंत्री अरूण कुमार झा ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि बाढ़ जिला संगठन अध्यक्ष अरूण कुमार साह, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार सिंह, केशवकांत प्रसाद, जिला मंत्री अरविंद यादव, सुधीर यादव, भास्कर लाल पटवा, लक्ष्मण साहु, राणा राजेंद्र पासवान, रामजी प्रसाद, विक्की सिंह, अनिल कुमार शर्मा सहित दर्जनों मौजूद रहे।

# कोरोना का एक मरीज भर्ती, जांच में एक मिले

पटना सिटी (प्राकि)। एनएमसीएच में आरटीपीसीआर जांच में एक और कोरोना संक्रमित मिला है, जबकि एक मरीज को भर्ती किया गया है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ राजीव रंजन एवं नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मुकुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को माइक्रो बॉयोलॉजी विभाग में विभागध्यक्ष डॉ संजय कुमार की देखरेख में 390 सैंपल की जांच हुई। इसमें वैशाली से आया 355 सैंपल की जांच में रिपोर्ट सभी का निगेटिव आया है। अस्पताल के 35 सैंपल की जांच में एक संक्रमित मरीज पाया गया है। दूसरी ओर अस्पताल के एमसीएच भवन में कोविड मरीज के भर्ती करने के लिए सौ बेड की व्यवस्था है। इसमें मंगलवार को एक कोरोना संक्रमित युवक (25) मरीज को भर्ती किया गया है, जबकि अस्पताल में भर्ती मरीज को ठीक होने के बाद घर भेजा गया है।

# आनंद मोहन के जेल से रिहाई मामले पर छिड़ा सियासी संग्राम, आरोप-प्रत्यारोप शुरू

## भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर : लेशी सिंह

पटना। आनंद मोहन की रिहाई मामले को लेकर पूरे प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है। विपक्षी पार्टियां सरकार पर सवाल उठा रही है। वहीं, सत्ता पक्ष के तरफ से इस कदम को स्वागयोग्य बताया जा रहा है। इस प्रकरण पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक अन्य सवाल के जबाव देते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि आनन्द मोहन की रिहाई पर भाजपा के अंदर ही विरोधाभास है, जो भाजपा की दोहरी चरित्र को दशार्ता है। भाजपा के इस चरित्र को क्षत्रिय समाज पहचान चुकी है। जिसका जबाव लोकसभा चुनाव में वो देगी। मंगलवार को जदयू प्रदेश मुख्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि बिहार के न्यायप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आनंद मोहन के साथ-साथ सभी जाति सम्प्रदाय के अन्य छब्बीस सजा काट चुके आरोपी को मुक्त करने कानून के मुताबिक निर्णय लिया है। जो एक स्वागत योग्य कदम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी एकजुटता की मुहिम की सफलता से भाजपा डरी घबराई हुई है। इसी का परिणाम है कि भाजपा अनर्गल प्रलाप बयानबाजी कर रही है। उ मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि बिहार लोकनायक जयप्रकाश नारायण की धरती है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जयप्रकाश नारायण के सच्चे शिष्य हैं। वे जयप्रकाश के आह्वान पर लोकतंत्र को बचाने तथा तानाशाही के खिलाफ आंदोलन में अग्रमी भूमिका निभायें हैं। इसलिए उन्हें अनुभव है कि कैसे तानाशाही भ्रष्टाचारी केन्द्र सरकार के खिलाफ विपक्षी एकजुटता कर करारा जबाब दिया जाय। भाजपा को अच्छी तरह से इस बात की परख है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनीतिक परिपक्व कुशल नेतृत्वकर्ता हैं। इनके अनुभव एवं नेतृत्व क्षमता से विपक्षी को एकजुट करने की मुहिम में सफलता मिल जायेगी जिससे भाजपा की केन्द्र सरकार हिल जायेगी। इसलिए भाजपा बेचैन घबरायी हुई है। श्रीमती सिंह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण के बाद बिहार एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश में राजनीतिक परिवर्तन की धुरी बनेगा और मँहगाई, बेरोजगारी आतंक के माहौल से त्रस्त देश की जनता को एक कुशल नेतृत्वकर्ता मिल सकेगा। जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंत्री लेशी सिंह ने जदयू मुख्यालय में आमजनों से मिलकर उनकी समस्याओं का निपटारा किया। इस दौरान मुख्यालय महासचिव वासुदेव कुशवाहा एवं जदयू के अन्य कार्यकत्र्तागण मौजूद थे।

## रिहाई पर भाजपा की घटिया राजनीति : गगन

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने पूर्व सांसद आनंद मोहन के रिहाई को लेकर भाजपा द्वारा घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिल्किस बानो केश में आजीवन कारावास वाले सजाएफ्ताओं को महिमा मंडित करने वाली भाजपा द्वारा दोहरा मापदंड अपनाया जाना भाजपा का चारित्रिक पहचान बन गया है। आनंद मोहन की रिहाई को मुद्दा बना कर भाजपा अपने ओछी राजनीति का परिचय दे रही है। जबकि यह कोई राजनीतिक मुद्दा है हीं नहीं। यह पूर्ण रूप से नैसर्गिक न्याय और न्यायिक निर्देशिका का पालन करते हुए प्रशासनिक निर्णय है। जिसके वजह से आजीवन सजा प्राप्त 27 वैसे कैदियों को रिहा होने का लाभ मिलने जा रहा है जो 14 वर्षों से ज्यादा दिनों तक जेल की सजा काट चुके हैं और जेल के अन्दर उनका आचरण और व्यवहार जेल मैनुअल के अनुसार सुधारात्मक रहा है। यह महज संयोग है कि इसका लाभ पूर्व सांसद आनंद मोहन को भी मिल रहा है। चूंकि वे पन्द्रह वर्षों से ज्यादा दिनों तक जेल की सजा काट चुके हैं और जेल प्रशासन द्वारा उनके आचरण को काफी सुधारात्मक बताया गया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा है बल्कि अपवाद को छोड़ दिया जाए तो सामान्य तौर पर आजीवन कारावास की सजा पाए अधिकांश कैदियों को चौदह वर्ष पुरा करने के बाद कारावास से मुक्त कर दिया जाता है। विशेष मामले में न्यायालय खुद अपने फैसले में हीं मृत्यु पर्यन्त कैद का आदेश देती है। जबकि आनंद मोहन के सजा में ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिल्किस बानो मामले में गर्भवती महिला के साथ बलात्कार और मासुम बच्ची सहित परिवार के सात लोगों को मौत के घाट उतार देने वाले आजीवन कारावास के 11 सजाएफ्तों को न केवल माफी दे दी गई बल्कि उन्हें तिलक लगाकर और माला पहनाकर महिमा मंडित किया गया। जबकि 2014 में गुजरात सरकार द्वारा 1992 के कैदी मैनुअल में संशोधन कर जघन्य अपराध के आजीवन कारावास वाले सजाएफ्ताओं को जीवन पर्यन्त कारावास में रहने का प्रावधान कर दिया गया था। बिल्किस बानो जैसे जघन्यतम अपराध के सजाएफ्ताओं को कारागार से मुक्त करने के लिए गुजरात की भाजपा सरकार द्वारा अपने हीं बनाए कैदी मैनुअल की न केवल अवहेलना की गई बल्कि जेल गेट पर उन्हें महिमा मंडित कर न्यायिक प्रक्रिया और मानवीय संवेदना का खुलेआम माखौल उड़ाया गया।

## जानबूझकर षड्यंत्र का शिकार बनाया गया : रूडी

पटना। आनंद मोहन की रिहाई के समाचार पर सांसद रुडी ने हर्ष व्यक्त किया है और कहा है कि सरकार का यह निर्णय यह सिद्ध करता है कि उन्हें जानबूझकर षड्यंत्र का शिकार बनाया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सांसद रुडी ने कहा कि आनन्द मोहन को रिहा करके राज्य सरकार ने उनके निर्दोष होने का प्रमाण दिया है। आनन्द मोहन की राजनीतिक यात्रा को पूरी तरह समाप्त करने का हर वो कदम उठाया गया था जिससे उनकी राजनीति को पूरी तरह से समाप्त किया जा सके। परन्तु वर्तमान राज्य सरकार ने अपनी लोकप्रियता क्षवि धूमिल होते देख उनकी रिहाई का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक बार फिर से वो सक्रिय राजनीति में आकर जनसेवा करेंगे। श्री रूडी ने कहा कि जिस समय आनन्द मोहन को आजीवन कारावास की सजा हुई थी उस समय लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। उस दौरान एक घटित घटना में आनन्द मोहन को अपराधी मानकर दोषी करार दिया गया था, परन्तु यह भी बात सच है कि आज उन्हें रिहा करके सरकार ने उन्हें दोषमुक्त करार दिया है। उनकी रिहाई ने इस बात को स्थापित कर दिया है कि वे उस घटना में निर्दोष थे और प्रायोजित षड्यंत्र के शिकार हुए थे। उन्होंने कहा कि भीड़ द्वारा की गई दुर्घटना की पूरी जिम्मेदारी आनन्द मोहन पर डालकर तत्कालीन सरकार के प्रयास से आनन्द मोहन को दोषी ठहराया गया था लेकिन वर्तमान राज्य सरकार द्वारा उन्हें रिहा करना उनके निर्दोष होने की बात को ही सिद्ध करता है। विदित हो कि आनन्द मोहन की राजनीतिक यात्रा राजीव प्रताप रुडी के साथ ही शुरू हुई थी। दोनो 1990 में एक साथ विधायक बने थे। बिहार पीपुल्स पार्टी के संस्थापक सदस्य है रुडी। रुडी के साथ ही आनन्द मोहन ने पार्टी का गठन किया था। रुडी ने कहा कि बिहार और बिहारियों की लड़ाई अनवरत जारी रहेगी और खुशी है कि विभा मंच से उठाये गये विषय पर, उनके प्रयासों से सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। प्रभुनाथ सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी राजनीति में वे सहयोग करते रहे है, उनके साथ जनसेवा में भी साथ रहे है, उनके भाई वर्तमान में राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर विधायक भी है। उन्हें भी सरकार को जेल से छोड़ना चाहिए। उन्हें भी किसी न किसी परिस्थिति में इन्हीं सरकारों ने मिल जुलकर जेल भिजवाया था और साक्ष्य प्रस्तुत करके आजीवन कारावास दिलाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री रूडी ने सरकार से प्रभुनाथ सिंह कि भी रिहाई की मांग की है।

## राजद के जिलाध्यक्षों एवं प्रधान महासचिवों की सूची जारी

### पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव बने पटना के जिलाध्यक्ष

**पटना, प्रात : किरण संवाददाता**

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी के निदेशार्नुसार प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने निम्नलिखित को जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रधान महासचिव मनोनीत किया है जो इस प्रकार है: पश्चिमी चम्पारण (बेतिया) मो साहेब हुसैन अंसारी जिलाध्यक्ष, अमर यादव जिला प्रधान महासचिव। बगहा सुमंत कुमार महतो जिलाध्यक्ष, मो आलमगीर रब्बानी जिला प्रधान महासचिव। पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) मनोज यादव विधायक, जिलाध्यक्ष सुरेश सहनी अधिवक्ता जिला प्रधान महासचिव। गोपालगंज दिलीप सिंह जिलाध्यक्ष, इम्याज अली भुट्टो जिला प्रधान महासचिव। सीवान विपिन कुशवाहा जिलाध्यक्ष, उमेश प्रसाद यादव जिला प्रधान महासचिव। सारण सुनील कुमार राय जिलाध्यक्ष, मुखलाल महतो जिला प्रधान महासचिव। वैशाली बैद्यनाथ सिंह चन्द्रवंशी जिलाध्यक्ष, संजय राय जिला प्रधान महासचिव। मुजफ्फरपुर रमेश गुप्ता जिलाध्यक्ष, सुधीर यादव जिला प्रधान महासचिव। मुजफ्फरपुर महानगर राईन शाहिद इकबाल मुन्ना महानगर अध्यक्ष,विक्रम महतो महानगर प्रधान महासचिव। सीतामढ़ी सुनील कुशवाहा पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष, मो जलालुदीन खां जिला प्रधान महासचिव। शिवहर उपेन्द्र पासवान जिलाध्यक्ष, सुखनंदन राय जिला प्रधान महासचिव, मधुबनी वीर बहादुर राय जिलाध्यक्ष, मो असलम अंसारी जिला प्रधान महासचिव। दरभंगा उदय शंकर यादव जिलाध्यक्ष, मो अफजल जिला प्रधान महासचिव। दरभंगा महानगर रामाशंकर सहनी महानगर अध्यक्ष, सचिन राम महानगर प्रधान महासचिव। समस्तीपुर रोमा भारती पूर्व विधान पार्षद जिलाध्यक्ष, वपिन कुमार सहनी, जिला प्रधान महासचिव। बेगूसराय मोहित यादव जिलाध्यक्ष, रामसखा महतो जिला प्रधान महासचिव। बेगूसराय महानगर शिवजी महतो महानगर अध्यक्ष, अभिराम सिंह, महानगर प्रधान महासचिव।सहरसा मो ताहिर जिलाध्यक्ष, गोविंद दास तांती जिला प्रधान महासचिव। मधेपुरा जयकांत यादव जिलाध्यक्ष, मो नजीर उदीन नूरी जिला प्रधान महासचिव। अररिया मनीष यादव जिलाध्यक्ष, मनोज विश्वास जिला प्रधान महासचिव। किशनगंज मो कमरूल होदा पूर्व विधायक जिलाध्यक्ष, मो रहिमउदीन उर्फ हैबर खान जिला प्रधान महासचिव, पूर्णियां मिथिलेश कुमार दास जिलाध्यक्ष,अभय सिन्हा जिला प्रधान महासचिव। पूर्णियां महानगर मो सबी अहमद महानगर अध्यक्ष, अंजनी कुमार साह उर्फ ऋषभ कुमार महानगर प्रधान महासचिव। कटिहार ईसरत प्रवीण जिलाध्यक्ष, विनोद साह जिला प्रधान महासचिव। भागलपुर चन्द्रशेखर प्रसाद यादव जिलाध्यक्ष, विश्वजीत कुशवाहा जिला प्रधान महासचिव।

भागलपुर महानगर मो शहाबुदीन महानगर अध्यक्ष, प्रदीप यादव पूर्व डिप्टी मेयर महानगर प्रधान महासचिव। बांका अर्जुन प्रसाद ठाकुर जिलाध्यक्ष, मिठ्ठन प्रसाद यादव जिला प्रधान महासचिव। मुंगेर त्रिलोकी नारायण शर्मा जिलाध्यक्ष, संतोष यादव जिला प्रधान महासचिव। मुंगेर महानगर मो सैयद जुनैद मखमुर महानगर अध्यक्ष, राज रमण महानगर प्रधान महासचिव। खगड़िया मनोहर कुमार यादव जिलाध्यक्ष, नंदलाल मंडल जिला प्रधान महासचिव। शेखपुरा शिवचन्द्र कुमार सिंह जिलाध्यक्ष, विजय कुमार यादव जिला प्रधान महासचिव। नालंदा श्री अशोक हिमांशु जिलाध्यक्ष, सुनील यादव जिला प्रधान महासचिव। बिहार शरीफ मो खुर्शीद आलम अंसारी महानगर अध्यक्ष, प्रमोद गुप्ता महानगर प्रधान महासचिव। बाढ़ निमिता नीरज सिंह जिलाध्यक्ष, पंकज कुमार धीरज उर्फ पंकज यादव जिला प्रधान महासचिव, पटना दीनानाथ सिंह यादव पूर्व विधायक जिलाध्यक्ष, मो अफरोज आलम जिला प्रधान महासचिव। पटना महानगर मो महताब आलम महानगर अध्यक्ष, उत्तम मेहता महानगर प्रधान महासचिव। भोजपुर बीरबल यादव जिलाध्यक्ष, रामबाबू पासवान, जिला प्रधान महासचिव, बक्सर शेषनाथ सिंह जिलाध्यक्ष, धनपति चैधरी जिला प्रधान महासचिव। रोहतास रामचन्द्र ठाकुर जिलाध्यक्ष, राजीव रंजन सिंह उर्फ राजू यादव जिला प्रधान महासचिव। कैमूर अकलू राम जिलाध्यक्ष, भोला यादव जिला प्रधान महासचिव। औरंगाबाद अमरेन्द्र कुमार कुशवाहा जिलाध्यक्ष, अनिल टाईगर जिला प्रधान महासचिव। जहानाबाद महेश ठाकुर जिलाध्यक्ष, परमहंस राय जिला प्रधान महासचिव। अरवल जगजीवन राम जिलाध्यक्ष, घनश्याम प्रसाद वर्मा जिला प्रधान महासचिव, गया मो मुर्शीद आलम उर्फ नेजाम भाई जिलाध्यक्ष गया, सुभाष यादव जिला प्रधान महासचिव। गया महानगर जितेन्द्र कुमार यादव महानगर अध्यक्ष, विजय सिंह चन्द्रवंशी महानगर प्रधान महासचिव। नवादा उदय कुमार यादव जिलाध्यक्ष, उमेश शर्मा जिला प्रधान महासचिव। नवगछिया अलख निरंजन पासवान जिलाध्यक्ष, संजय कुमार मंडल जिला प्रधान महासचिव को मनोनीत किया गया है। इस आशय की जानकारी प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने दी है।

## राजनन्दन प्रदेश कांग्रेस कमिटी सहकारिता विभाग के अध्यक्ष पद पर मनोनीत

पटना। कांग्रेस पार्टी के प्रति निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने राजनन्दन कुमार को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी सहकारिता विभाग के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राजनन्दन कुमार कांग्रेस के एक जुझारू कार्यकर्ता रहे हैं और पार्टी के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि इस मनोनयन से कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने राजनन्दन कुमार को पदभार ग्रहण के उपरान्त अतिशीघ्र प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक संगठन के ढ़ाचे को मजबूत करने को कहा।

## भाजपा को जनता से नहीं केवल बयानों से मतलब : राजीव

**पटना, प्रात : किरण संवाददाता**

जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा है कि बिहार में भाजपा को अपने खात्मे के लिए किसी दूसरे दल की जरूरत ही नहीं है बल्कि अहंकार में डूबे इनके कुछ बड़े नेता ही पार्टी की लुटिया डुबोने के एकसूत्री एजेंडे पर काम करने लगे हैं। पार्टी पर कब्जा जमाये रखने की इनकी अंदरूनी खींचतान में ही इनका कबाड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इनके नेताओं को जनता से मतलब ही नहीं है। इनकी राजनीति सिर्फ टीवी और अखबारों में आने तक ही सीमित है। उसपर से इनके वरीय नेताओं का अपनी ढपली अपना राग है। कोई नेता किसी मुद्दे पर दायें बोलता है तो कोई बाएं। न तो इनके बयानों में कोई एकरूपता होती है और न ही तथ्य। इसके बावजूद सिर्फ अखबार में छपने के लिए नेताओं की यह मंडली रोजाना बेफिजूल के बयान दे दे कर यह भाजपा की राह में कांटे बोने में लगी रहती है। दूसरी तरफ पार्टी अंदर ही अंदर ही इनके बयानों पर त्राहि त्राहि कर रही है, लेकिन इनकी वरीयता के कारण खुलकर कोई कुछ बोल नहीं पाता। यदि भाजपा अनुशासन की राह पर सही में चल रही होती तो इनकी बयानबाजी पर कबकी रोक लगा चुकी होती। जदयू महासचिव ने कहा कि शराबबंदी के मसले को ही ले तो एक तरफ जहां इनके कुछ नेता इस कानून के समर्थन में बयान देते हैं वहीं इनके बड़े इनके एक अन्य बड़े नेता पार्टी लाइन से विपरीत जाकर इस कानून को शिथिल करने की मांग कर रहे हैं। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि अपने नेताओं के इन फिजूल के बयानों पर भाजपा मुंह बाए देखने के बजाए कुछ कर नहीं पाती। इससे इनकी अंदरूनी कमजोरी का पता चलता है। वह दिन दूर नहीं कि यह लोग मुंह ताकते रह जायेंगे और यह नेतागण पार्टी को तहस-नहस कर के रख देंगे।

## बिहार से होगा देश में महापरिवर्तन का आगाज : उमेश कुशवाहा

पटना। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विपक्षी एकता को लेकर वार्ता बेहद सकारात्मक रही है। सभी लोगों ने एक स्वर से साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा भी जताई है क्योंकि अब देश के महान संविधान और सदियों पुराने लोकतंत्र एवं देश के इतिहास पर खतरा मंडराने लगा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार की धरती न सिर्फ लोकतंत्र की जननी रही है बल्कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए भी शुरू से समर्पित और तत्पर भी रहें हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की यह महान भूमि किसी भी कीमत पर निरकुंश हुकूमत की अन्याय और अत्याचार को सहन नहीं करेगी। जिस प्रकार संपूर्ण क्रांति के तहत बिहार ने तानाशाही सत्ता नींव को उखाड़ फेंकने का काम किया था आज वही जनाक्रोश दुबारा बिहार की जनता को उद्वेलित कर रहा है। आगे उन्होंने कहा कि देश में विपक्षी एकजुटता को आकार देने की दिशा में नीतीश कुमार के प्रयास से भाजपा पूरी तरह से घबरा गई है और इनकी घबराहट इनके बयानों से स्पष्ट झलक रहा है। उनकी लोकप्रियता देखकर भाजपा वाले बदहवास हो चुकें हैं और घोर निराशा में दुबे हुए ये लोग मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक बयानबाजी कर रहें हैं। आनंद मोहन से जुड़े मुद्दों पर श्री कुशवाहा ने कहा कि आनन्द मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार का कदम एक संविधानिक प्रक्रिया के तहत हुई है। जिससे आनंद मोहन सहित अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाज से आने वाले कुल 27 लोगों को इसका लाभ मिला है। यह कदम सामाजिक समरसता को कायम करते हुये सराहनीय एवं स्वागतयोग्य है परन्तु भाजपा के नेता उनकी रिहाई से भी तिलमिलाए हुए हैं। उनकी पार्टी में ही भारी विरोधाभास नजर आ रहा है। एक तरफ आधे भाजपाई उनकी रिहाई को सकारात्मक पहल बता रहे हैं तो दूसरा खेमा रिहाई का विरोध कर रहा है। इनका दोहरा चरित्र फिर से एक बार जनता के समक्ष उजागर हुआ है।

## लोहार जाति को जाति गणना में एक स्वतंत्र जाति के रूप में गणना हो : माले

पटना। भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि लोहार विकास मंच को बिहार में जारी जाति गणना पर कुछ आपत्तियां हैं। इस संबंध में पार्टी की ओर से एक ज्ञापन बिहार के मुख्यमंत्री को भेजा गया है। मंच से जुड़े लोगों का कहना है कि जाति गणना में मूल लोहार जाति का गणना कोड उपलब्ध नहीं कराया गया है। सरकार द्वारा लोहार को कमार (लोहार, कर्मकार) जाति की एक उपजाति बता दिया गया है, जिसका गणना कोड - 14 संशोधित 13 अंकित है। लोहार जाति समुदाय का दावा है कि यह जाति बिहार के सभी क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक स्वतंत्र जाति समुदाय है, जिसका प्रमाण खतियान/जमीन रजिस्ट्री के दस्तावेजों और सरकारी अभिलेखों में उपलब्ध है। बिहार के सभी इलाको में इसे लोहार जाति के ही नाम से जाना जाता है। उनका कहना है कि राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अंग्रेजी में लोहार को लोहारा कर दिया है और फिर इसे कमार की एक उपजाति बता दिया है। यह जाति समुदाय सरकार के इस फैसले से नाराज है और वह जाति गणना में एक स्वतंत्र जाति के बतौर अपनी गणना चाहता है तथा नए गणना कोड की मांग कर रहा है।भाकपा-माले बिहार के मुख्यमंत्री से उनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की मांग करती है।

## आनंद विहार से सीतामढ़ी एवं जयनगर के लिए एक-एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

पटना। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है । इनमें से अब तक 17 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सूचना पूर्व में प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी जा चुकी है । इसी क्रम में आनंद विहार से सीतामढ़ी एवं जयनगर के लिए एक-एक जोड़ी समर स्पेशल चलाने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है। 04060/04059 आनंद विहार-जयनगर-आनंद विहार स्पेशल एक्सप्रेस (डीडीयू-पटना- बरौनी- समस्तीपुर-दरभंगा के रास्ते) - 04060 आनंद विहार-जयनगर स्पेशल एक्सप्रेस 28 से 12 मई तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को आनंद विहार से 10.30 बजे खुलकर अगले दिन 08.00 बजे पटना रूकते हुए 15.15 बजे जयनगर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04059 जयनगर-आनंद विहार स्पेशल 29 से 13 मई तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार एवं बुधवार को जयनगर से 17.00 बजे खुलकर 23.20 बजे पटना रूकते हुए अगले दिन 19.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । यह फेस्टिवल स्पेशल अप एवं डाउन दिशा में मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, वाराणसी, पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी स्टेशनों पर रूकेगी । इस स्पेशल में द्वितीय-सह तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 13 एवं साधारण श्रेणी के 05 कोच होंगे ।
04070/04069 आनंद विहार-सीतामढ़ी-आनंद विहार स्पेशल एक्सप्रेस (लखनऊ- गोरखपुर-नरकटियागंज-रक्सौल के रास्ते) - 04070 आनंद विहार-सीतामढ़ी आरक्षित एक्सप्रेस 20 मई से 01 जूलाई तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को आनंद विहार से 00.30 बजे खुलकर उसी दिन 21.30 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04069 सीतामढ़ी-आनंद विहार स्पेशल एक्सप्रेस 21 मई से 02 जुलाई तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को सीतामढ़ी से 00.15 बजे खुलकर उसी दिन 23.45 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । यह फेस्टिवल स्पेशल अप एवं डाउन दिशा में मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, नरकटियागंज एवं रक्सौल स्टेशनों पर रूकेगी । इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 10 एवं साधारण श्रेणी के 10 कोच होंगे । उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार के द्वारा दी गई है।

## सलीम बने लोजपा रा अल्पसंख्यक सेल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने अपने कमिटी का विस्तार करते हुए मो सलीम(साहिल) को अल्पसंख्यक सेल बिहार का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनित किया है। आगे श्री तिवारी ने कहा कि मो सलीम(साहिल) पार्टी के बहुत ही कर्मठ, ईमानदान एवं समर्पित कार्यकर्ता है। इनके मनोनयन होन पर पार्टी को मजबूती मिलेगी तथा अल्पसंख्यक सेल का संगठन सुदृढ़ होगी। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुन्दन पासवान ने बताया कि इनके मनोनयन होने पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ सत्यानन्द शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, विष्णु पासवान, ई नौशाल आलम, युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, पिन्टु चौधरी, प्रदेश मीडिया प्रभारी कुन्दन पासवान, प्रदेष महासचिव अभिषेक आनंद, अमन शांडिल्य, दिलीप यादव, कार्यालय प्रभारी ओम प्रकाश भारती, आनंद शंकर चन्द्रवंशी, सरवल अली ने बधाई दी। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

## राजद जिलाध्यक्षों की सूची पर भाजपा ने कसा तंज

पटना। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार भाजपा प्रवक्ता डॉ निखिल आनंद ने राष्ट्रीय जनता दल द्वारा जारी बिहार के सभी जिला अध्यक्षों की सूची पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राजद जिलाध्यक्षों की सूची, ब्राह्मण-भूमिहार समाज के प्रति विद्वेषपूर्ण मानसिकता और मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति का परिचायक है। निखिल ने कहा कि अभी कुछ ही दिनों पहले राजद के लोग यादव समाज से दही जमवाकर, भूमिहार- ब्राह्मण समाज से चूड़ा जुटाकर दही- चूड़ा भोज मनाने की बात कर रहे थे। अब एक भी जिलाध्यक्ष ब्राह्मण- भूमिहार से न बनाकर उनको ठेंगा दिखा रहे हैं। निखिल ने आईना दिखाते हुए कहा कि राजद में पार्टी का राजा, युवराज एवं दरबारी तो पहले से ही तय है। राजद एम-वाई समीकरण से से इंजन चलाने की बात करती है और वहीं राजपूत को झांसा देने एवं दलित- अति पिछड़ों से सिर्फ झोला-झंडा उठवाकर जयकारा लगवाना चाहती है। सर्व समाज की वास्तविक राजनीति भारतीय जनता पार्टी करती है जिसमें सामान्य वर्ग, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़े एवं अति- पिछड़ों को भाजपा में बूथ एवं मंडल से लेकर राष्ट्रीय संगठन तक उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है।

### डीएम ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में अधिकारियों एवं एजेंसियों को योजनाओं को तेजी से पूरा करने का दिया निदेश

# परियोजनाओं में तेजी से हो रहा काम, समस्याओं का किया जा रहा निराकरण : डीएम

**पटना, प्रात : किरण संवाददाता**

समाहर्ता सह जिला पदाधिकारी पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने कहा है कि जिला में विभिन्न राज्य संपोषित एवं केन्द्रीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अच्छी प्रगति है। आ रही छोटी-मोटी समस्याओं को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक विशेष रूचि लेकर दूर कर रहे हैं। डीएम मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि संबद्ध अधिकारीगण एवं कार्यकारी एजेंसी योजनाओं का समयबद्ध ढ़ंग से गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए क्रियान्वयन करें। बैठक में डीएम डॉ. सिंह ने विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं यथा एनएचएआई, रेलवे तथा राज्य योजनाओं जैसे पथ निर्माण विभाग, पुल निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, जल संसाधन विभाग की विभिन्न राज्य संपोषित परियोजनाओं में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार मौजों में रोस्टर के अनुसार शिविरों का आयोजन लगाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि आवेदन सृजन, मुआवजा भुगतान इत्यादि के लिए मौजावार विशेष शिविरों में अंचलाधिकारी राजस्व अधिकारी, अमीन एवं राजस्व कर्मचारी के साथ निश्चित रूप से उपस्थित रहेंगे एवं आ रही समस्याओं का नियमानुसार ऑन द स्पॉट निष्पादन करेंगे। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि हर एक कैम्प के एक प्रभारी पदाधिकारी होंगे तथा संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्ता कैम्प के वरीय प्रभार में रहेंगे। भूमि सुधार उप समाहर्ता इसका गहन अनुश्रवण करेंगे एवं कार्यों में प्रगति लाएंगे। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु संबंधित थाना को भी विधिवत सूचना दी जाएगी। यदि किसी परियोजना के क्रियान्वयन में व्यवधान आ रहा हो तो संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विशेष रूचि लेकर समाधान कराएँ। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु एसडीओ एवं एसडीपीओ दंडाधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त करें। अधियाची विभागों के पदाधिकारीगण भी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित रखें एवं कार्यों में प्रगति लाएँ। डॉ. सिंह ने भू-अर्जन तथा भू-हस्तानांतरण मामलों में तेजी लाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं में सरकारी जमीन का हस्तांतरण एवं बकास्त भूमि का रैयतीकरण किया जाना है उसमें संबंधित अंचलाधिकारी भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से अविलंब प्रस्ताव देंगे।

## मुआवजा भुगतान के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करें

**रेलवे परियोजना:** पटना जिला में रेलवे परियोजना अन्तर्गत चल रही तीन योजनाएं नेउरा-दनियावाँ रेल लाईन, रामपुर-डुमरा टाल डबल एडिशनल रेल पुल निर्माण तथा बाढ़ से बख्

## संक्षिप्त खबरें

### गाड़ी में ठोकर मारने और हमला करने को लेकर दर्ज करायी एफआईआर

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर दक्षिण वार्ड चार निवासी देवानंद झा ने गाड़ी में ठोकर मारने एवं हमला करने की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें एक नामजद सहित चार लोगों को आरोपित किया है। पीड़ित ने बताया कि मैं अपने अल्टो कार से दाऊ चौक के रास्ते अपने बहन के यहां आलमपुर जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक चार चक्का वाहन समदा बड़ के निकट ठोकर मार दिया। एवं वाहन से चार लोग उतर कर ईंट पत्थर एवम हथियार से हमला किया।

### मेधा छात्रवृति परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को किया गया प्रोत्साहित

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय राघोपुर के छह छात्र-छात्राओं ने मेधा छात्रवृति परीक्षा में शामिल होकर सफलता हासिल की। सफल सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार की ओर से कॉपी कलम आदि भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अवकाश प्राप्त पूर्व प्रधानाचार्य हरे कृष्ण ईश्वर ने रामचरितमानस के पंक्ति से ज्ञान का बखान करते हुए सफल छात्र-छात्राओं के लिए सर्वगुण संपन्न होना आवश्यक बताया। नहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक नवल कुमार चौधरी ने बताया कि इस विद्यालय से 50 बच्चों ने परीक्षा आवेदन भरकर परीक्षा में शामिल हुआ था जिसमें से मात्र छह बच्चों को सफलता मिले। अभी तक विद्यालय से कुल 95 बच्चे मेधा छात्रवृति परीक्षा में सफल होकर प्रोत्साहन राशि प्राप्त किया है। मौके पर शिक्षक अनिल कुमार, बैजनाथ साहनी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

### कई दुकानों में लगी भीषण आग, लाखों की क्षति

समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र के विक्रमपुर बान्दे में चौक पर सोमवार की देर रात अचानक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग लगने से लाखों की क्षति हो गयी। मिली जानकारी के मुताबिक बान्दे चौक पर दो दुकान में अचानक आग लग गई। जब तक आसपास के लोगों को इसकी जानकारी होती, तब तक दो दुकान इसके चपेट में पूरी तरह आ चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन आग इतनी भयावह हो गई थी की लोगों का प्रयास उसके सामने कम दिख रहे थे ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी से अग्निशामक कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक आग के चपेट में मो० असलम के फल का दुकान और मो० कय्यूम के अंडा का दुकान आ गया। जिसमें रखे लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई। हालांकि ग्रामीणों की मुस्तैदी से आसपास के दुकानों को जलने से बचा लिया गया। खबर संप्रेषण तक आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पायी थी। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

### मरीज के परिजनों ने सदर अस्पताल में किया हंगामा, कुव्यवस्था का लगाया आरोप

समस्तीपुर सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मरीज को देखने में आनाकानी करने को लेकर परिजनों ने मंगलवार को डॉक्टर एवं कर्मियों के विरुद्ध जमकर हंगामा किया। बताया जाता है कि शहर के धरमपुर पंजाबी कॉलोनी वार्ड नंबर 26 निवासी चंदर राय की पुत्री प्रतिमा कुमारी को सांस लेने की समस्या को लेकर परिजनों ने सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी में तैनात कर्मियों एवं डॉक्टर के द्वारा अनदेखी किये जाने पर परिजन भड़क गये। जिसको लेकर डॉक्टर और परिजनों में तू-तू मैं-मैं होने लगा, मौके पर पहुंचे सुरक्षा गार्ड के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत कराया गया। परिजनों ने डॉक्टर पर आरोप लगाते हुये कहा कि मेरे मरीज को ऑक्सीजन की जरूरत थी और बार-बार कहने के बावजूद कोई सुन नही रहा था। वहीं ड्यूटी में तैनात डॉक्टर संतोष झा ने बताया कि वह गंभीर स्थिति में लाए गए एक बच्चे को देख रहे थे, इसी बीच दूसरा मरीज आ गया और उसके परिजन बेवजह हंगामा करने लगे। डॉक्टर संतोष झा ने बताया कि स्थिति की प्राथमिकता के आधार पर वह बारी-बारी से सभी मरीज को देख रहे थे। परिजनों के द्वारा बेवजह हंगामा किया।

# शहर को साफ-सुथरा और स्वच्छ रखने को लेकर रात में भी की जा रही है शहर की सफाई

## जगह-जगह फॉकिंग, नाला उड़ाही और ब्लीचिंग का कराया जा रहा है छिड़काव

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर रखने के लिए नगर निगम जुटा हुआ है। अब दिन ही नहीं, रात को भी मुख्य मार्गो की सफाई हो रही है। समस्तीपुर नगर निगम के नगर आयुक्त पद पर विभूति रंजन चौधरी ने पदभार ग्रहण करने के बाद से ही शहर की साफ-सफाई को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा है। बता दें कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत समस्तीपुर शहर को स्वच्छता के मामले में राज्य और देश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए नगर निगम के द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बताया गया कि ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर नगर आयुक्त विभूति रंजन चौधरी के निर्देश पर रात में शहर की साफ-सफाई शुरू करवाई गई है। सर को साफ-सुथरा रखने को लेकर नगर निगम की मेयर अनीता राम के द्वारा भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। रात के अलावा सुबह में भी नगर निगम क्षेत्राधिन साफ-सफाई और ससमय कचरे का उठाव किया जा रहा है। जिससे सुबह में लोगों कचरे के दुर्गध से परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा शहर में जगह-जगह फागिंग करवायी जा रही है। नाले की उड़ाही और ब्लीचिंग का छिड़काव कराया जा रहा है। सभी चौक-चौराहों तथा सभी प्रमुख स्थानों पर डस्टबीन लगाया गया है। नगर निगम सफाई कर्मियों द्वारा डस्टबीन की सफाई की जा रही है। रात्रि में शहर के विभिन्न जगहों पर पहुंचकर रात्रि सफाई अभियान का औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। रात्रि सफाई अभियान के तहत शहर में विशेषकर व्यावसायिक क्षेत्रों में यह रात को सफाई अभियान आरंभ किया गया है। व्यावसायिक क्षेत्रों में मुख्य बाजारों, चौराहों, और प्रमुख मार्गों पर ज्यादा फोकस है, जहां दुकानों से निकलने वाले कूड़े-कचरे के ढेर कहीं भी नहीं लगने दिए जा रहे हैं। इससे नगर निगम वासियों में काफी खुशी देखी जा रही है।

## सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकराई तेज रफ्तार कार, एक की मौत और दो घायल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर पर तेज रफ्तार कार ने जबरदस्त टक्कर मार दी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकनूर बांध पर की है। जहां सोमवार की देर रात तेज रफ्तार से आ रही कार ने एक ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें कार में सवार में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक युवती सहित दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक की पहचान कल्याणपुर के रतवारा गांव के विकास कुमार के रूप में की गयी है। वहीं उसके साथ कार में सवार युवती व एक युवक की हालत नाजुक है। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पर 112 पुलिस टीम को दीं। सूचना पर पहुची पुलिस ने जख्मी को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां युवती व युवक की स्थिति गंभीर होने के कारण डीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं मृतक युवक की लाश को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर भेज दिया गया। बताया जाता है कि वे लोग सोमवार की देर रात कार से किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। इसी क्रम में चकनूर गांव में बूढ़ी गंडक बांध के किनारे ट्रैक्टर खड़ी थी, जिसमें तेज रफ्तार से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर मुफस्सिल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने युवक की लाश को परिजन को सौंप दिया। इधर घटना में क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## देसी कट्टा लेकर रजनीगंधा-तुलसी खाने पहुंचे दो बदमाशों को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 39 मोहनपुर में ग्रामीणों ने बीते सोमवार की रात देसी कट्टा के साथ दो बदमाशों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि अपाचे बाइक सवार दोनों बदमाश देसी कट्टा लेकर किराना दुकानदार से जबरन रजनीगंधा-तुलसी की मांग कर रहे थे। दुकानदार के द्वारा दुकान बंद होने की बात कहने पर दोनों बदमाशों के द्वारा गाली-गलौज शुरू कर दी गई। शोर शराबा होता देख स्थानीय ग्रामीणों के जुटने पर दोनों बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों के द्वारा खदेड़कर दोनों बदमाशों को पकड़ लिया गया। इस दौरान एक बदमाश के कमर में खोंसा हुआ देसी कट्टा गिर पड़ा। जिसे ग्रामीणों के द्वारा अपने कब्जे में लेकर बाद में दोनों बदमाशों और उनकी बाइक के साथ पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। इसको लेकर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 39 मोहनपुर निवासी छोटेलाल राय के पुत्र महेश्वर राय (49 वर्ष) के लिखित आवेदन पर आर्म्स एक्ट के साथ जबरन रोकने, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

बदमाशों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर वार्ड नंबर एक निवासी रामनरेश राय के पुत्र नीरज कुमार और हकीमाबाद टांरा के स्वर्गीय सत्यनारायण साह के पुत्र करण कुमार के रूप में हुई है। पीड़ित महेश्व राय के अनुसार सोमवार की रात करीब 9:45 बजे वह मोहनपुर से धुरलख जाने वाली सड़क स्थित अपनी किराना दुकान को बंद करने की प्रक्रिया कर रहे थे। इसी दौरान उनके पूर्व से परिचित नीरज कुमार अपनी अपाचे बाइक पर अपने एक साथी के साथ आया और रजनीगंधा-तुलसी देने की मांग करने लगा।

उनके द्वारा जब बताया गया कि दुकान बंद हो चुकी है और अब वह रजनीगंधा-तुलसी उसे नहीं दे सकते हैं तो, उसके बाद उन दोनों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। स्थानीय ग्रामीणों के जुटने पर दोनों ने भागने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों की तत्परता से उन दोनों को हथियार के साथ पकड़ लिया गया और हथियार व बाइक के साथ पुलिस के हवाले कर दिया गया। वहीं, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा ने बताया कि हथियार और बाइक को जब्त करते हुए दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और दोनों बदमाशों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

## फुट ओवरब्रिज के पिलर से मालगाड़ी की बोगी टकराई हुआ पिलर क्षतिग्रस्त

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर-बरौनी रेलखंड पर जिले के दलसिंहसराय स्टेशन पर मंगलवार सुबह समस्तीपुर की ओर से बरौनी जा रही एक माल ट्रेन की एक बोगी स्टेशन के फुटओवर ब्रिज के पिलर से टकरा गई। जिसे फुटओवर ब्रिज का पिलर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि बड़ी घटना टल गई। इस घटना में माल ट्रेन की बोगी का पार्ट भी क्षतिग्रस्त गया, जिसका मलबा पिलर के पास गिरा पड़ा है। हादसा डाउन लाइन पर सुबह करीब आठ बजे की बताई गई है। घटना के बाद मौके स्टेशन के अधिकारी पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए थे। उधर, हादसे के बावजूद माल ट्रेन नहीं रुकी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फुटओवर ब्रिज को बंद कर दिया गया है। रेलवे कर्मियों ने बताया कि माल ट्रेन के किसी वैगन का गेट खुला हुआ था। जिस कारण डाउन व अप लाइन के बीच बने फुट ओवर ब्रिज के पिलर में जोड़ताद टक्कर मार दी। जिससे पिलर क्षतिग्रस्त हो गया। पिलर काफी टेढा हो गया है। वहीं बोगी का पार्ट-पूर्जा जुट गया। यह संयोग कहें कि पुल को नुकसान नहीं पहुंचा अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। वैसे इस घटना के बाद भी माल ट्रेन के चालक व गार्ड को मामले की जानकारी नहीं हो पाई। ट्रेन चालक ट्रेन लेकर आगे निकल गया। उधर, मामले की जानकारी के बाद स्टेशन के कर्मी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद ऑन ड्यूटी एएसएम बसंत झा ने मामले की जानकारी सोनपुर रेलवे कंट्रोल को दी। उधर, घटना की जानकारी मिलने के साथ ही सोमनपुर के डीआरएम नीलमणि घटनास्थल के लिए रवाना हो गए थे। उन्होंने कहा अभी जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। बहरहाल पुल पर अभी आवागमन बंद कर दिया गया है।

## प्रखंड मुख्यालय पर प्राथमिक शिक्षक संघ ने दिया धरना

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के निदेश पर अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण धरना दिया गया। बिहार राज्य अध्यापक नियुक्ति नियमावली, 2023में संशोधन करते हुए बिना किसी परीक्षा के स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त सभी शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देते हुए अध्यापक नियुक्ति नियमावली से आच्छादित करने, सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने, शिक्षकों के मृत्युपरांत आश्रितों को अनुकंपा का लाभ देते हुए शिक्षक पद पर नियुक्त किया जाय एवं पूर्व से अनुकंपा पर नियुक्त शिक्षकों को सहायक शिक्षक का वेतनमान एवं सेवा शर्त देने सहित आठ सूत्री मांगों के समर्थन में आयोजित धरना स्थल पर प्रतिरोध सभा आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नवीन कुमार ठाकुर ने की। सभा को सम्बोधित करते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनन्त कुमार राय ने कहा कि अध्यापक नियुक्ति नियमावली शिक्षकों के साथ छलावा एवं विश्वासघात है। सरकार इसे तुरंत वापस लेकर स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान करें, अन्यथा संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा। सभा को अंचल सचिव अभिराम झा, फिरदौस आलम, नवीन कुमार, सुनील कुमार झा, संजय कुमार राय, अभिषेक कुमार झा, ओम प्रसाद, अजय कुमार झा, रतन कुमार, गुड़िया कुमारी, अमरनाथ पासवान, सुनीता कुमारी, चन्देश्वर पासवान, रविरमण कुमार, सत्यनारायण दास, अजीत कुमार, कैसर जावेद आदि ने संबोधित किया। धरना समाप्ति के पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतू प्रियदर्शिनी गुप्ता से मिलकर शिष्टमंडल ने मांगों का ज्ञापन सौंपा।

## देश की प्रसिद्ध नदियां, महासागर एवं अन्य जल निकाय पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत डीबीकेएल महाविद्यालय नरहन के प्रांगण में देश की प्रसिद्ध नदियां महासागर एवं अन्न जल निकाय पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शिक्षाशास्त्र संकाय में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के द्वारा, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार झा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाशास्त्र संकाय के प्रधान कनक लता सिंह एवं संचालन विजेंद्र कुमार सिंह कर रहे थे। सह संचालन की भूमिका विनय कुमार सिंह निभा रहे थे। वक्ताओं ने देश के प्रसिद्ध नदियां महासागर एवं जल निकाय के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं मोहम्मद अरशद हुसैन, त्रिभुवन यादव आदि ने अपना विचार व्यक्त किया। सहयोग की भूमिका कुमार रितेश निभा रहे थे। वहीं कार्यक्रम में उत्कर्षणी, श्वेता भारती, चांदनी, खुशबू, सुनिधि भारती, ज्योति रंजन, प्रणव, विकास कुमार, गोविंद कुमार, संजय कुमार महतो आदि ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन सुशील कुमार सिंह ने किया।

## रामबहादुर बाबू समाज के निर्माणकर्ता थे : श्रवण

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत भटूरा पंचायत के पुरंदाही गांव में प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिर्मित प्रखंड शिक्षक प्रसार पदाधिकारी सह संस्थापक सदस्य समता पार्टी में स्वर्गीय राम बहादुर बाबू का बोया बीज आज फलीभूत हो रहा है। उन्होंने शिक्षा के प्रति समाज को जागरूक किया था और नव निर्माण की बात कही, उसे हमारी सरकार राज्य में लागू किया है जिससे हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उक्त बातें मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने शिवाजीनगर में स्वर्गीय रामबहादुर मंडल की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि बिहार में अब बेटियां भी पढ़ने लगी है। सरकार शिक्षा के प्रति संवेदनशील है और बच्चों के उतरोतर विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज विहार का चौतरफा विकास हो रहा है। हम जो कर रहे हैं उसे बाद में दूसरी सरकार अपना रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ दुर्गेश राय ने की जबकि संचालन जदयू प्रखंड अध्यक्ष किशोरी प्रसाद सिंह ने किया। थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ओपी अध्यक्ष कमल राम ने विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस बल के साथ लिखे मुस्तैद मौके पर स्थानीय विधायक अशोक कुमार मुन्ना, पूर्व मंत्री सह विधायक डॉ अशोक कुमार राम, जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह, प्रखंड प्रमुख डॉक्टर गोविंद कुमार, पूर्व जिला पार्षद शिवशंकर मंडल, मुखिया रामचंद्र सिंह, रामनारायण सिंह, ठाकुर राजीव कुमार सिंह, अनस रिजवान, थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह, ओपी अध्यक्ष कमल राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी हरि ओम शरण, अंचलाधिकारी प्रिया आयार्नी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रजनीश कुमार, मुखिया रामचंद्र सिंह, पूर्व जिला पार्षद शिव शंकर मंडल, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामजन्म सिंह, पूर्वी बीआरपी बालमुकुंद सिंह जदयू प्रखंड अध्यक्ष किशोरी प्रसाद सिंह, नंदकुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख डॉक्टर गोविंद कुमार, समाजसेवी संतोष कुमार सिंह, मुखिया सरिता कुमारी, वीरेंद्र प्रसाद, गजेंद्र प्रसाद, पूर्व मुखिया अशोक कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## महथी उत्तर पंचायत के हर वार्ड में खुलेगा एजुकेशन पॉइंट का मोहल्ला ट्यूशन

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत महथी उत्तर पंचायत में मानवाधिकार परिषद के द्वारा जिला अध्यक्ष शिव शंकर कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महथी उत्तर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में मोहल्ला ट्यूशन एजुकेशन प्वाइंट खोलने की चर्चा हुई। बैठक के माध्यम से बताया गया कि मोहल्ला ट्यूशन एजुकेशन पॉइंट खोलने का मकसद है बेसिक शिक्षा पर बल देना एवं हर समुदाय के लोगों को एक समान पारिवारिक और सामाजिक वातावरण में निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ एक शिक्षित और स्वच्छ समाज का निर्माण करना। मौके पर मुखिया शिवानी सिंहा, मुखिया पति राम रतन पासवान, वार्ड सदस्य मदन राय, मुकेश साहनी, सीता देवी, पुलिन्दर पासवान, मोहम्मद ईसराफिल, सरोज कुमार सिंह, घूरन राम, संजीव कुमार, संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

# केएसआर कॉलेज सरायरंजन में नैक की बैठक आयोजित

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के केएसआर कॉलेज सरायरंजन में मंगलवार को विश्वविद्यालय अनुदान सेवा आयोग के निदेर्शानुसार नैक कार्यक्रम के लिए एक बैठक आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ० विपिन कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डॉ० अनिल कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। वहीं बुधवार को गणित विभाग द्वारा आयोजित वैदिक गणित विषयक सेमिनार को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा आगामी अनुदान प्रक्रिया के शीघ्र निष्पादन तथा शिक्षक प्रतिनिधि की सर्वसम्मति से मनोनीत किए जाने के लिए वक्ताओं ने अपना-अपना विचार रखा। पांच सदस्यीय कमेटी का नेतृत्व करते हुए डॉ० मिहिर कुमार मिश्र ने शिक्षक प्रतिनिधि के रुप में प्रो० अभय कुमार झा के नाम का प्रस्ताव रखा। संपूर्ण सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को पारित कर दिया। अधिकांश लोगों ने माला पहनाकर नये शिक्षक प्रतिनिधि को माला पहना कर स्वागत किया गया। सर्वसम्मति से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में अभय कुमार झा को शिक्षक प्रतिनिधि बनने पर प्राचार्य डॉ० विपिन कुमार झा, प्रो० अशोक कुमार ठाकुर, प्रो० अवधेश कुमार झा, प्रो जनार्दन चौधरी, प्रो अभय कुमार ठाकुर, पूर्व प्राचार्य डॉ० उमाकांत झा, प्रो० नीलमणि झा, प्रो० अनिल कुमार झा, प्रो० शंभू कुमार झा, प्रो० जगन्नाथ झा, प्रो० चन्द्रौलेंश्वर झा, प्रो० देवेंद्र झा, दयानंद झा सहित अधिकांश शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मी मौजूद थे।

## पेयजल समस्या को लेकर विधायक से लगाई गुहार

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। बढ़ती भीषण गर्मी व सिंचाई के लिए लगे गहरे समरसेबल के कारण पूरे प्रखंड में पेयजल की समस्या गहराई हुई है। चापाकल पानी देना बंद कर दिया है। लोग पानी के लिए त्राहिमाम है। पेयजल की समस्या को लेकर कल्याणपुर उत्तर पंचायत के पूर्व मुखिया पति सह समाजसेवी विद्यानंद विद्यार्थी ने पंचायत में पेयजल की समस्या से निजात के लिए विधायक अजय कुमार को लिखित आवेदन दिया है। जिसमें बताया गया कि कल्याणपुर उत्तर पंचायत में पीएचडी विभाग द्वारा 50 हजार गैलन क्षमता का जल मीनार बना है। इस जल मीनार से वार्ड तीन, चार, नौ और 10 के कुछ अंशों में पानी जाता है। शेष भाग में पानी नहीं जाता है। इस भीषण गर्मी में चापाकल से पानी नहीं निकलने के कारण लोग पानी के लिए बेचैन हो रहे हैं। वहीं पंचायत के वार्ड आठ में ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित जल मीनार वर्षो से बंद है। उन्होंने स्थानीय विधायक अजय कुमार को लिखित आवेदन देते हुए बंद जल मीनार को चालू कराने एवं पंचायत के सभी लोगों को सुचारू रूप से पानी मुहैया करवाने की मांग की है।

# राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया फसल का निरीक्षण

सरायरंजन, प्रात :किरण संवाददाता

राजेंद्र कृषि विशवविद्यालय पूसा के कुलपति डॉ० पीएस पाण्डेय ने मंगलवार को एक दर्जन वैज्ञानिकों की टीम के साथ प्रखंड के भगवतपुर चौर में किसान अजय कुमार चौरसिया के द्वारा लगाएं गये उन्नत प्रभेद के मक्का बीच का निरिक्षण किया। इस दौरान स्थानीय किसानों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा की भारत एक कृषि प्रधान देश है। फिर भी यहां गुणवत्ता पूर्ण बीज का अभाव है। अगर यहां के किसानों द्वारा इस क्षेत्र में कदम रखे तो उन्हें कम लागत में अधिक आय होगी। उन्होंने कहा कि आज बाजार में किसानों को गुणवत्ता पूर्ण बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहा है, नतीजतन कम ऊपज के रूप में उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। उन्होंने स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपको बीज के उत्पादन के लिए हम हमेशा मदद को तैयार रहेंगे। वहीं शोध निदेशक डॉ० एके सिंह ने कहा कि किसानों को अब जैविक उर्वरकों का अधिकाधिक प्रयोग कर उन्नत प्रभेदों के बीज की खेती करनी चाहिए। आज अपने कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मक्का, गेहूं, धान, अरहर, मुंग सहित 11 प्रभेदों के बीजों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका लाभ किसानों को लेना चाहिए। इन्होंने जोड़ देकर कहा की आज के जमाने में ज्वार, बाजरा, सामा, कोदो, मरूआ, तीसी आदि की फसल विलुप्त होती जा रही है। इन सभी फसलों के उत्पादन के लिए किसानों के बीच प्रचार प्रसार करने की सलाह दिया। जबकि तीसी से कपड़ा, इसके डंठल से फाइबर, तीसी के रस से कपड़ा एवं टैबलेट तैयार की जाने की बात कही। उन्होंने कहा की खेतों में धैचा की फसल लगाने से खेतों की शक्ति बढ जाती है, इसलिए किसानों को धैचा की फसल को करना अतिआवश्यक है। कुलपति डॉ० पीएस पाण्डेय ने किसान अजय कुमार चौरसिया को बीज उत्पादन करने को लेकर चादर, पाग से सम्मानित किया। और कहा की इन किसान को पूसा विश्वविद्यालय में भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अधिकारियों एवं किसानों ने मक्का से बने जलेबी और मक्का से बने पकौड़ी का स्वाद चखाया। किसान पवन कुमार ने सभी आगत अतिथियों को मिथिला परंपरा के अनुसार चादर, माला, पाग पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में किसान उमेश चन्द्र झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम को डॉ० एके सिंह, डॉ० एमएस कुंडु, डॉ० पीपी सिंह, डॉ० डीके राय, डॉ० एम कुमार, डॉ० अजय कुमार, डॉ० फचल चंद, डॉ० धर्मेंद्र कुमार, डॉ० जीएस गिरी, डॉ० आरके तिवारी, डॉ० सुभाष चंद्र, डॉ० ब्रजेश कुमार आदि ने संबोधित किया। मौके पर किसान रामाश्रय प्रसाद, यदुनंदन भगत, राजीव कुमार झा, राजीव कुमार मिश्र, संजय राय, रामानंद झा, सुनील ठाकुर, सुभाष कुमार आदि दर्जनों किसान मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### दुर्घटना में पोते की मौत, दादी जख्मी

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के पिपरहिया नहर पुल के समीप सड़क दुर्घटना में पोते की मौत हो गयी। जबकि दादी गंभीर रूप से घायल हो गयी। सूचना पाकर पंहुची बरौली थाने की पुलिस ने घायल महिला को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जबकि शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक मांझा थाने के भटवलिया गांव का समीर अली बताया गया है। वही घायल महिला उसकी दादी जयबुनेशा बताई गई है। बताया जाता है कि जख्मी महिला जयबुनेशा अपने पोते समीर के साथ अपने पुत्री के घर जामो गयी थी। लौटने के क्रम में पिपरहिया नहर पुल के समीप बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है।

### ग्रामीण ने मनरेगा के तहत कराए जा रहे मिट्टी करण कार्य को रोका

गोपालगंज। जिले के उचकागांव प्रखंड के त्रिलोकपुर पंचायत अंतर्गत त्रिलोकपुर टोला शिव मंदिर से पूरब की तरफ जाने वाले चंवर में पथ पर स्थानीय मुखिया सुरेंद्र राम के द्वारा मनरेगा के माध्यम से कराए जा रहे मिट्टी करण कार्य को ग्रामीण लालबाबू सिंह ने बाधित कर दिया। विवाद को बढ़ते देख मुखिया सुरेंद्र राम ने सीओ रवीश कुमार को लिखित आवेदन देकर मामले में जांच करने की मांग किया है। अपने आवेदन में मुखिया सुरेंद्र राम ने आरोप लगाया गया है कि उक्त उक्त चंवर में सरकारी जमीन में ही सडक गुजरती है। पूर्व में हुए विवाद के बाद हुए पंचायती में पंचों ने सड़क के लिए छह फीट जमीन निर्धारित किया था। इसके बावजूद भी ग्रामीण द्वारा सडक के मिट्टीकरण कार्य को बाधित किया जा रहा है। सीओ रवीश कुमार ने मामले में राजस्व कर्मचारी को जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

### मोटर बनाने के दौरान बिद्युत करंट के चपेट में आने से युवक की मौत

गोपालगंज ।जिले के बरौली थाना क्षेत्र के बतरदेह गांव में मोटर बनाने के दौरान विद्युत करंट के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। मृतक युवक सिधवलिया थाना क्षेत्र के खजुरिया मौजे गांव का नंदकिशोर प्रसाद का पुत्र सोनू कुमार बताया गया है। घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि सोनू अपने मामा के घर रहता था। मंगलवार की दोपहर मोटर बना रहे मामा की मदद करने लगा। इसी दौरान करंट लगने से वह गंभीर रूप से अचेत हो गया। परिजनों के द्वारा इलाज के लिये बरौली पीएचसी में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनू दो भाइयों में बड़ा था व अपने परिवार के लिए मेहनत मजदूरी कर घर का खर्च चलता था। उसके पिता कश्मीर में रहकर मजदूरी करते है तो छोटा भाई अभिमन्यु कुमार हाई स्कूल बरौली में नवी क्लास का छात्र है। वही युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

### शराब के नशे में तीन लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने शराब के नशे में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। तीनों की गिरफ्तारी मलचैर गांव के पास से की गई। पकड़े गए लोगों की पहचान भोरे थाना क्षेत्र के डीह जैतपुरा गांव के अर्जुन कुमार और दिलीप कुमार एवं कटेया थाना क्षेत्र के खुरहुरिया गांव के अंकित कुमार राम के रूप में की गई है।

### पुलिस टीम पर हमला करने के आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपी ब्रजेश यादव सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हे आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि स्थानीय थाने के पुलिस पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली कि भोरे पुलिस टीम पर हमला करने वाला आरोपी थाने के बेलवा ठकुराई गांव निवासी बृजेश यादव एवं अन्य मामलों में फरार महरादेउर के अमरजीत बीन और बनकटा गांव निवासी संदीप माझी अपने घर पर है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

### आपसी विवाद में मारपीट आठ घायल, 13 पर प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बेलवा ठकुराई गांव में दो पक्षों के बीच आपसी विवाद में हुई मारपीट में आठ लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों के दिए आवेदन के आधार पर 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के बेलवा ठकुराई गांव निवासी जगन्नाथ यादव की पत्नी भागमनी देवी ने आरोप लगाया है कि मेरे पति बांस काटकर दरवाजे पर ला रहे थे। इसी बीच बांस से बिजली का तार हिल गया।

# अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट के आठ सदस्य गिरफ्तार

**गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो**

गोपालगंज पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के आरोप में सरगना समेत आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से 1 किलो चरस व दस लाख नगदी बरामद की गई है। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद चरस की कीमत बीस लाख होने का दावा किया है। प्रेसवार्ता के दौरान इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जिले में आय दिन ब्राउन सुगर पीने व बेचने की शिकायत मिल रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि शहर के बंजारी मोड के समीप कुख्यात ब्राउन सुगर कारोबारी ब्राउन सुगर की बड़ी खेप लेकर आ रहा है। जिसके बाद सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में एक टीम गठित कर कारवाई करने का निर्देश दिया गया। गठित टीम ने त्वरित कारवाई करते हुए कारोबारी गणेश चैरसिया को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार कारोबारी के पास से करीब एक किलो ब्राउन सुगर बरामद किया गया। गिरफ्तार कारोबारी के निशानदेही पर लखनउ के ब्राउन सुगर माफिया व सप्लायर नूर महम्मद को बिक्री के दस लाख नगद रूपयों के साथ बलथरी चेकपोस्ट के समीप से गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बतया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार दोनो तस्करों के द्वारा पुलिस को बताया गया कि तिवारी मटिहनिया गांव के मुन्ना तिवारी, कमलेश मिश्रा, जलालपुर के सत्येन्द्र सिंह, शहर के वार्ड तीन के दिलीप चैरसिया, कुचायकोट के दिलीप कुमार प्रसाद और कररिया गांव के देवा मुशहर को ब्राउन सुगर की खेप दी जाती रही है। जिसके बाद पुलिस ने ड्रग सिंडिकेट में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से गणेश चैरसिया के द्वारा दी गयी ब्राउन सुगर की पुड़िया बरामद की गयी है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दिलीप कुमार प्रसाद पर कुचायकोट थाने में हत्या का एक मामला दर्ज है। जबकि सत्येन्द्र सिंह पर भी कुचायकोट थाने में मारपीट व छिनतई का मामला दर्ज है। वही गणेश चैरसिया पर नगर थाने में आर्म्स एक्ट सहित कई मामले दर्ज है। पुलिस इन ड्रग माफियाओं की कुंडली खंगालने में जुट गयी है।

**ये थे छापेमारी दल में शामिल:** ड्रग तस्करो की गिरफ्तारी करने में सदर एसडीपीओ प्रांजल, प्रशिक्षु डीएसपी साक्षी राय, नगर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार राय, थावे थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार, विशंभरपुर थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार साह, कुचायकोट थानाध्यक्ष किरण शंकर, पुलिस अवर निरीक्षक डॉ. मनोज कुमार, आशुतोष रंजन, तकनीकी शाखा के दिनेश कुमार यादव, थावे थाने के एसआई पिंटु कुमार, एएसआई सुनील कुमार यादव, सिपाही प्रवीण कुमार, दिवाकर नाथ चैधरी, विकाश कुमार, अनील कुमार की महत्पूर्ण भूमिका रही। एसपी स्वर्ण प्रभात ने इन पुलिस अधिकारियों को पुरस्कृत करने के लिए पुलिस मुख्यालय में अनुशंसा करने की बात कही है।

# हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर अष्टयाम का हुआ आयोजन

**प्रात : किरण संवाददाता**

गोपालगंज। जिले के उचकागांव प्रखंड के सांखे खास स्थित हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर 24 घंटे के अष्टयाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका समापन मंगलवार के दिन पूणार्हुति के साथ संपन्न हो गया। अष्टयाम कार्यक्रम के लिए आयोजित हुए पूजन समारोह में यजमान की भूमिका समाजसेवी रमेश यादव और उनकी शिक्षिका धर्मपत्न ी संगीता देवी ने निभाया। इस दौरान यज्ञाचार्य शंभू मिश्र, रविंद्र मिश्र, दिनेश मिश्र, पंडित अजय पांडेय, मनकेश्वर पांडेय सहित सात ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार से सारा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था। बेतिया से आई महिला कीर्तन मंडली के राम नाम जप के साथ प्रस्तुत किए गए धार्मिक झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम के व्यवस्थापक पशुपतिनाथ कुशवाहा, अशोक यादव, लक्ष्मण सिंह आदि ने बताया कि मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर मंगलवार की रात जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। जिसमें जाने-माने गायक अनुपमा यादव, गोलू राजा, शिबू लाल यादव, विजय दास अनमोल, अरशद राज आदि के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। मौके पर पैक्स अध्यक्ष रंजीत यादव, बीडीसी निर्मला देवी, पूर्व पैक्स अध्यक्ष किरण देवी, बीडीसी प्रतिनिधि भरत गुप्ता, वार्ड सदस्य सुमन देवी, छोटू गुप्ता, भोला कुशवाहा सहित काफी संख्या में पंचायत वासी उपस्थित थे।

# सत्तर घाट में अवैध शराब की सुलग रही भट्ठी को किया गया ध्वस्त

**गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो**

जिले के बैकुंठपुर थाने के सत्तर घाट दियारा इलाके में शराब बनाने व बेचने वाले धंधेबाजों के खिलाफ अभियान के तहत मंगलवार को उत्पाद विभाग की टीम ने सर्च अभियान चलाकर तैयार की जा रही शराब की खेप को बरामद करने के साथ ही उसे नष्ट कर दिया। इस दौरान सुलग रही शराब की भट्ठी को भी ध्वस्त कर दिया गया। उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि गंडक नदी के किनारे स्थित सत्तर घाट के समीप नदी के किनारे उत्पाद विभाग की टीम ने ड्रोन कैमरे की मदद से सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान नदी के तट पर छुपाकर बनाई जा रही शराब भट्ठी को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने 8000 केजी गुड़ के पाश को बरामद करने के साथ ही उसे विनिष्ट कर दिया। इसके साथ ही शराब बनाने के उपयोग में लायी जाने वाली गैस चूल्हा, मैटेलिक पाइप, ड्रम सहित अन्य उपकरण को बरामद किया गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम की छापेमारी को देखकर दियारा इलाके में सक्रिय शराब तस्कर फरार हो गए। हालांकि फरार हुए शराब तस्करों की पहचान करने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने कहा कि दियारे इलाके में लगातार छापेमारी जारी है। किसी भी हाल में शराब का कारोबार नही होने दिया जाएगा।

# कालाजार उन्मूलन को लेकर जागरूकता रथ रवाना

**प्रात : किरण संवाददाता**

गोपालगंज। जिले के बरौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से मंगलवार को कालाजार उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बीडीओ विनोद कुमार व चिकित्सा पदाधिकारी विजय पासवान ने जागरूकता रथ को हरी दिखाकर रवाना किया।

बीडीओ विनोद कुमार ने बताया कि कालाजार उन्मूलन अभियान की सफलता को लेकर स्वाथ्य समिति के निर्देश पर जागरूकता रथ को रवाना किया गया है। जागरूकता रथ प्रखंड के सभी गांवों में जाकर लोगो के बीच जागरूकता फैलाएगा। जागरूकता रथ के माध्यम से लोगो के बीच कालाजार से बचाव एंव जागरूकता को लेकर प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस मौके पर पर बीडीओ विनोद कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विजय पासवान, प्रखण्ड सामुदायिक उत्प्रेरक नीरू कुमारी, स्वास्थ्य कर्मी नागमणी तिवारी, राजेश कुमार, सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

# पर्यवेक्षिका व समन्वयकों को मिली पोषण ट्रेकर व जेई से बचाव की ट्रेनिंग

**गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता**

महिला पर्यवेक्षिका व समन्वयकों को पोषण ट्रेकर एप व जेई से बचाव को लेकर ट्रेनिंग दी गयी। कलेक्ट्रेट के कौशल विकास केन्द्र में समाज कल्याण विभाग के निर्देश पर एक दिवसीय ट्रेनिंग कैंप का अयोजन किया गया। ट्रेनिंग का शुभारंभ डीपीओ सीमा कुमारी ने की।

उन्होने बताया कि ट्रेनिंग के माध्यम से महिला पर्यवेक्षिका व प्रखंड समन्वयकों को ट्रेनिंग देकर उन्हे जानकारियों से परिपूर्ण बनाया जा रहा है, ताकि वे गांवों में जाकर आंगनबाडी सेविका के माध्यम से आम लोगो को भी जागरूक कर सके। गांव के लोग अपने बच्चों के पोषण व जेई बीमारी से सुरक्षा कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय पोषण अभियान के जिला समन्वयक बृजकिशोर प्रसाद श्रीवास्तव ने ट्रेनिंग दी। उन्होने वृद्धि निगरानी, गृह भ्रमण, लाभुको के बीच टीएचआर वितरण, केन्द्रों पर गर्म पक्का हुआ भोजन का वितरण, केन्द्र का संचालन एवं पोषण ट्रेकर एप पर गतिविधियों को अपलोड करने की जानकारी दी गयी। वही प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के जिला समन्वयक सुबोधकांत सिंह ने योजना से संबधित जानकारी दी। इनके साथ ही डीपीए लवली कुमारी ने भी पोषण ट्रेकर के विभिन्न विन्दुओं से अवगत कराया। केयर इंडिया के प्रतिनिधियों ने बच्चों में होने वाली जेई बीमारी के लक्षण व बचाव से संबधित जानकारी दी। मौके पर अंजली कुमारी सहित आइसीडीएस के अन्य कर्मी मौजूद थे।

# नई शिक्षक नियमावली के विरोध में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन

सिवान। हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय पर मंगलवार को बिहार सरकार द्वारा जारी की गई शिक्षक नियुक्ति नियमावली के विरोध में बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रखंड अध्यक्ष पुनम देवी व प्रखंड सचिव राजेश कुमार प्रसाद के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस धरना में प्रखंड के सभी कोटि के दर्जनों शिक्षकों ने भाग लिया. इस अवसर पर शिक्षकों ने कहा कि बिहार सरकार हमलोगों के साथ छल कर रही है. वर्षो से नियुक्ति शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा देने के लिए पुनः बीपीएससी परीक्षा में बैठने के लिए नियमावली बनाई गई है. जबकि पूर्व में शिक्षक सीटेट, एसटेट, दक्षता उतीर्ण कर चुके हैं. धरना में शिक्षकों को पेंशन योजना लागू करने की भी बात कही गई. वहीं स्नातक शिक्षकों को हेडमास्टर के पद पर प्रोन्नति देने के लिए तथा स्नातक शिक्षकों को स्नातक ग्रेड का लाभ देने के लिए विभाग से मांग की गई।

# छात्रों की आवाज को दबाना चाहती है विश्वविद्यालय प्रशासनः आरएसए

**गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता**

जेपीयू विश्वविद्यालय प्रशासन के लोग छात्रों की आवाज को दबाना चाहती है उक्त बातें शहर के कमला राय महाविद्यालय में आरएसए छात्र संगठन इकाई का बैठक के दौरान छात्र नेताओं ने कही। बैठक में इकाई को मजबूत करने एवं विश्वविद्यालय में फैले शैक्षणिक अराजकता के खिलाफ होने वाले आंदोलन की तैयारी पर चर्चा की गयी। आंदोलन में प्रत्येक महाविद्यालयों से छात्रों की उपस्थिति ज्यादा से ज्यादा पहुंचे इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें जिले से करीब दो हजार छात्र-छात्राओं के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से जयराम, राजा कुमार सिंह, सुनील सिंह, जावेद अली, गुफरान अख्तर, मेहजबीन परवीन, गुलनाज खातून, प्रिंयका कुमारी, रूपा कुमारी, नीता भारती, डोली कुमारी, विकाश कुमार, अरबाज अली, साजिदा परवीन, अर्चना कुमारी, सगुफ्ता परवीन सहित दर्जनों छात्र छात्रांए मौजूद थी।

# पीएम के 100वें मन की बात को हर बूथ पर मनाएगी भाजपा

**प्रात : किरण संवाददाता**

गोपालगंज। जिले के फुलवरिया प्रखंड के बथुआ बाजार स्थित मंगलवार को भाजपा के हथुआ विधानसभा के संयोजक डॉ संजय मिश्र के आवास पर भाजपा की एक विशेष बैठक आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रमोहन राय तथा जिला महामंत्री दुर्गा राय ने कार्यकताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 100वें मन की बात एपिसोड को भव्य तरीके से मनाने को लेकर कार्यकताओं से चर्चा किया। साथ ही दिशा निर्देश देते हुए कहा कि इस 100वें मन की बात एपिसोड को हर एक बूथ पर भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जो विश्व रिकॉर्ड होगा। उन्होंने कहा कि आज तक किसी भी देश के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति जनता से मन की बात नहीं किया है। जिला महामंत्री दुर्गा राय ने कहा कि मन की बात हर महीने के आखिरी रविवार को ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित होने वाला एक मासिक संबोधन है। जिसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से संवाद करते हैं। बैठक में उपस्थित मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, मंडल प्रभारी संतोष शर्मा, मंडल प्रभारी कुसौंधी धर्मेंद्र कुमार शर्मा, कमलेश शाह, अजय पांडेय, पवन गुप्ता, उमेश गुप्ता, धीरेंद्र पाल तथा रामप्रवेश पांडेय सहित अन्य भाजपा कार्यकताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी के 100वें मन की बात एपिसोड को हर बूथ पर मनाने पर अपनी-अपनी विचार कही। मौके पर संदीप गुप्ता, वशिष्ठ मिश्र, केशव कुमार, संदीप सिंह, संजीत वर्णन, अजय त्रिपाठी, रामप्रवेश कुशवाहा, सुभाष तिवारी, संजय सिंह, दुर्गेश गुप्ता तथा चंद्र भूषण मिश्र के अलावा अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# अभाविप ने किया शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों को लेकर जिला सम्मेलन

**प्रात : किरण संवाददाता**

सिवान। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना के 75 वर्ष की यात्रा में अपने आंदोलनात्मक एवं रचनात्मक कार्य के माध्यम से समाज में एक विशेष स्थान प्राप्त किया है। अभाविप अपने स्थापना के इस 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में पूरे देश भर में मना रही है। देश के अंतिम विद्यार्थी तक पहुंचकर संगठन विस्तार का एक विशाल लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अभाविप ने वर्ष भर वृक्षमित्र अभियान, एक गांव-एक तिरंगा अभियान, रक्त परीक्षण अभियान, छात्र शक्ति पंजीयन अभियान जैसे अनेक अभियान सफलतापूर्वक पूर्ण भी किया है। अपने अगले चरण में अभाविप पूरे देश के प्रत्येक जिलो में जिला सम्मेलन करना तय हुआ है। जिसके तहत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला सिवान द्वारा जिला छात्र सम्मेलन छात्र शंखनाद का मंगलवार को आयोजन किया गया। छात्र सम्मेलन छात्र शंखनाद कार्यक्रम में सिवान जिले के उन्नीस ब्लॉक से विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्रा छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत डी ए वी पीजी कॉलेज के महेन्द्र कुमार सभागार में उद्घाटन सत्र के माध्यम से शुरूआत हुई। इस उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह व नील कमल हास्पीटल के प्रबंधक सर्जन डा० विनय कुमार सिंह जी प्रदेश सह संगठन मंत्री श्री रौशन कुमार जी राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य रवि पाण्डेय जी डी ए वी कॉलेज के प्राचार्य अजय कुमार पडित जी प्रवेश कार्यकारणी सदस्य मनोज गुप्ता जी एवं जिला संयोजक अभिषेक पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत मंच संचालन करके शुभारंभ किया गया मंच संचालन प्रदीप कुमार के द्वारा किया गया सिवान जिला संयोजक अभिषेक पाठक के द्वारा सीवान की शैक्षणिक परिदृश्य एवं सामाजिक परिस्थिति के ऊपर प्रस्ताव रखा गया, तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष द्वारा उद्बोधन हुआ। उसके बाद प्रदेश सह संगठन मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार बिहार में शिक्षा की परिस्थिति मौजूदा सरकार ने खराब की है।

वह छात्रों के साथ अन्याय कर रही है। मनोज कुमार ने कहा की अभाविप शुरू से ही राष्ट्र का सबसे बड़ा संगठन है, जो छात्रहित के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य ने उन्होंने कार्यकताओं से अपनी ऊर्जा को सही मार्ग देकर आमजन की समस्याओं का समाधान करवाते हुए छात्रहित के साथ राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अभाविप सिवान के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार और प्रदीप कुमार ने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में सीवान में घटती हुई शिक्षा एवं बेरोजगार जैसे मुद्दे बढ़े हुए हैं। लगातार विद्यार्थी परिषद इन सभी विषयों पर इससे जुड़ी अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करा रही है। लेकिन इन विषयों पर कदम नहीं उठाए हैं। मंच संचालन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रदीप कुमार ने किया।। प्रदेश सह संगठन मंत्री ने कहा की शैक्षणिक परिदृश्य में मूलभूत सुविधाओं की घोर अभाव के कारण शैक्षिक संस्थानों से छात्र गायब हो रहे हैं शिक्षण संस्थाएं सिर्फ और सिर्फ प्रमाण पत्र बांटने के रह गए हैं। जिले के महाविद्यालय स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी सिर्फ और सिर्फ कुछ विषय होता है जिसके कारण विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए दूसरे जिलों में पलायन करना पड़ रहा है वेबसाइट शिक्षा का जिला में घोर अभाव है जिसके कारण विद्यार्थी दूसरे राज्य और दूसरे विश्वविद्यालयों में पलायन को मजबूर है इस कार्यक्रम के दौरान सभी जस्ट पूर्व कार्यकताओं को सम्मानित भी किया गया।

# विभिन्न सरकारी योजनाओं का बीपीआरओ ने किया निरीक्षण

**प्रात : किरण संवाददाता,**

पचरुखी। मंगलवार को शम्भोपुर पंचायत क्षेत्र में पचरूखी बीपीआरओ विकास शशि ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान बीपीआरओ ने निमार्णाधीन नाला, नल जल योजना और सार्वजनिक शौचालय आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीपीआरओ शुद्ध पेयजलापूर्ति को लेकर बेहद सजग दिखे और कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर पंचायत सचिव प्रदीप कुमार, टीए दीक्षा सिंह और स्थानीय मुखिया कमलेश सिंह मौजूद थे। : मंगलवार को शम्भोपुर पंचायत क्षेत्र में पचरूखी बीपीआरओ विकास शशि ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान बीपीआरओ ने निमार्णाधीन नाला, नल जल योजना और सार्वजनिक शौचालय आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीपीआरओ शुद्ध पेयजलापूर्ति को लेकर बेहद सजग दिखे और कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर पंचायत सचिव प्रदीप कुमार, टीए दीक्षा सिंह और स्थानीय मुखिया कमलेश सिंह मौजूद थे।

# स्वास्थ्य प्रबंधक ने कर्मियों के साथ किया सप्ताहिक बैठक

सिवान। दरौंदा प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को अस्पताल प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह व चिकित्सा प्रभारी हरिशंकर सिंह के नेतृत्व में अस्पताल के सभी कर्मियों के साथ साप्ताहिक बैठक हुआ. प्रत्येक सप्ताह की भांति इस सप्ताह भी स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मियों के साथ बैठक कर एक सप्ताह के अंदर हुए कार्यो का रिपोर्ट लिया गया. बैठक में नियमित टीकाकरण पर चर्चा की गई। अस्पताल प्रबंधक ने कहा कि कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है. जिससे अस्पताल में कोरोनटाइन सेंटर बनाया गया है. उन्होंने कहा कि नियमित एंटीजेन जांच, वायरल बुखार की जांच, टीकाकरण आदि जरूरी है।

# सोशल मीडिया पर पैसों की ठगी, ट्रोलिंग के प्रति सभी लड़कियां हो जाएं जागरूक : अभिषेक अरुण

**प्रात : किरण संवाददाता,**

छपरा। सामुदायिक स्तर पर रेडियो मयूर पिछले कई सालों से सामाजिक कार्यक्रम करते आ रहा है । इसी कड़ी रेडियो मयूर पर एक नए कार्यक्रम की शुरूआत की गई है जिसका नाम है टेक सखी , जिसके आउटरीच प्रोग्राम के तहत , आज एक कार्यशाला भैंस मारा स्थित जिले का एक प्रतिष्ठित इ. एि कॉलेज गौतम कॉलेज ऑफ एजुकेशन , में आयोजित की गई । इस प्रोग्राम में , मुख्य वक्ता के रूप में अभिषेक अरुण मौजूद रहे । उन्होंने छात्राओं को विशेष रूप से डिजिटल जागरूकता के ऊपर जागरूक रहने की बात कही । उन्होंने टेक सखी का हेल्पलाइन नंबर भी साझा किया। कार्यक्रम की शुरूआत फख रजत ने स्वागत उद्बोधन से किया । उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत किया । साथ हीं कॉलेज प्रशासन का धन्यवाद किया की उन्होंने अपने बिजी शेड्यूल में से समय निकाला रेडियो मयूर के वर्कशॉप के लिए । कार्यक्रम की रूपरेखा और कुछ जरूरी टिप्स और टॉल फ्री हेल्पलाइन नंबर रेडियो मयूर के स्टेशन हेड , अभिषेक अरुण ने बताया । उन्होंने कहा ," हम सभी अपने घर में अपनी माताओं बहनों को भी इससे जोड़ें और आपके पास कुछ अपनी कहानी है तो जरूर शेयर करिए । घर में अगर कभी आग लग जय तो हम घर नहीं छोड़ देते बल्कि उससे लड़ते हैं और बुझाते हैं , ठीक वैसे हीं सोशल मीडिया पर हम अगर कोई परेशानी में आते हैं तो उससे डरना नहीं है , सामना करना है और जीतना है। टेक सखी महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो लिंग आधारित हिंसाओं के प्रति भी सभी को जागरूक करता है । ये प्रोग्राम रविवार रात 9 बजे और मंगलवार दोपहर दिन में 2 बजे से प्रसारित हो रहा है । इस प्रोग्राम के अवसर पर , गौतम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के छात्र छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए और कई कहानियां शेयर कीं। छात्रों ने कहा की ऐसे विषय कोई नहीं उठाता लेकिन रेडियो मयूर को धन्यवाद जो आपने ऐसे विषय और मुद्दे छुए । गौतम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के दिलीप कुमार, प्रणय प्रभाकर, मनीष कुमार,पूजा कुमारी, कुमारी रोमा, वरूण कुमार देवदास राय आदि उपस्थित थे।

# नगर निगम की सामान्य बोर्ड की बैठक सम्पन्न

**प्रात : किरण संवाददाता,**

छपरा ।मंगलवार को छपरा नगर निगम सभागार में मेयर राखी गुप्ता की अध्यक्षता में सामान्य बोर्ड की बैठक में आम बजट 225 करोड़ रु पास हुआ ।आयोजित की गई इस बैठक में सशक्त स्थाई समिति के सदस्य पार्षद गण सदन में उपस्थित हुए बैठक में लिए गए निर्णय सभी वार्डों में मुख्य मुद्दा सफाई का सदन में रखा गया वार्ड 1 से 22तक सफाई एजेंसी सी बी यस के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि हमारे क्षेत्र में अब किसी भी तरह का सफाई से संबंधित कोई शिकायत नहीं आएगा वार्ड 23 से 45 सफाई एजेंसी लख राज सदन में अनुपस्थित रहे ।सदन के द्वारा निर्णय लिया गया कि इनकी सफाई सही से नहीं हो रही है जिसके कारण नगर निगम की आंतरिक संसाधन से मानव बल रखकर सफाई का कार्य कराने का निर्णय लिया गया आवास योजना के लिए एनओसी की मांग की जाती है छपरा नगर निगम में 80 प्रतिशत भूमि टोपोलैंड है इसलिए सदन के द्वारा निर्णय लिया गया कि आवास के लाभुक अपना परिवारिक सूची एवं फर्स्ट मजिस्ट्रेट से एफिडेविट करा कर नगर निगम का रसीद, देकर आवास का लाभ ले सकते हैं कृष्णा शर्मा द्वारा बताया गया कि 8 वर्षो से कार्यरत कर्मी का वेतन क्यों बढ़ेगा सभी कर्मी एक समान है सभी का वेतन एक समान बढ़ेगा ।सदन के सहमति से पारित किया गया । विधायक डॉ सी० एन गुप्ता के द्वारा साहैबगंज चौक पर सुभाष चंद्र बोस ,भगत सिंह की प्रतिमा लगाने हेतु सहमति व्यक्त की गई। सदन के द्वारा स्टांप ड्यूटी की जो राशि आती है उस राशि में से कुछ राशि वार्ड में खर्च करने के लिए रखा जाएगा बरसात को देखते हुए नगर निगम के द्वारा 4लेवर प्रत्येक वार्ड में नाला एवं सफाई के लिए सदन के द्वारा आदेश पारित किया गया छपरा नगर निगम में होल्डिंग टैक्स स्पैरो एजेंसी के द्वारा किया जा रहा है इसका विरोध किया गया सदन के द्वारा बताया गया कि पास के नगर पंचायत में 5 पर्सेंट कमीशन पर करती है।

सम्पादकीय

## पंजाब नहीं बनेगा खालिस्तान

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह अब जेल में है। यही उसकी नियति थी। गिरफ्तारी से पहले 35 लगातार दिनों तक वह पंजाब के बाहर हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र और दिल्ली के गुरुद्वारों में छिपता रहा, लेकिन उसका नेटवर्क, संगठन छिन्न-भिन्न हो रहा था। सभी खास साथी जेल के भीतर पहुंच चुके थे। अमृतपाल समेत अधिकतर साथियों को रासुका में कैद किया गया है। देशद्रोह और शांति भंग करने आदि के कानून भी लगाए गए हैं। कमोबेश एक साल तक तो उनकी जमानत की सुनवाई तक नहीं होगी। इन कथित देशद्रोहियों की अंतिम परिणति क्या होगी, अभी से अनुमान मुश्किल है, लेकिन वे अपने जीवन के नरक में पहुंच चुके हैं, यह तय है। अमृतपाल की धरपकड़ मोगा जिले के रोडे गांव के गुरुद्वारे के बाहर हुई। यह खालिस्तान आंदोलन के स्वयंभू रहे जरनैल सिंह भिंडरावाले का पुश्तैनी गांव है। यहीं अमृतपाल ने खुद को वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख घोषित कराया था और एक बड़े जन-समूह को संबोधित भी किया था। गिरफ्तारी से पहले भी अमृतपाल ने गुरुद्वारे में संगत को संबोधित किया था, लेकिन उसने खुद को योद्धा के तौर पर पेश किया था। बहरहाल भिंडरावाले की छाया होने की उसकी अरदास जरूर पूरी हुई, लेकिन गिरफ्तारी के दौरान उसके समर्थन में न तो एक आवाज गूंजी और न ही कोई समर्थक मौजूद रहा। अमृतपाल पूरी तरह अकेला था। उसने जो हथियारबंद जत्थे तैयार किए थे, पाकिस्तान से जो फंडिंग और हथियार हासिल किए थे और खालिस्तान के नाम पर जिस जन-समूह को जोडे की साजिशें रच रहा था, वे सभी गायब रहे। अमृतपाल खाली हाथ था। पंजाब बिल्कुल शांत रहा। किसी भी कोने से आंदोलन या विरोध का एक भी स्वर नहीं उभरा। पत्नी को लंदन जाने से रोक दिया गया।

अब वह अमृतपाल के मां-बाप के साथ हैं। एजेंसियां इतनी जल्दी मुक्त नहीं करेंगी। बेहतर है कि खालिस्तान समर्थकों और खाडकुओं को असम की डिब्रूगढ़ जेल में कैद किया गया है, क्योंकि खालिस्तानी साजिशों के कुछ इनपुट खुफिया एजेंसियों को मिल रहे हैं। वे पंजाब को बिल्कुल शांत, स्थिर, खुशहाल देखने की पक्षधर हैं। अब आईबी, रॉ आदि खुफिया एजेंसियों की टीमें डिब्रूगढ़ जेल में ही अमृतपाल से पूछताछ करेंगी और उसके नापाक गठजोड़ और मंसूबों के खुलासे जानने की कोशिश करेंगी। दरअसल अमृतपाल दुबई में ट्रक ड्राइवर था। उसने वारिस पंजाब दे के जरिए खालिस्तान का आंदोलन दोबारा उभारने का मुगालता पाल लिया था, लेकिन आज उसे एहसास हो गया होगा कि पंजाब हिंदुस्तान का अभिन्न हिस्सा है। सिख भारत के लिए मरने-मारने को तैयार हैं। इस देश में उसके रोजी-रोटी और बेटी के संबंध हैं, लिहाजा खालिस्तान की कोई गुंजाइश नहीं है। सिखों का ऐसा भद्दा और धोखेबाज का इतिहास नहीं रहा है। सिखों के प्रथम गुरु नानकदेव जी हमारे भक्तिकालीन संत शिरोमणि, कवि, विचारक कबीरदास के समकालीन थे। आज अमृतपाल के भीतर ही मोहभंग की स्थितियां पैदा हो रही होंगी कि आखिर उसने यह खंडित, अलगाववादी रास्ता क्यों चुना? अमृतपाल विदेशी चंदे और कट्टरपंथी सोच के नौजवानों के जरिए आनंदपुर खालसा फोर्स बनाने लगा था। भिंडरावाला दमदमी टकसाल का प्रमुख था, लिहाजा पंजाब के एक वर्ग में लोकप्रिय भी था, पर अमृतपाल की स्थिति और स्वीकार्यता ऐसी नहीं थी, लिहाजा बड़ी खामोशी के साथ उसे जेल तक भेजा जा सका है।

## दो ट्रिलियन निर्यात की बड़ी छलांग

डा. अश्विनी महाजन

मार्च 31, 2023 को घोषित विदेश व्यापार नीति के अनुसार वर्ष 2030 तक 2000 अरब डालर के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है जिसमें वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात शामिल हैं। देश में अभी तक नियार्तों के ढुलमुल प्रदर्शन के चलते, कई विशेषज्ञ इस बड़े लक्ष्य के बारे में शंका व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन साथ ही साथ देश में विशेषज्ञों का एक बड़ा वर्ग इस लक्ष्य को असाध्य नहीं मान रहा। बल्कि कुछ लोगों का तो यह भी मानना है कि देश इससे कहीं ज्यादा प्राप्त कर सकता है। दोनों पक्षों के क्या तर्क हैं, इसे समझना होगा। आज से दस साल पहले 2012-13 में भारत के वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात मात्र 452.3 अरब डालर के ही थे। 2012-13 के बाद हमारे आयात तो द्रुत गति से बढ़ते गए, लेकिन नियार्तों के बढे की गति धीमी रही।

2021-22 में हमारे वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात हालांकि 683.7 अरब डालर तक पहुंच गए थे, लेकिन आयात 766 अरब डालर पहुंच गए। लेकिन हालांकि आयात इस वर्ष 882 अरब डालर तक पहुंच सकते हैं, लेकिन वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि निर्यात भी पिछले वर्ष 683.7 अरब डालर की तुलना में, इस वर्ष 767.0 अरब डालर रह सकते हैं। यह सही है कि पिछले 10 वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात बहुत तेजी से नहीं बढ़े। लेकिन पिछले साल वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात 11.3 प्रतिशत की दर से बढ़ गए। यानी कुछ समय पहले जो 2030 में नियार्तों का 1000 अरब डालर का लक्ष्य भी अभेद्य लग रहा था, 2023 में 2000 अरब डालर का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु देश को नियार्तों के बढे की गति को मात्र 14.81 प्रतिशत ही रखना होगा, जो कि पिछले वर्ष में नियार्तों की ग्रोथ से बहुत ज्यादा नहीं है। अर्थव्यवस्था की स्थिति आज जब भारत समेत दुनिया के सभी मुल्क बढ़ती महंगाई से त्रस्त हैं, भारत में महंगाई की दर शेष दुनिया से अभी भी कम है। भारत लगातार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। बढ़ती ग्रोथ का असर जीएसटी की प्राप्तियों में दिखाई दे रहा है। हालांकि जीएसटी प्राप्तियों में बड़ा हिस्सा आयात शुल्कों का है, लेकिन मध्यवर्ती वस्तुओं के आयातों पर मूल्य संवर्द्धन भी जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रहा है। यानी ग्रोथ हो या महंगाई पर अंकुश, सभी देश की बढ़ती निर्यात संभावनाओं की ओर इंगित कर रहे हैं।

कैसे बढ़ सकते हैं निर्यात? यह भी सही है कि दुनिया में चल रही मंदी और महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति के चलते नियार्तों में वृद्धि करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उसके बावजूद भारत के सेवाओं और वस्तुओं के नियार्तों में हो रही वृद्धि विशेष महत्व रखती है। देखना होगा कि भारत के नियार्तों में कहां ज्यादा वृद्धि हो रही है। खाद्य पदार्थों के निर्यात में वृद्धि का कुल नियार्तों में विशेष योगदान है। 2021-22 में 50 अरब डालर से अधिक खाद्य निर्यात किए गए। 2022-23 के आंकड़े आना अभी बाकी हैं, लेकिन अभी भी खाद्य नियार्तों में कुल नियार्तों में खासा योगदान बना हुआ है। नियार्तों में वृद्धि में प्रतिरक्षा नियार्तों का बड़ा योगदान दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि अभी तक भारत प्रतिरक्षा के क्षेत्र में आयातों पर ही अधिक निर्भर रहा है। लेकिन प्रतिरक्षा उद्योग में हुई प्रगति और विशेष तौर पर निजी क्षेत्र के प्रतिरक्षा उद्योग में बढ़ते योगदान के चलते देश न केवल प्रतिरक्षा में उपकरणों में आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि इस उद्योग का नियार्तों में भी योगदान बढ़ा है। एक ओर जहां देश अपनी प्रतिरक्षा जरूरतों का 70 प्रतिशत आयातों से प्राप्त करता था, अब मात्र 32 प्रतिशत उपकरणों के लिए ही आयातों पर निर्भर करता है और 68 प्रतिशत प्रतिरक्षा खरीद भारत से हो रही है।

पिछले 6 वर्षों में प्रतिरक्षा नियार्तों में 10 गुणा से ज्यादा वृद्धि, भविष्य में इस क्षेत्र के नियार्तों की संभावना को इंगित करती है। गौरतलब है कि 2016-17 में प्रतिरक्षा निर्यात मात्र 1521 करोड़ रुपए के थे, जो 2022-23 में बढकर 15920 करोड़ रुपए तक पहुंच चुके हैं। कहा जा सकता है कि भारत का प्रतिरक्षा उद्योग एक ओर विदेशी मुद्रा बचा रहा है और दूसरी ओर विदेशी मुद्रा कमा भी रहा है। बढ़ते विदेशी आर्डरों से प्रतिरक्षा उद्योग में काफी स्पंदन दिखाई दे रहा है। सेवा क्षेत्र में भारत का परचम पिछले 30 वर्षों से लहरा ही रहा है, लेकिन वर्तमान काल में उसका महत्व और बढ़ गया है। 5 वर्षों में ही हमारे सेवाओं के निर्यात 2016-17 में 164.2 अरब डालर से बढ़ते हुए 2021-22 तक 254.5 अरब डालर तक पहुंच गए थे। वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों में ये निर्यात 296.9 अरब डालर तक पहुंच चुके हैं और अनुमान है कि 2022-23 के पूर्ण वर्ष के लिए यह आंकड़ा 325 अरब डालर पार कर सकता है। खास बात यह है कि इन नियार्तों में आधे से ज्यादा हिस्सा सॉफ्टवेयर नियार्तों का है। इसके अलावा देश बड़ी मात्रा में बीपीओ, एलपीओ समेत कई प्रकार की व्यावसायिक सेवाओं का भी निर्यात कर रहा है। देश की सॉफ्टवेयर में प्रगति ने चीन समेत अन्य मुल्कों को भी पीछे छोड़ दिया है। रुपए में व्यापार से भी बदल सकती है तस्वीर दुनिया के कई मुल्क भारत से आयात करना चाहते भी थे तो भी वे पूर्व में डॉलरों के अभाव के चलते आयात नहीं कर पाते थे। लेकिन हाल ही में भारत सरकार ने एक पहल की और भारतीय रिजर्व बैंक ने एक परिपत्र के माध्यम से आयात और निर्यात के लिए अंतरराष्ट्रीय भुगतान निपटारों को रुपयों में करने की अनुमति प्रदान कर दी।

# हम जो कुछ भी हैं वह हमारी सोच का परिणाम है...

**लोग दो तरह के विचारों के साथ जीते हैं एक सकारात्मक और दूसरा नकारात्मक। यह लोगों पर निर्भर करता है कि वे अपने लिए क्या चुनते हैं क्योंकि विचार ही वह स्रोत है जो मनुष्य का निर्माण करता है। क्या आप वास्तव में सोचते हैं कि हम जो सोचते हैं हम वैसे ही बन जाते हैं? क्यों हर कोई एक सफल व्यक्ति बनने में इतना व्यस्त है क्योंकि वे जानते हैं कि यदि आप शांति के साथ एक आरामदायक जीवन जीना चाहते हैं तो आपको एक सफल व्यक्ति बनना होगा और वह आपकी अपनी सोच का परिणाम होगा। हर कोई अपने जीवन में जो चाहे हासिल कर सकता है लेकिन कुछ ही लोग अपने सपनों का पीछा कर पाते हैं क्योंकि हर कोई अपने विचारों के कारण एक अलग रास्ता चुनता है।परिवेश आपके अनुसार चलता है न कि आप परिवेश के अनुसार चलते हैं यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है**

**डॉ. सत्यवान सौरभ**
**लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।**

इस शब्द में हर कोई एक विचार या विचार के साथ आगे बढ़ रहा है। विचारों के परिणाम के बारे में सोचे बिना कोई भी उस पर आगे बढ़ना नहीं चाहता। लोग दो तरह के विचारों के साथ जीते हैं एक सकारात्मक और दूसरा नकारात्मक। यह लोगों पर निर्भर करता है कि वे अपने लिए क्या चुनते हैं क्योंकि विचार ही वह स्रोत है जो मनुष्य का निर्माण करता है। क्या आप वास्तव में सोचते हैं कि हम जो सोचते हैं हम वैसे ही बन जाते हैं? क्यों हर कोई एक सफल व्यक्ति बनने में इतना व्यस्त है क्योंकि वे जानते हैं कि यदि आप शांति के साथ एक आरामदायक जीवन जीना चाहते हैं तो आपको एक सफल व्यक्ति बनना होगा और वह आपकी अपनी सोच का परिणाम होगा। हर कोई अपने जीवन में जो चाहे हासिल कर सकता है लेकिन कुछ ही लोग अपने सपनों का पीछा कर पाते हैं क्योंकि हर कोई अपने विचारों के कारण एक अलग रास्ता चुनता है। परिवेश आपके अनुसार चलता है न कि आप परिवेश के अनुसार चलते हैं यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है कि आप कैसा परिवेश चाहते हैं या तो वह बुरा है या अच्छा, सही है या गलत और उसका विकास आपके विचारों पर निर्भर करता है कि आप जो भी बनेंगे उसका परिणाम होगा आपके अपने विचारों से।

औपनिवेशिक शासन के समय जब हर कोई बिना किसी नए विचार के अपने जीवन और नींद में व्यस्त था, उस समय हमारे स्वतंत्रता सेनानी ब्रिटिश सरकार से आजादी पाने के लिए अपनी रणनीति बनाने में व्यस्त थे। सुभाष चंदर बॉस, चंदर शेखर आजाद, सरदार भगत जैसे सेनानी ये सभी नई सोच के साथ आते हैं क्योंकि वे एक स्वतंत्र, निडर या मजबूत भारत बनाना चाहते हैं। वे अंतिम सांस तक संघर्ष करते रहे कभी सफलता मिली तो कभी असफल लेकिन वे अपने विचारों पर अडिग रहे। यह बात ब्रिटिश सरकार को पसंद नहीं थी क्योंकि वह इस बात से अवगत थी कि एक बार जब भारत को आजादी मिल जाएगी तो ब्रिटिश सरकार शासन करने की शक्ति खो देगी। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है स्वतंत्रता का विचार पूरे भारत में फैल जाता है और परिवेश स्वतंत्रता या स्वतंत्रता की आवाज से भर जाता है। उन तीन लड़ाकों के बाद कितने लोग महात्मा गांधी और अन्य नेताओं की तरह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ने आते हैं। और उसका परिणाम यह हुआ कि हमें ब्रिटिश शासन से आजादी मिल जाती है, यह सब इसलिए हो जाता है क्योंकि लड़ाके जो सोचते हैं वही बन जाते हैं।

हम दूसरा उदाहरण ले सकते हैं जिसके माध्यम से हम कह सकते हैं कि हम जो कुछ भी हैं वह हमारे विचारों का परिणाम है। अभी हम सभी एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं जहां हमारे पास संविधान है और कुछ मौलिक अधिकार हैं लेकिन इसके बावजूद कुछ क्षेत्रों में लोग अपनी मानसिकता के कारण संविधान के नियमों का पालन नहीं करते हैं, समानता के युग में महिलाओं को वह सम्मान नहीं मिलता है या सम्मान करें कि वे किस लायक हैं, ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लोग सोचते हैं कि महिलाएं केवल घर या बच्चों की देखभाल करने के लिए पैदा होती हैं, घर के बाहर उनकी कोई भूमिका नहीं होती है, उन्हें समाज में बोलने का कोई अधिकार नहीं है, ये सभी संकीर्ण दिमाग वाली चीजें विकसित होती हैं। समाज क्योंकि लोग जो सोचते हैं वे उसे लागू करते हैं और जो नहीं करना चाहिए वह बन जाते हैं। एक विचार आपके जीवन को बदल सकता है, हर किसी को अपने जीवन में एक निर्णय लेना होता है जो उनके पूरे जीवन को बदल सकता है इसलिए विचार को अपने जीवन में लागू करने से पहले परिस्थितियों या उस विशेष विचार के परिणाम का विश्लेषण करें क्योंकि वह निर्णय आपको बनाता है कि क्या आपको लगता है। हम जो कुछ भी हैं वो हमने आज तक क्या सोचा इस बात का परिणाम है। यदि कोई व्यक्ति बुरी सोच के साथ बोलता या काम करता है, तो उसे कष्ट ही मिलता है।

यदि कोई व्यक्ति शुद्ध विचारों के साथ बोलता या काम करता है, तो उसकी परछाई की तरह खुशी उसका साथ कभी नहीं छोड़ती।जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी हल कर सकने का विश्वास ही हमारी सकारात्मक सोच है। मुश्किल से मुश्किल दौर में भी हिम्मत बनाए रखना हमारे सकारात्मक सोच की शक्ति है। किसी भी मुश्किल कार्य को करने की हिम्मत भी हमें हमारे सकारात्मक सोच से ही मिलती है। हम किसी काम को जितने ज्यादा सकारात्मकता से करेंगे काम उतना ही सटीक और सफल होगा। जीवन की विषम परिस्थितियों में सकारात्मक सोच न होने के कारण बहुत से व्यक्ति अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं और अपना बहुत बड़ा नुकसान कर बैठते हैं। आज तक के सभी सफल व्यक्तियों के सफलता का राज कहीं न कहीं उनकी सकारात्मक सोच है। सकारात्मकता केवल हमारी सफलता की ही नहीं बल्कि हमारे अच्छे स्वास्थ की कुँजी भी है।

# राजस्थान में खेमेबंदी से परेशान है भाजपा

**इसी के तहत प्रदेश अध्यक्ष के पद पर सांसद सीपी जोशी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर राजेंद्र सिंह राठौड़ को नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए सतीश पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। भाजपा अपने चुनावी गणित में सोशल इंजीनियरिंग का फामूर्ला फिट कर रही है। इतना सब करने के बाद भी भाजपा आलाकमान राजस्थान को लेकर संतुष्ट नहीं लग रहा है। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता लगातार राजस्थान का दौरा कर गुआपसी खेमेबंदी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन भाजपा में व्याप्त खेमेबंदी रुक नहीं रही है। राजस्थान में भाजपा की सबसे बड़ी समस्या चुनावी चेहरे की हैं। जिसके सहारे पार्टी चुनावी मैदान में उतर सके। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सबसे बड़ी नेता मानी जाती रही है। मगर भाजपा आलाकमान उन्हें चुनाव में चेहरा बनाना नहीं चाहता है। भाजपा आलाकमान चाहता है कि वसुंधरा राजे के स्थान पर नए लोगों को आगे बढ़ाया जाए।**

**रमेश सर्राफ धमोरा**
**लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है**

राजस्थान में दिसम्बर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियां प्रारंभ कर चुके हैं। भाजपा भी प्रदेश में अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने में जुटी है। इसी के तहत प्रदेश अध्यक्ष के पद पर सांसद सीपी जोशी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर राजेंद्र सिंह राठौड़ को नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए सतीश पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। भाजपा अपने चुनावी गणित में सोशल इंजीनियरिंग का फामूर्ला फिट कर रही है। इतना सब करने के बाद भी भाजपा आलाकमान राजस्थान को लेकर संतुष्ट नहीं लग रहा है। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता लगातार राजस्थान का दौरा कर गुआपसी खेमेबंदी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन भाजपा में व्याप्त खेमेबंदी रुक नहीं रही है।

राजस्थान में भाजपा की सबसे बड़ी समस्या चुनावी चेहरे की हैं। जिसके सहारे पार्टी चुनावी मैदान में उतर सके। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सबसे बड़ी नेता मानी जाती रही है। मगर भाजपा आलाकमान उन्हें चुनाव में चेहरा बनाना नहीं चाहता है। भाजपा आलाकमान चाहता है कि वसुंधरा राजे के स्थान पर नए लोगों को आगे बढ़ाया जाए। इसी सोच के तहत जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

राजपूत समाज से आने वाले गजेंद्र सिंह को पार्टी आलाकमान राजस्थान में प्रमुख चेहरा बनाना चाहता था। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गजेंद्र सिंह को संजीवनी क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी घोटाले में लपेटकर विवादास्पद बना दिया है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान उच्च न्यायालय से अपनी अग्रिम जमानत तक करवानी पड़ी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को लोकसभा चुनाव में हराकर गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर से सांसद बने थे। इस कारण मुख्यमंत्री गहलोत गजेंद्र सिंह को लपेटने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं।

इन दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुलकर गजेंद्र सिंह शेखावत पर प्रदेश के लाखों गरीब परिवारों से 900 करोड रुपए ठगने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत तो सार्वजनिक रूप से इतना तक कह रहे हैं कि गजेंद्र सिंह शेखावत को आमजन से ठगी कर एकत्रित कर विदेशों में जमा करवाए गए धन को वापस लाकर गरीब लोगों को लौटाना चाहिए।

गहलोत के आरोपों से गजेंद्र सिंह शेखावत की छवी सार्वजनिक रूप से खराब हुई है और वह बैकफुट पर आ गए हैं। गजेंद्र सिंह को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत के आक्रमक रूप को देखते हुए भाजपा आलाकमान भी उन्हें फ्रंट फुट पर उतारने से कन्नी काटने लगा है। भाजपा आलाकमान को पता है कि यदि गजेंद्र सिंह शेखावत को चेहरा बनाकर पार्टी विधानसभा चुनाव में उतरती है तो मुख्यमंत्री गहलोत का मुख्य निशाना उन्हीं पर होगा और इसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी नहीं चाहती है कि राजपूत समाज के किसी अन्य नेता को उनके स्थान पर प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा जाए। इसके लिए वसुंधरा राजे अपने समर्थकों से अंदर खाने गजेंद्र सिंह का विरोध करवा रही है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए चित्तौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी प्रदेश में कोई पॉपुलर फेस नहीं रहे हैं। प्रदेश स्तर पर उनका कोई बड़ा जनाधार भी नहीं है। दोनों लोकसभा चुनाव भी वह मोदी के चेहरे पर जीते हैं। जातिगत समीकरण के हिसाब से उनको प्रदेश अध्यक्ष तो बना दिया गया है। मगर उन्हे चुनावी चेहरा बनाकर पार्टी को शायद ही कोई फायदा मिले। सीपी जोशी खुद भी लगातार बोल रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल नहीं हैं। उनका काम संगठन को मजबूत करना हैं।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए गए राजेंद्र राठौड़ लगातार सातवीं बार विधायक बने हैं। मगर उनका भी प्रभाव अपने क्षेत्र तक ही सीमित है। वह पार्टी का प्रदेश स्तर पर नेतृत्व कर सके इतना प्रभाव उनका नहीं रहा है। कोटा के सांसद ओम बिरला दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की पहली पसंद है। हो सकता है यदि चुनाव में पार्टी को बहुमत मिले तो उन्हें मुख्यमंत्री भी बना दिया जाए। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए सीपी जोशी उनके आशीर्वाद से ही अध्यक्ष बन पाए हैं। लोकसभा अध्यक्ष के संवैधानिक पद पर होने के कारण ओम बिरला खुलकर पार्टी की राजनीति नहीं कर सकते हैं। ना ही वह पार्टी पदाधिकारी बन सकते हैं।

जाट नेता सतीश पूनिया के रूखे व्यवहार व वसुंधरा राजे से सीधे टकराव के चलते ही उन्हें पद से हटाया गया था। ऐसे में उनकी भूमिका सीमित ही रखी जाएगी। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री व बीकानेर के सांसद अर्जुन राम मेघवाल अपने विवादास्पद व्यक्तित्व के चलते सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं। उनके पुत्र से जुड़े विवादों के चलते पिछले दिनों उन्हें बचाव की मुद्रा में आना पड़ा था। बीकानेर के दिग्गज नेता देवी सिंह भाटी से अनबन के चलते ही उनका पुत्र जिला परिषद का चुनाव हार गया था। भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ किरोड़ी लाल मीणा जुझारू छवि के नेता है तथा आए दिन जनआन्दोलन करते रहते हैं। मगर बढ़ती उम्र व विवादो में रहने के चलते पिछले विधानसभा चुनाव में उनका समर्थक एक भी प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में नहीं जीत पाया था। उनकी स्वयं की दौसा संसदीय सीट पर भी उनकी विरोधी रही जसकौर मीणा को प्रत्याशी बनाया गया था।

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुलकर फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। पिछले दिनों सचिन पायलट के अनशन के दौरान पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट रूप से उनके ही नेतृत्व में अगला चुनाव लड़े जाने की घोषणा कर दी थी। उसके बाद से गहलोत विपक्ष सहित पायलट पर भी आक्रामक रूख अपनाए हुए हैं। अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की चुनाव की कमान पूरी तरह अशोक गहलोत के हाथ में रहेगी। वहीं भाजपा को मजबूरी में बिना चेहरे के ही चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। उस पर वसुंधरा की उपेक्षा भी भाजपा को भारी पड़ सकती है। कर्नाटक चुनाव में टिकट काटने पर बहुत से भाजपा के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ कर भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। राजस्थान में भी यदि वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों की उपेक्षा की गई वही स्थिति हो सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राजस्थान में भाजपा के लिए बड़ा संकट बनी हुई है। पार्टी उनकी जितनी उपेक्षा करेगी उतना ही अधिक भाजपा को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ेगा। प्रदेश की राजनीति में आज भी वसुंधरा राजे समर्थकों का एक बड़ा वर्ग है जो वसुंधरा राजे की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर पाएगा। कुल मिलाकर भाजपा के पास प्रदेश में ऐसा कोई सर्वमान्य चेहरा नहीं है जिसके नाम व नेतृत्व में सभी नेता एकजुट होकर चुनाव लड़ सकें। यही भाजपा की सबसे कमजोर कड़ी साबित होगी।

# ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर इलाज की सुविधा नहीं है

शिल्पा

किसी भी देश या क्षेत्र की तरक्की इस बात पर निर्भर करती है कि वहां रहने वाले कितने पढ़े लिखे हैं और कितने सेहतमंद हैं. जहां भी इन दोनों अथवा दोनों में से किसी एक का भी अभाव हुआ है वहां विकास प्रभावित हुआ है. दुनिया के कई अति पिछड़े देश इसका उदाहरण हैं, जो इन दोनों मुद्दों अथवा इन दोनों में से किसी एक की कमी के कारण विकास की दौर में पीछे रह गए हैं. यही कारण है कि दुनिया के लगभग सभी विकसित देशों ने अपने नागरिकों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य पर काफी गंभीरता से ध्यान दिया है. इन देशों ने अपने नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधा बिल्कुल फ्री कर रखी है. भारत में भी इस मुद्दे पर हमेशा गंभीरता से ध्यान देने की कोशिश की जाती रही है. देश के लगभग सभी राज्यों के बड़े शहरों में एम्स जैसे बड़े अस्पताल संचालित हो रहे हैं. आजादी के बाद से ही सभी सरकारों ने स्वास्थ्य के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इस ओर काफी काम किया है. इसे मौलिक और बुनियादी अधिकार की श्रेणी में रखा है.

लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र मौजूद हैं जहां के नागरिक इस बुनियादी सुविधा से आज भी वंचित हैं. भारत में बहुत से ऐसे गांव हैं जहां अस्पताल जैसी सुविधा उपलब्ध नहीं है. इन्हीं में राजस्थान के उदयपुर जिला स्थित सलूम्बर तहसील का मालपुर गांव भी है. जहां के लोग इस दौर में भी अपने स्वास्थ्य की समस्या को लेकर दर दर भटक रहे हैं. इस गांव में लगभग 300 घर हैं. यहां के लोगों को अपने उपचार के लिए गांव से 12 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है क्योंकि इस गांव में स्वास्थ्य सुविधा नगण्य है. गांव में एक उप स्वास्थ्य केंद्र अवश्य है लेकिन वह केवल दिखावा मात्र से अधिक नहीं है. ऐसे में किसी इमर्जेंसी में गांव के बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और किशोरियां किस स्थिति से गुजरती होंगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है. इस संबंध में गांव की किशोरियां कंचन, मीरा और पूजा का कहना है कि हम अपने उपचार के लिए नर्स बहनजी के पास नहीं जाती हैं क्योंकि उन्हें किसी प्रकार की जानकारी तक नहीं है कि उप स्वास्थ्य केंद्र में लड़कियों के लिए क्या क्या सुविधाएं हैं. गांव की अन्य किशोरियां सविता और अनीता का कहना है कि हमने एक बार उप स्वास्थ्य केंद्र जाकर जानकारी लेनी चाही कि यहां पर लड़कियों के लिए माहवारी अथवा अन्य किसी स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी क्या क्या सुविधाएं उपलब्ध हैं तो उन्हें कोई संतुष्टिपूर्वक जवाब नहीं मिल सका. गांव की एक महिला मीराबाई (बदला हुआ नाम) कहती हैं कि मेरे चार बच्चे हैं. सभी बच्चों के जन्म के समय मुझे सलुम्बर के जिला अस्पताल जाना पड़ा क्योंकि गांव में स्वास्थ्य से संबंधित कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है. रात के समय तो हमें बहुत दिक्कत होती है. इमरजेंसी में हमें खुद से गाड़ी कर के मरीज को अस्पताल जाना पड़ता है. गाड़ी वाले 400 से 500 रुपए किराया लेते हैं. जो गांव की गरीब जनता के लिए बहुत मुश्किल होता है. उन्हें ब्याज पर पैसे लेकर परिजनों का इलाज करवाने पर मजबूर होना पड़ता है. यदि गांव के अस्पताल में स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा उपलब्ध होती तो न केवल मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध हो जाता बल्कि गरीब जनता का पैसा भी बच जाता. गांव की एक अन्य महिला साहना बाई (बदला हुआ नाम) कहती है कि इस गांव में नर्स बहनजी हैं, परन्तु वह कभी कभी आती हैं और अपना टीकाकरण का काम कर के चली जाती हैं. उप स्वास्थ्य केंद्र में केवल गर्भवती महिलाओं को कुछ गोलियां मिल जाती हैं बाकि ग्रामीणों को सलूम्बर जाने को मजबूर होना पड़ता है. वहीं गांव की एक बुजुर्ग महिला कमला बाई का कहना है कि ह्लहमारे गांव में एंबुलेंस की कोई सुविधा नहीं है, जिसकी वजह से हम जैसे लोगों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. चार कदम भी हम लोग ठीक से चल नहीं पाते हैं. हमारे पास इतने पैसे नहीं होते हैं कि हम निजी गाड़ी कर के अस्पताल जा सकें. सर्दी और खांसी जैसे छोटे उपचार के लिए गांव में नर्स बहनजी हैं, परंतु किसी बड़े उपचार के लिए हमें दूर जाना पड़ता है. गांव की आशा वर्कर का कहना है कि यहां की एक एएनएम के पास छः गांवों का जिम्मा है. वह प्रतिदिन अलग अलग गांव में जाकर टीकाकरण का काम करती है. उनका कहना है कि केंद्र पर गर्भवती महिलाएं आती हैं. यदि उन गर्भवती महिलाओं को कोई भी समस्या आ जाती है तो वह स्वास्थ्य केंद्र जाती हैं. परंतु कोई किशोरी इस उप स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं आती है. गांव में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण झोलाछाप डॉक्टरों का बोलबाला है. जागरूकता और आर्थिक कमी के अभाव में ग्रामीण इन झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में फंसने पर मजबूर हैं. यदि गांव में सरकारी सुविधा और डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी तो ग्रामीण अवश्य ही झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाने से बच जायेंगे. साथ ही स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी सरकारी सुविधा की जानकारी घर घर जाकर लोगो तक पहुंचा सकने में सफल होंगे. बहरहाल, एक गांव में अस्पताल होना बहुत जरूरी है. लोगो की पहली जरूरत ही अस्पताल होती है. इस वर्ष के केंद्

## संक्षिप्त खबरें

### नामजद आरोपी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मधुबनी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार के नेतृत्व में कांड में फरार चल रहे अभियुक्त को लौकही थाना क्षेत्र के कचनारवा गांव से गिरफ्तार कर लिया गया गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सुनील कुमार यादव पिता श्याम नारायण यादव के रूप में किया गया जो प्राथमिकी के नामजद आरोपी है। थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त कई महीनों से कांड में फरार चल रहा था। हमारे पुलिस बल के द्वारा प्राथमिकी के नामजद अभियुक्त के गांव से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में लेने हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेज दिया गया।

### महायज्ञ की तैयारी शुरू

मुजफ्फरपुर। बालक दास उर्फ नागा बाबा के सानिध्य में बछुमन गांव में आगामी 8 मई से 22 मई तक आयोजित होने वाली भव्य ग्यारह दिवसीय श्री सीताराम नाम जप अखंड महाविष्णुयज्ञ की सफलता को लेकर मंगलवार को यज्ञ स्थल बछुमन गांव से बैंड बाजे के साथ भव्य कार और बाइक यात्रा को श्री बालक दास उर्फ नागा बाबा ने झंडी दिखाकर विदा किया.यात्रा के पूर्व नागा बाबा ने मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री सीताराम नाम जप अखंड महाविष्णुयज्ञ में शामिल होने से जीव दैहिक, दैविक, और भौतिक तापों से मुक्त हो जाता है.साथ ही जीव को चतुष्टय सिद्धि अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है.विशाल जुलूस गरहुआं,केशोपुर, पदमौल,माधोपुर चिकनी,जिम्दार चौक,बाघी स्टेट, शाहपुर मरिचा,सोनबरसा समेत प्रखंड के सभी गांवों भ्रमण किया.भव्य जुलूस यात्रा में शामिल समस्त बछुमन ग्रामवासी ने बताया की यात्रा के जरिए लोगों से अपील करेंगे कि महायज्ञ में शामिल हो

### एआईडीएसओ ने प्रति कुलपति को सौपा ज्ञापन

मुजफ्फरपुर।चार वर्षीय डिग्री कोर्स, सत्र अनियमितता तथा अन्य शैक्षिक समस्याओं के खिलाफ ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से 18-25 अप्रैल तक राज्यव्यापी प्रतिवाद सप्ताह कार्यक्रम को लेकर आज 25 अप्रैल 2023 को बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति को राज्यपाल के नाम मांगों से सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर प्रेस वार्ता करते हुए एआईडीएसओ के जिलाध्यक्ष शिव कुमार ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र से ही 4 वर्षीय डिग्री कोर्स लागू करने के निर्णय को लेकर छात्र, शिक्षक एवं शिक्षा प्रेमी लोग काफी चिंतित है जहां इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि तीन वर्षीय डिग्री कोर्स में अतिरिक्त एक साल क्यों बढ़ाया गया है। एक वर्ष का अतिरिक्त फीस का बोझ लगाने से उच्च शिक्षा और अधिक महंगी हो जाएगी जिसे आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के छात्र वहन नहीं कर सकते। नतीजतन, ड्रॉप आउट बढ़ जाएगा। इसके अलावा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में विफल सरकार अब एक साल और छात्रों को शैक्षणिक परिसर में रखने की योजना बना रही है। ह्यमल्टीपल एंट्री एंड एग्जिटह्न प्रणाली के तहत, यदि किसी छात्र को पहले वर्ष के दो सेमेस्टर के बाद पढ़ाई छोड़ना पड़े तो उसे एक सर्टिफिकेट डिग्री, दूसरे वर्ष के चार सेमेस्टर के बाद डिप्लोमा, तीसरे वर्ष के छह सेमेस्टर के बाद एक सामान्य स्नातक और चौथे वर्ष के आठ सेमेस्टर के बाद मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च विद ऑनर्स की डिग्री प्रदान किया जाएगा। लेकिन वित्तीय कारण सहित जिन कारणों से एक छात्र को बीच में ही पढ़ाई छोड़ना पड़ता है, उन समस्यों का निवारण किए बिना ही यह प्रणाली वास्तव में अलग-अलग नामों से प्रमाण पत्र देकर ड्रॉपआउट को वैधता दे रही है। इस प्रणाली में, चार वर्षों के बाद कुल क्रेडिट अर्जित करने के लिए ह्यएकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिटह्न में विभिन्न कॉलेजों से प्राप्त एक छात्र के अंक क्रेडिट के रूप में जमा किए जा सकते हैं। इस प्रकार राज्य सरकार यूजीसी द्वारा स्नातक स्तर पर ह्यकरिकुलम एंड फ्रेमवर्कह्न की शुरूआत कर रही है जो वास्तव में राज्य स्तर पर केंद्र में भाजपा सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रही है और समग्र छात्र समाज को कई शिक्षा व्यापारियों के बाजार में खरीददारों में रूपांतरित करने की योजना बनाई है। इस तरह पूरी शिक्षा व्यवस्था मुनाफा कमाने के उद्देश्य से चलाई जाएगी। उन्होंने ज्ञापन के द्वारा कुलाधिपति से चार वर्षीय डिग्री कोर्स को लागू करने के निर्णय रोक लगाने, रिक्त पदों पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों स्थाई नियुक्ति करने, विश्वविद्यालयों का सत्र नियमित करने एवं शिक्षा का संपूर्ण निजीकरण करने वाला नई शिक्षा नीति-2020 को रद्द करने की मांग की।

# एईएस से ठीक हुए बच्चों का होगा मेडिकल फॉलोअप : जिलाधिकारी

## चमकी के छोटे लक्षणों को न करें नजर अंदाज

प्रात : किरण, संवाददाता

मुजफ्फरपुर। एईएस से ठीक हुए बच्चों का अब फॉलोअप होगा। यह जवाबदेही दो विभागों ,स्वास्थ्य और आईसीडीएस की होगी। स्वास्थ्य विभाग के एएनएम स्तर से व आईसीडीएस इसे महिला पर्यवेक्षिका के स्तर से पूरा करेंगी। इसके लिए जल्द ही एक फॉर्मेट भी बनाया जाएगा। ये बातें मंगलवार को जिला प्रशासन और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के सहयोग से आयोजित मीडिया वर्कशॉप में जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने कही। मीडिया से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि एईएस में जागरूकता या राह दिखाने में मीडिया ने हमेशा से सहयोग किया है। ऐसे में इस बार एक नवाचार करते हुए मीडिया संस्थानों से भी आग्रह होगा कि वे अपने विज्ञापन के बाद बचे जगहों में चमकी को धमकी की बातें या कंट्रोल रूम का नंबर लिखें। वहीं सोशल मीडिया से भी अपने चैनलों के स्क्रॉल में चमकी के प्रति लोगों को जागरूक करने वाली बातें लिखें। जिलाधिकारी ने कहा कि रेड क्रॉस के माध्यम से जिले में बच्चों के अभिभावकों में गुड़ बटवांने की भी योजना है, जिससे रात को सोते समय बच्चे कुछ मीठा खिलाया जा सके। मीडिया उन्मुखीकरण सह कार्यशाला के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि चमकी के छोटे लक्षण को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चों को जल्द ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाएं। यह दो महीने चमकी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। मीडिया के जागरूकता संबंधी सवाल का जवाब देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायतों को गोद लेने के अलावे आंगनबाड़ी सेविकाएं आंगनबाड़ी के बच्चों के अलावे अपने पोषक क्षेत्र के सभी 15 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। स्कूलों में चेतना सत्र का आयोजन किया जा रहा है। चौबीसों घंटे पीएचसी लेवल पर डॉक्टर और दवाएं उपलब्ध है। आईसीडीएस की महिला पर्यवेक्षिका और स्वास्थ्य से एएनएम मासिक स्तर पर प्रभावित बच्चों का रिपोर्ट प्रतिवेदित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रायः देखा गया है कि चमकी का प्रकोप दलित एवं महादलित टोलों में अधिक होता है। ऐसे में उनके जागरूकता के लिए महादलित टोलों में वीडियो वॉल के माध्यम से वीडियो दिखाकर उन टोलों में चमकी के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी। इस बार भी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य स्पष्ट है कि कम से कम केस आए और जीरो डेथ की संकल्पना को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि चमकी में रिस्पांस टाइम बहुत महत्वपूर्ण है। यह हाल में ही एईएस से कुछ ठीक हुए लोगों के आधार पर निष्कर्ष में आया है। पिछले कुछ वर्षों में वही चमकी केस खराब हुआ है, जिन्होंने दिखाने में देर की है। मौके पर जिलाधिकारी प्रणव कुमार, डीडीसी आशुतोष द्विवेदी, सिविल सर्जन डॉ यूसी शर्मा, जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ सतीश कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार, डीपीएम रेहान अशरफ, केयर डीटीएल मुकेश कुमार सिंह, डीपीओ सोमनाथ ओझा, भीबीडीसी प्रीतिकेश प्रमार्थी, डब्ल्यूएचओ के डॉ आनंद एवं अन्य मीडियाकर्मी मौजूद थे।

# आईसीडीएस महिला पर्यवेक्षिकाओं को डीएम ने सौंपा नियोजन पत्र

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले के सभी प्रखंडों में नवनियोजित कुल 65 महिला पर्यवेक्षिकाओ आईसीडीएस को जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा निर्मित मेघा सूची में वरीयता के आधार पर नियोजन पत्र प्रदान किया गया। उक्त सभी महिला पर्यवेक्षकों को 05 मई 2023 तक उनके संबंधित परियोजना कार्यालय में योगदान देने के निर्देश दिए गए हैं।उक्त अवसर पर उपस्थित सभी नवनियुक्त महिला पर्यवेक्षिकाओं को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आपका दायित्व अनुश्रवण का है। जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का समय से और नियमानुकूल संचालन आपके कर्तव्य में सबसे ऊपर है। सभी आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका अपने अपने कार्यस्थल पर समय से उपस्थित हों और सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाएं सभी लाभुकों को मुहैया कराई जा रही हों, इसे सुनिश्चित करें।उन्होंने उपस्थित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा कई महत्त्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं।

कर्मियों की कमी को पूरा किया जा रहा है। ऐसे में सबसे अच्छे आचरण युक्त कर्तव्य निर्वहन की अपेक्षा है। उक्त अवसर पर उप विकास आयुक्त विशाल राज, डीपीओ आईसीडीएस, कविता कुमारी सहित सभी नवनियोजित महिला पर्यवेक्षक उपस्थित थीं।

# श्रीमद् भागवत कथा में बताया गया की भारत का नाम भारत कैसे पड़ा

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी जिले के रहिका प्रखंड के खरौआ गांव में श्रीमद भागवत कथा सेवा समिति खरौआ महिनाथपुर के द्वारा ब्रह्मस्थान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भागवत आचार्य पत्राचारी रामकृष्ण जी महाराज के द्वारा भगवान ऋषभदेव जयंती और उनके पुत्र भरत की कथा से शुरूआत किए उन्होंने अपने कथा में कहा भगवान ऋषभदेव अपने प्रताप से प्रजाजनों को अपने अधीन कर लिया। यह देख इंद्रदेव को, जलन होने लगी। उनके राज्य में पानी बरसाना बंद कर दिया। पर भगवान ऋषभदेव ने अपने योग माया के प्रभाव से अपने वर्ष अजनाभ खंड में खूब जल बरसाया।यह देख इंद्रदेव बड़े लज्जित हुए और अपनी बेटी का विवाह भगवान ऋषभदेव जी के साथ कर दिया।इस प्रकार भगवान का विवाह इंद्र पुत्री जयंती से हुआ।इनके 100 पुत्र हुए, इनके बड़े पुत्र का नाम था भरत इसलिए इस अजनाभ खंड का नाम ही भरत पड़ गया आगे चलके भरत से भारत हुआ। श्री शुकदेव जी महाराज कहते हैं- परीक्षित!

अंत में भगवान ऋषभदेव जी ने समस्त पुत्रों को बुला कर उपदेश दिया। पुत्रों! जब तक भगवान वासुदेव के चरणों में प्रीति नहीं तब तक जीव को इस जन्म मरण से मुक्ति नहीं मिल सकती, इसलिए अपना सच्चा संबंधी उसी को समझो जो भगवान की भक्ति में आपका समय दे, सहयोग दे; और जो इसका विरोधी है आप उस को त्याग दो फिर चाहे वह कितना ही घनिष्ठ क्यों ना हो। उपदेश देकर भगवान ऋषभदेव भरत जी को सत्ता सौंप कर वन में चले गए शुकदेव जी महाराज कहते हैं- राजा परीक्षित! ऋषभ भगवान के बड़े पुत्र का नाम था भरत इनकी पांच संताने हुई। राजा के बड़े पुत्र का नाम था सुमति सुमती को राज्य सौंप कर वन में चले गए। कोल्हाश्रम में जाकर भगवान सूर्य देव की उपासना की, गंडकी नदी में स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया करते थे।

तभी एक दिन स्नान के समय सिंह के डर से भागती हुई एक गर्भवती हिरण छलांग लगाते हुए नदी में कूद पड़ी। सिंह के भय से भीत हो करके वह हिरनी राजा के समीप दौड़ी उसी समय उस हिरनी ने शावक को जन्म दिया उस नन्हे शावक को जन्म देकर हिरनी ने अपने शरीर को त्याग दिया।इस मौके पर निगरानी कमिटी के अध्यक्ष भागवत राय, कार्यकारणी के अध्यक्ष रामबाबू यादव, राजद जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, लोजपा नेता सीताराम यादव,रमेश साह,शिवनारायण दास,सुधीर राय,धर्मदेव राय,राम बुझावन राय,धर्मेंद्र राय,राजगीर यादव,मालिक यादव,रामशीष यादव,राधे यादव,श्रवण यादव,काशी यादव,महावीर राम,सहित सैकड़ों श्रोता गण मौजूद रहे।

# शिक्षक संध द्वारा विभिन्न मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी/खजौली प्रखंड मुख्यालय पर मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक संध खजौली इकाई के प्रखंड अध्यक्ष चन्देशखर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र के सभी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा काला बिल्ला लगाकर आठ सूत्री मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा एव शिक्षक हित मे शिक्षकों द्वारा इस दौरान प्रखंड प्राथमिक शिक्षक संध के अध्यक्ष चन्देश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा शिक्षकों के हित मे काम नही करते है. उन्होंने कहा बिहार के मुख्यमंत्री एव शिक्षा मंत्री दोनो मिलकर शिक्षकों को उपहास करने पर लगे।

उन्होंने कहा कि बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियुक्ति,स्थानांतर अनुशासनिक करवाई एव सेवाशर्त नियमावली 2023 में संशोधन करते हुए बिना परीक्षा के स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त सभी शिक्षकों राज्य कर्मी का दर्जा देते हुए अध्यापक नियुक्ति नियमावली से आच्छादित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग की.उन्होंने कहा वर्ष 1995 के पश्चायत नियुक्त सहायकों शिक्षकों नियुक्ति तिथि सेवा की गणना करते हुए एम.ए.सीपी.वितीय उन्नयन का लाभ की मांग की है.वही प्राथमिक शिक्षक संध के सचिव शिक्षक बैधनाथ कुमार वासकी ने कहा कि शिक्षकों को मृत्यु प्रांत आश्रितों को अनुकम्पा का लाभ देते हुए शिक्षक पद पर नौकरी की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक बिहार सरकार आठ सूत्री मांग को पूरा नही करता है तब तक प्राथमिक शिक्षक संध सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन जारी रहेगा.इस मौके पर शिक्षक तनवीर असरक ,वेचन राम, ललन कुमार सिंह,अशोक कुमार,विजय कुमार सिंह,धैर्जनाथ चौधरी,शिव कुमार सिंह,सज्जन पासवान,साधु शरण पासवान,विजय कुमार पासवान, सुरेंद्र कुमार सिंह सहित दर्जनों शिक्षक धरना प्रदर्शन में शामिल थे।

# युवाओं को श्रीमद्भागवत कथा सूनने की है जरूरत: हृदयनाथ जी महराज

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी/खजौली प्रखंड के ठाहर गांव स्थित भैरव स्थान परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का चैथे दिन कथावाचक पुज्य श्रीहृदयनाथ जी महराज ने भगवान श्री कृष्ण जी की जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्म से लेकर, उनकी बाल लीला, रास लीला सहित उनके महिमा का बखान किया। कहा कि कृष्ण प्रेम बांटने वाले है. दुनिया की कठिन से कठिन काम मधुरवचन व प्रेम से पूर्ण हो जाता है. सभी श्रद्धालुओं को मधुर भाषी बनने को कहा. उन्होंने कहा झुकने से मानव को सम्मान मिलता है, ऐसा करने वाला मनुष्य शिखर तक पहुंचता है.भारत देश की संस्कृति दुनिया में विशाल है।

सनातन धर्म की रक्षा करना हमलोगों का कर्तव्य है। श्रीमद्भागवत कथा बुजुर्गो के साथ-साथ युवा पीढी को सूनने की जरूरत है. जिससे परिवार, समाज एवं देश का समुचित विकास होगा। शास्त्र पढ़े एवं अपने बच्चों को पढाये। शास्त्र पढ़कर भाषा सुधरती है। हमें प्रयास करना चाहिए कि श्रेष्ठ जीवन बनाएं, अच्छे कार्य करने का जुनून होना चाहिए। अहंकार उपद्रव करता है और अधिकार रक्षा करती है। अहंकार को स्थिर कर जीवन की रक्षा करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए. पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की बड़ी तादात में भीड़ उमड़ पड़ी कथा को लेकर गांव सहित आसपास का वातावरण भक्तिभाव से सराबोर है। मौके पर श्रद्धालु रूकमिणी देवी, मंगल ठाकुर, मनीष, मयंक सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

# डीएम ने किया सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात के नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटना में हो रही मौतों की संख्या में कमी लाई जा सकती है। इसके लिए उन्होंने लगातार चेकिंग अभियान के साथ साथ आम लोगों में जागरूकता फैलाए जाने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी से लोग अपनी यात्रा सुरक्षित तरीके से पूरी कर सकते हैं। ऐसे में हेलमेट पहनने और अपने लेन में यात्रा करने संबधी जागरूकता फैलाना आवश्यक है।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे सभी स्थानों की सूची उपस्थापित की जाए जहां पर एक से अधिक बार सड़क दुर्घटना हो चुकी है। ताकि, उन स्थानों पर सड़क सुरक्षा को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने सभी आवश्यक स्थलों पर गति सीमा और जेब्रा क्रॉसिंग जैसे चिन्ह लगाए जाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालयों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी, बाद विवाद प्रतियोगिता आदि करवाई जाए। उन्होंने स्कूलों के चेतना सत्र में यातायात नियमों के पालन को लेकर लगातार संबोधन को आवश्यक बताया। उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को गुड सेमिरिटन पुरस्कार देने की बात भी कही। उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना से लाभ प्राप्त कर एंबुलेंस सेवा देने वाले व्यक्ति के नाम उसके मोबाइल नंबर सहित प्रखंड व अनुमंडल के अस्पतालों पर चिपकवाने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही, सड़क दुर्घटना के बाद अस्पताल लाने वाले वाहनों की जानकारी रखने के निर्देश भी दिए हैं। ताकि यह पता लगाया जा सके कि सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस की सुविधा मिल सकी या नहीं। उन्होंने बैठक के सदस्यों के सुझाए जाने पर नाजिरपुर पंचायत के नहर के ऊपर बने पुल के दोनो तरफ रोड सेफ्टी ब्रेकर बनाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।इसके अतिरिक्त उन्होंने दुर्घटना में मृत व्यक्ति को मिलने वाली आर्थिक सहायता और यातायात नियमों के विरुद्ध वाहन चलाने वाले वाहनों से वसूले गए आर्थिक दंड की राशि की जानकारी भी ली। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त विशाल राज, जिला परिवहन पदाधिकारी, शशि शेखरण, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, मधुबनी के अध्यक्ष, मुन्ना ठाकुर सहित राष्ट्रीय उच्च पथ सहित रेड क्रॉस सोसायटी के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित अधिकारी शामिल थे।

# पेट्रोल पम्प से नगद समेत डीजल की लूट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मनियारी थाना क्षेत्र के काजीइंडा स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप से अपराधियों ने नगद समेत डीजल लूटने की घटना को अंजाम दिया है। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। सोमवार की देर रात एक कार से चार अपराधी पेट्रोल पम्प पर पहुंचे और सबसे पहले नोजल मैन राजू कुमार को हथियार के बल पर गिरफ्त में लेते हुए अपनी कार में बैठा लिया और उसे अपनी गाड़ी में साथ लाए गैलनों में डीजल भरना शुरू कर दिया। इसी बीच एक अपराधी हथियार लेकर पंप के कैश काउंटर पर पहुंच गया। वहां काउंटर पर सो रहे पंप कर्मी कौशल किशोर से काउंटर में रखे पैसे लूट लिया और वापस कार में आ गए और कार को लेकर भागने लगे। इस दौरान पंप पर खड़े एक ट्रक के ड्राइवर ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद अपराधियों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य ट्रक ड्राइवर पर गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली ट्रक चालक को नहीं लगी। पूरे घटना को लेकर स्थानीय लोग और पेट्रोल पंप कर्मी में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने गैलन में करीब 560 लीटर डीजल भरवा लिया।

# बिहार ब्रांड शेफ राजन बेकरी ने खोला सातवां आउटलेट

प्रात : किरण, संवाददाता

पटना : आईएसओ सर्टिफाइड और बिहार ब्रांड की पहली शेफ राजन बेकरी राजधानी वासियों के बढ़ती मांग को देखते हुए अपना सातवाँ आउटलेट अनिसाबाद पटना के चितकोहरा बाजार के इमारत आर्किड में खोली है। 2014 से शुरू हुए केक की दुनिया में राजन बेकरी ने अपना परचम लहराते हुए राजधानी पटना के लोगों को बेहतर सेवा देते हुए बिहार का बेहतर ब्रांड बनाया है। नए शाँप का उद्घाटन आउटलेट के ऑनर राजू कुमार एवं शेफ राजन बेकरी चेन के प्रमुख शेफ राजन द्वारा किया गया । आउटलेट के शुभारंभ पर शेफ राजन ने बताया कि हमारा उद्देश्य बेहतर सेवा के साथ रोजगार का भी सृजन करना है । बढ़ती लोकप्रियता के कारण अब राज्य के बाहर से भी फ्रेंचाइजी के लिए निवेशक आ रहे हैं। अब तक राजन बेकरी द्वारा लगभग दो दर्जन से ज्यादा स्वाद के साथ सैकडो. स्पेशल कस्टमाइज केक ग्राहकों को उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही नए आउटलेट पर 15 नए फ्लेवर के स्लाइस केक एवं ड्राई केक लांच किए गए हैं। साथ ही बच्चों की पसंद के अनुसार स्पेशल कुकिज भी उपलब्ध है । वर्तमान में इस नए आउटलेट पर 10 फीसदी की अतिरिक्त छूट दी जाएगी । ज्ञात हो कि एक विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसके स्वाद की तारीफ कर चुके हैं। आउटलेट के उद्घाटन के मौके पर हरिओम उत्तम हर्षरंजन ललन सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे । राजन बेकरी के केक शेफ राजन बेकरी गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल आईफोन स्टार मोबाइल ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन भी मंगा सकते है ।कंपनी का उद्देश्य बिहार का नया ब्रांड बनाते हुए हर घर में , हर खुशी में शरीक होना है साथ ही युवाओं के लिए रोजगार का मार्ग खोलना है ।

# शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसा एसएसबी जवानों ने आग पर काबू पाया

प्रात : किरण, संवाददाता

मधुबनी भारत के वीर सैनिक,वीर जवान जो हमारे सीमाओं पर एक वीर योद्धा, प्रहरी की भांति दुश्मनों से लड़ते हैं देश को महफूज रखते हैं। लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब कभी हम प्राकृतिक आपदाओं एवं मानवीय आपदाओं के कारण मुश्किल में फंसते हैं तो वही वीर जवान हमारा सहारा बनकर हमें हाथ पकड़कर उस मुसीबत से बाहर निकालते हैं। इसी कड़ी में मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जिले के राजनगर के समीप भट्ठी चौक क्षेत्र में बेकरी फैक्टरी, मैकेनिक गैरेज और मटन दुकान में शॉट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। भीषण आग लग जाने के वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं एसएसबी 18वीं बटालियन, राजनगर के उपकमांडेंट (संचार) जीत सिंह, उपनिरीक्षक (मैक) समीरन शर्मा, सहित कुल 42 सेना के जवान मौके पर पहुंचे। पानी टैंकर से एवं ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के इस भीषण हादसे में मोटर गैरेज में उपस्थित मोहम्मद नूर आलम की आग लगने से मौत हो गई।

# नियमावली के विरुद्ध प्रखंड मुख्यालय पर शिक्षकों का प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

बोचहा।बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ पटना के आहवान पर मंगलवार को शशि सिद्धेश्वर कुमार उर्फ गुलाब यादव की अध्यक्षता में प्रखंड सह अंचल कार्यालय के प्रांगण में शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2023 के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान यादव ने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षक नियुक्ति नियमावली लाया गया है।इससे पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। वही इस नियमावली ने 20 वर्षों से कार्य कर रहे शिक्षकों की मिहनत पर पानी फेर दिया है। सरकार यदि समय रहते इस शिक्षक विरोधी नीति नियमावली को वापस नहीं लेती हैं तो बिहार के सभी कोटि के शिक्षक अब एक मंच पर आकर आंदोलन छेड़ेंगे। सरकार को बिना शर्त नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देना होगा। नई नियमावली लाकर सरकार ने छल किया है। अचानक लागू की गई नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली को बिहार के नियोजित शिक्षक किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे। मौके पर जाहिद हुसैन, अरुण कुमार साह, पंकज साहनी, धनंजय कुमार, रामदयाल कुमार, सोनेलाल पासवान, विजय सिंह, राणा प्रताप, शाहीना प्रवीण, मनोज कुमार, उदय शंकर प्रसाद, बृजनंदन यादव, अमरेंद्र कुमार, संतोष कुमार, सुनील कुमार, रमेश कुमार, व अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

# अगले 24 घंटों में उत्तर बिहार में बूंदाबांदी की सम्भावना

प्रात : किरण, संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 26 से 30 अप्रैल, तक का मौसम पूवार्नुमान जारी किया है। पूवार्नुमान के अनुसार, पूवार्नुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल जा सकते है। अगले 24 घंटों तक उत्तर बिहार के कुछ स्थानों पर बूंदा-बूंदी की सम्भावना बनी रहेगी। उसके बाद (27 अप्रैल से) मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 20-24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 50 से 55 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।

पूवार्नुमानित अवधि में औसतन 8 से 14 किमी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। बेगुसराय, समस्तीपुर, सारण, गोपालगंज, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों में 26 तथा 29 अप्रैल को पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

आज का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम एवं न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

## संक्षिप्त खबरें

### बिहार सरकार के निर्देश पर डीएम ने खड़गपुर के कार्यक्रम पदाधिकारी को किया बर्खास्त

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मनरेगा में सरकारी राशि का गबन के आरोप में हवेली खड़गपुर प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) संजीव कुमार दास को मुंगेर के जिला अधिकारी ने बांका जिले के कटोरिया प्रखंड में मनरेगा के तहत बिना काम कराए राशि निकासी करने एवं अधिक राशि निकासी के आरोप में पटना के आयुक्त मनरेगा सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बिहार डीआरडीएल पटना ने अनुबंध रद्द करने का आदेश मुंगेर के जिला अधिकारी को दिया था आयुक्त मनरेगा पीआरडीए पटना के पत्रांक संख्या 196/2021 दिनांक 25/04/2022 के कंडिका 01 (भी आई आई) के तहत जिला अधिकारी नवीन कुमार ने पीओ संजीव कुमार दास गबन की राशि वसूली एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही सहित आदेश निर्गत की चीज से अनुबंध को समाप्त कर दिया है।

### नीतीश कुमार को खुश करने के लिए केंद्र पर झूठा आरोप लगा रहे सांसद : माधव सिंह

पूर्णिया । पूर्णिया में हवाई अड्डा का निर्माण केन्द्र सरकार के ढुलमुल नीति के कारण नहीं किया जा सका है। उक्त बातें लोकसभा के जदयू सांसद संतोष कुमार ने कही। सांसद संतोष कुमार द्वारा दिए गए उक्त बयान का खंडन करते हुए राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश महासचिव माधव सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सांसद हवाई अड्डा निर्माण के सवाल पर नीतीश कुमार को खुश करने और जनता का विश्वास हासिल करने के उद्देश्य से वास्तविकता से परे बयानबाजी किये हैं। आगे यह भी कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट के सवाल पर बेईमानी कहां पर हुई है, इसे सांसद के साथ साथ सीमांचल के हर व्यक्ति को पूरी तरह से जानने और समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार की नीतीशरुपी राज्य सरकार हवाई अड्डे के निर्माण में बाधक बन रही है। जनता नीतीश कुमार से उब चुकी है और बस 2025 के इंतजार में हैं ताकि उसकी छुट्टी कर सके।

### जलालगढ़ बाजार के केनरा बैंक में लगी, लाखों की क्षति

पूर्णिया/जलालगढ़ । बाजार स्थित केनरा बैंक के शाखा में अचानक आग लग गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जब लोग मॉर्निंग वॉक को निकले तो केनरा बैंक परिसर में धुआ निकलता देखा तो स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जलालगढ़ थाना सहित केनरा बैंक के मैनेजर को दी। सूचना के कुछ देर पश्चात जलालगढ़ थाना से फायर बिग्रेड की गाड़ी जब बैंक परिसर के पास पहुंची तो आग की कुछ लपटें उठ रही थी। जिसके बाद फायर बिग्रेड की पूर्णिया की टीम को भी अविलंब कॉल किया गया और पुनः पूर्णिया से भी फायर बिग्रेड की 2 गाड़ियां बैंक परिसर के पास पहुंचकर आग बुझाने का काम किया। फायर बिग्रेड की टीम लगभग 1 घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पायी। केनरा बैंक के मैनेजर ने पहुंचकर क्षति का आकलन किया। वहीं इस बाबत जब बैंक के मैनेजर मधु कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दो कंप्यूटर, एक प्रिंटर, कुछ पंखे, विद्युत उपकरण फर्नीचर के अलावा कुछ कागजात लगभग दो से ढाई लाख के आसपास के क्षति का अनुमान बताया।

### पानी के लिए परेशानी का सामना कर रहे नगरवासी

तारापुर। तारापुर में पानी की घोर किल्लत हो गई है लेकिन इस और किसी पदाधिकारी का ध्यान नहीं गया है जबकि जिलाधिकारी का निर्देश है कि एक भी पीने के पानी से वंचित नहीं रहे लेकिन शहरवासी इस भीषण गर्मी में स्नान करना तो दूर खाना बनाने और पीने के लिए तरस रहे हैं। पानी की किल्लत को लेकर तारापुर विधिक संघ के पूर्व अध्यक्ष हरे कृष्ण वर्मा ने ग्रामीणों के इस समस्या को तारापुर के नव पदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी से की थी इस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा था कि मुंगेर में टीम का गठन किया गया है जो तारापुर आ रही है लेकिन 3 दिन बीतने के बाद भी अब तक पानी के समस्या का समाधान नहीं हो पाया है नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 एवं 10 के लोगों का कहना है कि पीएचईडी विभाग से संचालित खराब रहने के कारण पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

### रुपौली थाना पुलिस ने 15 ग्राम स्मैक के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पूर्णिया । पुलिस अधीक्षक पूर्णिया आमिर जावेद द्वारा सभी थानाध्यक्ष, ओपी अध्यक्षों को देशी, विदेशी शराब, अन्य नशीले पदार्थ की बरामदगी, तस्करों और अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु सघन वाहन चेकिंग एवं छापेमारी करने का सख्त निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में रुपौली थाना पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि राणा यादव भारी मात्रा में नशीले पदार्थ स्मैक बाहर से लाकर खरीद बिक्री का कार्य करता है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धमदाहा के नेतृत्व में थानाध्यक्ष रुपौली एवं अन्य पुलिस बल के सहयोग से उक्त व्यक्ति के घर पर घेराबंदी करते हुए छापेमारी की गई।

# रिवर फ्रंट निर्माण कार्य में अनियमितता की जांच को लेकर 6 सदस्यी टीम पहुंची बरारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। गंगा घाट सौन्दरकर्ण को लेकर बरारी घाट का 102 करोड़ की लागत से 1.1 किलोमीटर रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसको लेकर पहले भी कई तरह के सवाल खड़े होते आ रहे थे।

वही कांग्रेस विधायक दल के नेता सह भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा के द्वारा 6 सदस्य टीम गठित कर उक्त निर्माण कार्य की जांच हेतू बरारी गंगा घाट पर टीम को भेजी गई। गठित छः सदस्यीय टीम कार्य स्थल पर पहुंच कर रिवरफ्रंट बनाने की दिशा में चल रहे कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान टीम ने

चल रहे रिवरफ्रंट निर्माण कार्य में कई तरह की गड़बड़ियां पाई है। एक तरफ जहां सीमेंट और बालू के बन रहे मसाले में घोर अनियमितता पाई गई है, तो वही लोह के छड़ भी जंग लगा हुआ उपयोग में लाये जाने की गतिविधियों को पाया, साथ ही उपयोग में लिये जा रहे ईट की क्वालिटी भी ठीक नहीं पाई गई। जिसको लेकर टीम के द्वारा उक्त स्थल पर मौजूद कांट्रेक्टर से चल रहे कार्य की डिटेल कॉपी मांग की। ज्ञात हो कि इससे पहले भी रिवरफ्रंट के कार्य को लेकर अनियमितता बढ़तने के गतिविधियों पर कई तरह के सवाल खड़े हो चुके हैं।

उक्त मामले को लेकर को पूर्व में भी कांग्रेस विधायक दल के नेता के द्वारा मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री को पत्र लिखकर कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया था। लेकिन उसके बावजूद भी उक्त दिशा में कार्य करने वाले कांट्रेक्टर व चिन्हित कम्पनी के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की दिशा में अबतक कोई दिशा निर्देश नहीं मिल सका है।

# नवगछिया के गोपालपुर थाना पहुंची ईडी की टीम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत गोपालपुर थाना क्षेत्र के तीनटंगा गांव के कुख्यात अपराधी अखिलेश यादव के रिश्तेदारों के घर ईडी की टीम आ धमकी। जहां टीम पिछले 10 घंटो से ज्यादा समय तक अखिलेश यादव के रिश्तेदार से पूछताछ की। ज्ञात हो कि ईडी टीम ने कुछ दिनों पूर्व हीं अखिलेश यादव के घर से 2 करोड़ 8 लाख की संपत्ति जब्त की थी, जो सरकारी मापदंडों के आधारित पर चल रही कार्रवाई के तहत है।

बताया जा रहा है कि उनके घर से ईडी की टीम द्वारा चल और अचल संपत्तियों की कुल संख्या 29 जगहों पर दबिश देकर जब्त करने के साथ कार्रवाई की है। इसमें गोपालपुर में एक दर्जन से अधिक जमीन के प्लॉट और कुछ मकान शामिल हैं। आसपास के इलाकों में भी इनके जमीन के प्लॉट मौजूदा समय में मिलने की

बात सामने आयी हैं। वही प्राप्त जानकारी के मुताबिक इसमें से ज्यादातर सभी संपत्तियां अपराधिक गतिविधि के जरिए ही बनाई गयी है। इस वजह से ईडी की टीम ने अपराधी अखिलेश यादव के विरुद्ध करवाई करते हुए संपत्ति जब्ती की कार्रवाई की है। वही ताजा जानकारी के तहत अब ईडी टीम ने एक बार फिर से अखिलेश यादव पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिसको लेकर विगत सोमवार से गोपालपुर थाना में ईडी के द्वारा अखिलेश यादव के रिश्तेदारों से घंटो से पूछताछ कर रही है।

# गलोरियस कंपनी के द्वारा सुप्रिया रंजन को ब्रांड एंबेसडर से किया पुरुष्कृत

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज प्रखंड के नवादा पंचायत स्थित नवादा गाँव के सुप्रिया रंजन को गलोरियस इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ब्रांड एंबेसडर का पुरस्कार देकर पुरस्कृत किये जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि पुर्व में भी साल 2010 में गलोरियस मिस इंडिया वर्ल्ड का भी पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया था, जो सुप्रिया रंजन गलोरियस इंटरटेनमेंट प्राइवेट कंपनी के द्वारा ब्रांड एंबेसडर का पुरस्कार मिलने पर पूरे प्रखंड सहित नवादा पंचायत के नवादा गाँव में खुशी का माहौल देखी जा रही हैं। वही मामले को लेकर कोई नवादा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रभाकर मंडल, सरपंच ममता देवी, जन संसद के संगरक्षक अजीत कुमार, पुर्व लोजपा प्रखंड अध्यक्ष नीरज पासवान

ने सुप्रिया रंजन को गलोरियस कंपनी के द्वारा ब्रांड एंबेसडर का पुरस्कार मिलने के बाद उनका सम्मान सह स्वागत करने की दिशा में सुप्रिया रंजन को बुके देकर स्वागत करते हुए बधाई दी।

साथ ही सभी लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिए। इस दौरान नवादा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रभाकर मंडल ने कहा कि सुप्रिया रंजन को कंपनी के द्वारा ब्रांड एमेस्टर का पुरस्कार मिला है, इसी कड़ी में नवादा गाँव के साथ साथ पूरे प्रखंड का नाम देश में रोशन करे ये कामना लिये आशीर्वाद के साथ शुभकामनाएं व बधाई देते हैं, वही बिहार सरकार के द्वारा बेटी बचाअ व बेटी पढ़ाओ के अभियान के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार का यह संदेश का परिणाम आज सुप्रिया रंजन ने कर दिखाई है, और समाज एंव देश का नाम रोशन करने की बात कही। इस दौरान सुप्रिया रंजन ने मिडिया को बताया कि विगत 9 अप्रैल को पटना के एबीआर होटल राजा बाजार में गलोरियस इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के डारेक्टर अंजु कुमारी, जज अर्जुन यादव, प्रभात रंजन, डॉक्टर राजेश मेहता के द्वारा ब्रांड एंबेसडर का पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया है जो कंपनी द्वारा मुझे ब्रांड एंबेसडर का पुरस्कार देने पर यह श्रेय कंपनी के सभी जजमेंट को दिया है, और आगे का लक्ष्य के सवाल पर कहा कि अच्छा चांस मिलेगा तो और बेहतर करने की बात कही है।

# स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर से लैब टेक्नीशियन की हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सनहौला चौक स्थित मुख्य सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार स्कार्पियो की चपेट में आ जाने पर एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान 31 वर्षीय मो. आसिफ के रूप में बतायी जा रही हैं। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मृतक युवक सनहौला स्थित एक निजी नर्सिंग होम में लैब टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत थे। जहां से निकल कर वह पैदल अपने नर्सिंग होम से घर की ओर जा रहे थे, तभी बेलगाम स्कॉर्पियो ने उसे जोरदार टक्कर मार मौके से वाहन चालक स्कार्पियो लेकर फरार होने में सफल रहा है, वही घटनास्थल पर टेक्नीशियन बुरी तरह से जख्मी व घायल हो सड़क पर गिरा हुआ पड़ा रहा, वही मौजूद आसपास के लोगों ने घटना को देखते ही त्वरित इलाज के लिए उसे जख्मी हालत में उठा कर आनन-फानन

में मायागंज अस्पताल ले जाया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने इलाज के क्रम में उसे मृत घोषित कर दिया। वही घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में परिजन का तांता लग गया। वही घटना से आहत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए नवलखा लेजाया गया। जहां पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतक के अंतिम मिट्टी प्रक्रिया पूरी करने को लेकर शव परिजनों को सौप दिया।

# दीक्षांत समारोह में शिरकत करने राज्यपाल पहुंचेंगे भागलपुर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू में आगामी 26 अप्रैल को दीक्षांत समारोह का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में बिहार के महामहिम राज्यपाल करेंगे शिरकत महामहिम राज्यपाल के आगमन के साथ टीएमबीयू के सभी डिग्री धारकों को उनके द्वारा प्रमाण पत्र व डिग्रियां छात्र छात्राओं को देकर सम्मानित किया जाना है। उक्त कार्यक्रम को लेकर टीएमबीयू के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

महामहिम के आगमन को लेकर सिटी एसपी अमित रंजन ने बताया कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई पहलुओं पर हम लोगों ने तैयारियां कर रखी है। सभी तरह के पुलिस फोर्स तैनात रहेंगे, जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जाएगी।

राज्यपाल के हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है। गौरतलब हो कि 26 अप्रैल को महामहिम राज्यपाल के आगमन से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आदेश जारी कर दिया है कि जितने भी डिग्री धारक छात्र हैं जिन्हें राज्यपाल से प्रमाण पत्र मिलना है वह 10:00 बजे से पहले कार्यक्रम प्रशाल में पहुंचकर उपस्थित रहें अन्यथा विलंब होने पर उन्हें एंट्री नहीं कार्यक्रम में नही मिलेगी।

# भाजपा सरकार भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के नक्शे कदम पर चल रही है

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने 24 अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर संग्रामपुर लोकल कमेटी के नेतृत्व में जुलूस निकाला। जुलूस में किसान मजदूर महिलाओं की भागीदारी बड़ी तादाद में थी। जुलूस का नेतृत्व लोकल कमेटी सचिव रंजीत राम, सुधीर यादव, अर्जुन पाल, केदार पंडित, नारायण यादव संयुक्त रूप से कर रहे थे।

जुलूस थाना चौक से शुरू कर संग्रामपुर बाजार के सभी प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए कल्याणी बैंकट हॉल में पहुंचकर जनसभा में तब्दील हो गई। महिला, बुजुर्ग, किसान, नौजवान, बच्चे सभी अपने हाथों में लाल फटाके लिए गगनभेदी नारे लगा रहे थे। 24 अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस जिंदाबाद-सर्वहारा के महान नेता कामरेड शिवदास घोष लाल सलाम-संप्रदायिकता का जहर घोलना नहीं चलेगा-महंगाई पर रोक लगाओ।आदि नारे लगा रहे थे। सभा की अध्यक्षता किसान नेता भरत मंडल कर

रहे थे। सभा की शुरूआत कामरेड शिवदास घोष के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। भरत मंडल अपने अध्यक्षीय भाषण में चर्चा करते हुए कहा सर्वहारा के महान नेता कामरेड शिवदास घोष ने 24 अप्रैल 1948 को इसकी स्थापना की थी और आजीवन इसे सीचा था। सभा को संबोधित करते हुए एस यू सी आई के जिला सचिव व राज्य कमेटी सदस्य कामरेड कृष्ण देव साह ने बताया कि 1947 में राजनीतिक रूप से देश आजाद हो गया, लेकिन शोषण जुल्म खत्म नहीं हुआ, शोषण से जनमुक्ति का सपना पूरा नहीं हुआ। राज्य की बागडोर अंग्रेजी साम्राज्य वादियों के हाथों से निकलकर भारतीय पूंजी पतियों के हाथों में आ गई।

उन्होंने कहा 24 अप्रैल हमारे जीवन में एक ऐतिहासिक महत्व का दिन है। देश के आम लोग आज बड़े कठिन दौर से गुजर रहे हैं, भाजपा सरकार भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के नक्शे कदम पर चलते हुए जनविरोधी नीतियां ला रही हैं जिससे जनजीवन तबाही के कगार पर है। महंगाई बेरोजगारी आसमान छू रही है, इंधन, तेल, रसोई गैस शहीद दैनिक जरूरत की सभी चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ जाने से लोगों का जीवन दूभर हो गया है। श्री साह ने कहां महिलाओं से बलात्कार गैंगरेप हत्या जैसे जघन्य कांड लोगों का सुख चैन छीन लिया है। संप्रदायिकता जात पात धार्मिक उन्माद भड़का कर लोगों की एकता को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। ऐसे में सच्चा वामपंथ व बाम एकता निहायत जरूरी है। सभा के मुख्य वक्ता राज्य कमेटी सदस्य व एआईटईयूसई के राज्य अध्यक्ष कामरेड प्रमोद मंडल ने कहा महान नेता कामरेड शिवदास घोष ने दशार्या था कि केवल जन आंदोलन ही बचने का एकमात्र रास्ता है। इसी रास्ते एक दिन पूंजीवाद विरोधी समाजवादी क्रांति करके ही तमाम तरह के शोषण मुक्त नए समाज का निर्माण किया जा सकता है।सभा में उपस्थित कामरेड उत्तम दास, सुशीला देवी, सुधीर मंडल, गंगा मंडल, संतोष दास, सच्चिदानंद मंडल, बाल्मीकि मांझी, सिंटू कुमार, विनोद मंडल, छबीला ताती, मंटू यादव, कपिल देव यादव इत्यादि शामिल थे।

# महावीर एलेवन बांका ने दुगार्पुर को 7 विकेट से पराजित कर कप पर किया कब्जा

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर मुंगेर। केसीसी कुआंगढी खेल मैदान पर क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला का उद्घाटन बलिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि राहुल कुमार ने फीता काटकर किया ।फाइनल मुकाबला महावीर एलेवन बांका और दुगार्पुर के बीच खेला गया।महावीर एलेवन ने दुगार्पुर को 7 विकेट से हराकर कप पर कब्जा किया।दुगार्पुर के कप्तान शिवम कुमार ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया 16 ओवर के खेल में 9 विकेट खोकर 185 रन बनाए वहीं जवाब में उतरे महावीर एलेवन बांका टीम के कप्तान बंटी झा के टीम ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 3 विकेट खोकर 186 रन बनाकर कप पर कब्जा कर लिया। महावीर एलेवन के खिलाड़ी प्रेम कुमार ने 2 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए प्रेम कुमार को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया विजेता

और उप विजेता टीम को तारापुर विधायक राजीव सिंह ,बलिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ललन सिंह,सरपंच प्रतिनिधि राहुल कुमार के द्वारा संयुक्त रुप से कप का वितरण किया गया।विजेता टीम को कप के साथ 16 हजार एवं उप विजेता टीम को 8 हजार रुपये की नगद राशि दिया गया खेल का आंखों देखा हाल बिहार के चर्चित कमेंटेटर पीएन शेखर कर रहे थे तो एम्पायर की भूमिका में निलेश कुमार, सौरभ कुमार कर रहे थे।खेल का आयोजन केसीसी कुंआगढ़ी के सौरभ संतोष सोनू आदि थे।

# जय जय परशुराम के नारों से गुंजा शहर, निकली भव्य शोभा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । ब्रह्मशक्ति की ओर से भगवान परशुराम जन्म उत्सव और अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का चूनापुर घाट शिव मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए शहर के रंगभूमि मैदान बजरंगबली प्रांगण में समापन किया गया। इस मौके पर ब्रह्मशक्ति परिवार के सदस्य अहले सुबह से मंदिर परिसर चूनापुर मे जुटना शुरू हो गय

थे। श्रद्धालु ब्रह्मशक्ति के टी शर्ट और सिर पर साफा और चंदन रूपी से शहर मे मार्च करते हुए पहुंचे इस दौरान विशाल और सजे धजे रूप मे कई झाकियां एवम घोड़े आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। शहर से गुजरने के क्रम में परशुराम प्रेमी को देखने के लिए बहुत बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस आयोजन को चार चांद लगाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए राजन तिवारी (पूर्व विधायक), आलोक रंजन झा (पूर्व मंत्री बिहार सरकार), गजेंद्र झा ( प्रखर हिंदूवादी नेता) संजीव मिश्रा, विक्रम झा ने समा बांध दी। इस आयोजन को सफल बनाने में लगे जिला उपाध्यक्ष दिलखुश झा ने बताया कि इस शोभा यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से संस्था के सदस्यों के द्वारा तैयारी की गई थी। उन्होंने बताया कि इस शोभा यात्रा में युवा सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में पिंटू मिश्रा, कन्हैया झा, रोशन पाठक, विनोद ठाकुर, ललित मिश्रा ने अहम भूमिका निभाई। शोभा यात्रा में विशिष्ठ अतिथियों में पूर्णिया मेयर विभा कुमारी, समाजसेवी जितेंद्र यादव, विश्वजीत झा, एसएम झा एवं अन्य गण्यमान्यों की मौजूदगी रही।

# वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ होगा यज्ञोपवीत संस्कार

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ धमदाहा । धमदाहा प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के बिशनपुर पंचायत के जाने माने हजारों युवाओं के दिलों पर राज करने वाले नवनीत पाठक एवं उनके छोटे छोटे भाई अब यज्ञोपवीत संस्कार में बंधने जा रहे हैं।

आपको बता दें कि जनेऊ यानी यज्ञोपवीत संस्कार हिंदू धर्म में ब्राह्मण कुल में इसे विशेष संस्कार माना जाता है। इसे धारण करने की परंपरा सदियों से यूं ही चली आ रही है। इसे उपनयन संस्कार भी कहा जाता है। उपनयन का अर्थ है पास या सन्निकट ले जाना यानी ईश्वर और ज्ञान के पास ले जाना। पंडित मधुकांत मिश्र ने बताया कि सनातन परंपरा के 24 संस्कारों में ह्यउपनयनह्ण संस्कार का बहुत महत्व है। यह संस्कार अमूमन 10 साल से कम उम्र के बालकों का करवाया जाता है।

**यज्ञोपवीत संस्कार और इसका धार्मिक महत्व :** यज्ञोपवीत संस्कार प्रारम्भ करने के पूर्व यज्ञोपवीत होने वाले का मुंडन करवाया जाता है। यज्ञोपवीत संस्कार के मुहूर्त के दिन बरुआ को स्नान करवाकर उसके सिर और शरीर पर चंदन केसर का लेप करते हैं और जनेऊ पहनाकर ब्रह्मचारी बनाते हैं। फिर

हवन करते हैं। विधिपूर्वक गणेश आदि देवताओं का पूजन, यज्ञवेदी एवं बालक को अधोवस्त्र के साथ माला पहनाकर बैठाया जाता है। इसके बाद दस बार गायत्री मंत्र से अभिमंत्रित करके देवताओं के आह्वान के साथ उससे शास्त्र शिक्षा और व्रतों के पालन का वचन लिया जाता है। गुरु मंत्र सुनाकर कहता है कि आज से तू अब ब्राह्मण हुआ अर्थात ब्रह्म (सिर्फ ईश्वर को मानने वाला) को माने वाला हुआ। इसके बाद मृगछाल जनेऊ के तरह धारण एवं मुंज (मेखला) का कंदोरा बांधते हैं और एक दंड हाथ में दे देते हैं। तत्पश्चात वह बालक अपने माता एवं कार्यस्थल पर उपस्थित लोगों से भिक्षा मांगता है।

**जनेऊ धारण करने का आध्यात्मिक महत्व:** तीन धागे वाले जनेऊ धारण करने वाले व्यक्ति को आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करना होता है। जनेऊ के तीन धागे को देवऋण, पितृऋण और ऋषिऋण का प्रतीक माना जाता है। इसे सत्व, रज और तम और तीन आश्रमों का भी प्रतीक माना जाता है। विवाहित व्यक्ति या फिर कहें गृहस्थ व्यक्ति के लिए छह धागों वाला जनेऊ होता है।

इन छह धागों में से तीन धागे स्वयं के और तीन धागे पत्नी के लिए माने जाते हैं। हिंदू धर्म में किसी भी धार्मिक या मांगलिक कार्य आदि करने के पूर्व जनेऊ धारण करना जरूरी है। बगैर जनेऊ के किसी भी हिंदू व्यक्ति का विवाह संस्कार नहीं होता है।नवनीत पाठक अंश कुमार, रक्षित कुमार, डिक्कू कुमार ने उपनयन संस्कार से पूर्व यानी आज बसकट्टी का कार्यक्रम को सम्पन्न हुई 30 अप्रैल के संध्या में जुटका बंधन का कार्य होगा, 1 मई को सभी बरुआ यज्ञोपवीत संस्कार में बंध जाएंगे।

# उद्यमिता को बढाने हेतु पूर्णिया में आरंभ होगा स्टार्टअप अभियान : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । पूर्णिया के जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में उद्योग विभाग एवं कृषि टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन समाहरणालय सभा कक्ष में की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कृषि एवं उद्योग के क्षेत्र में बढ़ावा देने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप पूर्णिया अभियान आरंभ होगा। नये उद्यमियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित। पूर्णिया को प्रोडक्शन हब बनाने का होगा यह

अभियान। कृषि एवं उद्योग के क्षेत्र में नये सोच के साथ पदाधिकारियों को कार्य करने का दिया निर्देश दिया गया। टैक्सटाईल, फूटवेयर इत्यादि उद्योग एवं खाद्य प्रस्संकरण व्यवसाय के उद्देश्य से जो भी उद्यमी ईकाई लगाना चाहते हैं, वह अपने आईडिया को ईमेल आईडी एवं वाट्सएप्प नं 8539821411 पर साझा कर सकते हैं। डीएम ने कहा कि मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मार्केटिंग बढ़ने के लिए प्रयास होगा। एप्पल, एप्पल बेरी, रेड-लेडी, संतरा, अनानास, स्ट्रॉबेरी, गेंदा आदि जैसे हाई-वेल्यू फसल की खेती को बढ़ावा देने के लिए जिला कृषि पदाधिकारी को कहा गया। राईपनिंग चेम्बर सहित कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे कमाया जाय तथा पूर्णिया में हो रहे फलों एवं सब्जियों की खेती का उपयोग व्यापार के क्षेत्र में कैसे किया जाय उक्त को ध्यान में रखकर किया जाएगा प्रयास तथा प्राईमरी प्रोसेसिंग का लक्ष्य बनाकर प्लानिंग के तहत किया जाएगा कार्य। सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं/सब्सिडि से फल, सब्जी एवं हाई-वेल्यू फसल की खेती एवं व्यवसाय में संलिप्त लोगों को दी जायेगी जानकारी तथा संबंधित किसानों को आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हुए खेती एवं व्यवसाय को और किया जाएगा बेहतर। पूर्णिया में मक्का की फसल के बढ़ते उत्पादन के मद्देनजर मक्का को ग्लोबल सप्लाई चैन से जोड़ते हुए प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु कार्य-योजना तैयार करने की बात डीएम ने कही।

ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों का सर्टिफिकेशन कराने हेतु कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त साहिला, अपर समाहर्ता के.डी. प्रौज्ज्वल, डी.आर.डी.ए. निदेशक, नीरज नारायण पाण्डय, जिला कृषि पदाधिकारी, सुधीर कुमार एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

# लीकेज गैस टंकी मे लगी आग बड़ी दुर्घटना होने से बाल बाल बचा परिवार

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। ब्रह्म शीला गैस एजेंसी हवेली खड़गपुर के लापरवाही से खड़गपुर थाना क्षेत्र के खंड बिहारी गांव में एक बड़ी घटना के घटने से बच गया। बताया जाता है कि खड़गपुर थाना क्षेत्र के खंड बिहारी गांव में उजाला योजना के तहत दिए गए गैस कनेक्शन उपभोक्ता प्रेमलता देवी पति सदानंद झा होम डिलीवरी गाड़ी से एक सिलेंडर प्राप्त करने के बाद गत रविवार को उक्त सिलेंडर को चूल्हा से जोड़ा गया और लाइटर से चेक करने पर गैस सिलेंडर के लीकेज होने के कारण आग लग गई। जिससे कि उपभोक्ता का किचन में रखा फ्रिज पानी का फिल्टर एवं अन्य सामान जलकर राख हो गया हैं। इस घटना में करीब उपभोक्ता को एक लाख की क्षति पहुंचा है।

घटना की सूचना अग्निशामक विभाग को फोन कर दिया गया अग्निशामक विभाग ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाया। इस घटना में उपभोक्ता के पुत्र राजीव रंजन झा हल्का झुलस गया है। जिसका इलाज कराया जा रहा है। उपभोक्ता ने गैस एजेंसी के प्रोपराइटर को इस घटना की सूचना मोबाइल फोन से दिया है तत्काल प्रोपराइटर ने गैस टंकी को बदलकर दूसरा गैस टंकी उपलब्ध करा दिया है।

## संक्षिप्त खबरें

### वाहन दुर्घटना मृत्क आश्रित को तुरंत मुआवजा देने के निर्देश

गया।हिट एंड रन वाहन दुर्घटना के मामलों में सिर्फ व्यक्ति एवं उनके आश्रितों को मुआवजा भुगतान की कार्रवाई की समीक्षा हेतु मंगलवार को मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित किया गया है जिसमें सभी जिलों को निर्देश दिया गया कि मोटर यान अधिनियम की धारा 161 (3) के तहत सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 163 ए दिनांक 11.8.2022 द्वारा एक्सीडेंटल इंश्योरेंस काउंसिल के द्वारा सीधे बैंक खाते में दो लाख रुपए एवं गंभीर रूप से घायल की स्थिति में पचास हजार रुपए दिया जाएगा और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक आश्रित का भुगतान किया जाए। वही स्क्रैप पॉलिसी के तहत 15 वर्ष पुरानी सरकारी वाहनों को रद्द किया जाना है जिला स्तर पर समीक्षा कर 15 वर्ष पुरानी सरकारी वाहनों को सूचीबद्ध करते हुए रद्द किया जाए, इसके परिचालन में पुर्णत प्रतिबंध।

### वेतन कटौती का आदेश

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे सात सुनील कुमार सिंह ने पोथु थाना कांड संख्या 81/21 सत्रवाद संख्या 191/22 में सुनवाई करते हुए एक प्रतिवेदन लम्बित रहने पर पोथु थाना प्रभारी को न्यायिक आदेश के अवहेलना के दोषी मानते हुए पांच हजार रुपए वेतन कटौती का आदेश दिया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इस वाद में जप्त बाईक और मोबाइल के विमुक्ति हेतु अगस्त 2022 से प्रतिवेदन न्यायालय में लम्बित है मांग पत्र 31 अगस्त 2022 को भेजीं गई था। कारण पृच्छा 30/01/23 को भेजी गई थी परन्तु आज तक न्यायालय में प्रतिवेदन अप्राप्त है। वेतन कटौती के आदेश का कोपी आरक्षी अधीक्षक एवं कोषागार पदाधिकारी औरंगाबाद को भेजा जा रहा है।

### अफेयर्स ने पटना में की एडमिशन्स फेयर की घोषणा

पटना। अफेयर्स, जो कि एक लीडिंग ग्लोबल एजुकेशन फेयर के आयोजक में से है, अब 26-27 अप्रैल, 2023 को पटना के लेमन ट्री प्रीमियर में अपने इस बहुप्रतिष्ठित एडमिशंस फेयर की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। अध्ययन से सम्बंधित विकल्प तलाशने और टॉप इंडियन यूनिवर्सिटीज एवं कॉलेजों के साथ जुड़ने के इच्छुक छात्रों के लिए यह कार्यक्रम अपनी तरह के एक अनूठे एक्सपीरियंस का वादा करता है।यह एडमिशंस फेयर भारत में हायर एजुकेशन के भविष्य को शोकेस करेगा, जिससे छात्रों को इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, आईटी, मेडिसिन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कोर्सेज को एक्स्प्लोर करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही वह एमिटी यूनिवर्सिटी (पटना), मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, एसआरएम यूनिवर्सिटी (दिल्ली एनसीआर, सोनीपत), मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, एसआरएमयूनिवर्सिटी (रामापुरम),आरवी यूनिवर्सिटी, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी (रायगढ़), शारदा यूनिवर्सिटी, आचार्य, एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी सहित कई अन्य भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के यूनिवर्सिटी हेड्स और एडमिशन डायरेक्टर्स से सीधे बातचीत भी कर सकते हैं। साथ ही यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां छात्र अपनी शंकाओं को दूर कर एडमिशन प्रोसीजर, कोर्सेज तथा और भी बहुत कुछ पर बहुमूल्य जानकारी एकत्र कर सकते हैं।

### फ्लाईट ने लॉन्च किया नया टीवी विज्ञापन सर उठा कदम बढ़ा

पटना। हममें से ज्यादातर लोग अपने जीवन के लिए वहीं रास्ता चुनते हैं जिसे अक्सर चुना जाता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं तो दुनिया की बातों की परवाह न करते हुए अपने मन की आवाज सुनते हैं और अपने चुने रास्ते पर चलकर कामयाबी हासिल करते हैं। फ्लाईट का नया टीवी विज्ञापन- सर उठा, कदम बढ़ा- उस भावना पर आधारित है जो हम सभी के भीतर गहराई से बसी है। यह विज्ञापन हमारे भीतर छिपी इस भावना के साथ हमें जोड़ता है। गौरव दुआ, एक्जक्टिव डायरेक्टर (सेल्स एण्ड मार्केटिंग), रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड ने कहा, इस विज्ञापन के माध्यम से ब्राण्ड फ्लाईट एक व्यक्ति की उन भावनाओं पर रोशनी डाल रहा है, जो अपने सपने साकार करने की मुश्किल यात्रा के दौरान उसके मन में आती है। यह बताता है कि कैसे लीक से हटकर रास्ता चुनने पर हमसे जुड़े लोग हमारा साथ नहीं देते। ह्यसर उठा, कदम बढ़ा, विज्ञापन ऐसे ही एक व्यक्ति की यात्रा को दशार्ता है जो आलोचकों का डटकर मुकाबला करते हुए अपना रास्ता खुद बनाता है और फिर मशहूर वरूण ग्रोवर बन जाता है। ब्राण्ड फ्लाईट उनकी उपलब्धि को सलाम करता है, जिन्होंने सपना देखने का साहस रखा और और सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की।पारितोश श्रीवास्तव, सीईओ, एल एण्ड के सातची एण्ड सातची ने कहा, फ्लाईट हमेशा से उपभोक्ताओं के जीवन का सच्चा साथी रहा है और मार्केट लीडर के रूप में स्थापित हो चुका है।

# छात्रों की समस्याओं को लेकर अभाविप ने मगध विवि कुलपति को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद, गयाजी का एक शिष्टमंडल मगध विश्विद्यालय कुलपति शशि प्रताप साही से मुलाकात कर छात्र हित के मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। इस शिष्टमंडल में विभाग संगठन मंत्री पशुपतिनाथ उपमन्यु, प्रदेश सह-मंत्री सूरज सिंह, विभाग संयोजक प्रवीण यादव,जिला संयोजक राजीव रंजन कुमार,प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सुबोध पाठक,धिरज केसरी,महानगर मंत्री मैक्स अवस्थी एवं बोधगया नगर मंत्री अभिषेक आर्य मौजूद थे।

अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के जिला संयोजक राजीव रंजन कुमार ने कहां कि विश्वविद्यालय वोकेशनल कोर्स एवं प्रोफेशनल कोर्स को लेकर पूरी तरह दोहरी नीति अपना रही थी। आज वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्स का एक सेशन जीरो हो गया है परन्तु अभी तक इसकी नामांकन प्रकिया प्रारम्भ नही हुई जो निंदनीय है। अगर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्स (मास्टर एवं बैचलर) कि नामांकन एवं पढ़ाई कि जल्द शुरूआत नही होती है तो अभाविप विश्वविद्यालय को बंद करने का कार्य करेगी साथ ही साथ वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्स के परिक्षा,परिणाम और नामांकन के लिए एक अलग सेल का गठन विश्वविद्यालय में किया जाए जो सही समय पर वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्स का कार्य करें, जिससे छात्र-छात्राओ कि समस्याओ का निदान हो। निगरानी द्वारा आरोपित मगध विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शिक्षको पर विश्वविद्यालय नियमानुसार कार्रवाई की जाए। गया महानगर मंत्री मैक्स अवस्थी ने कुलपति महोदय से कहां कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में वूमेन सेल, स्टूडेंट ग्रीवेंस सेल,प्लेसमेंट सेल का गठन कराया जाए जिससे कि छात्रों का भविष्य जो बर्बाद हो रहा उसे बचाया जाए एवं छात्र-छात्राएं अपनी समस्या सेल के समक्ष रखे जिसका निष्पादन हो। अगर ऐसा नही होता है तो अभाविप इसका विरोध करेगी। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना एवं खेलकूद के विभाग कि जो दयनीय स्थिति है उसे सुधारने हेतु अभिलंब कठोर कदम उठाया जाए। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं खेलकूद के छात्र-छात्राएं मगध विश्वविद्यालय का परचम पूरे राष्ट्र में लहरा रहे थे। जो की आज दयनीय स्थिति के कारण इन विभागों के छात्रों का स्थिति गिरता जा रहा है। जो विश्वविद्यालय के लिए शर्म कि बात है।कुलपति महोदय ने पूर्व में 1 मैन - 1 पोस्ट लागू करने कि बात कही थी जो अभी तक लागू नही होना एक सवाल उठाता है। इसे जल्द लागू किया जाए। महाविद्यालयों में शैक्षणिक संकट चरम सीमा पर है अगर इसे जल्द नही सुधारा जाएगा तो बड़े पैमाने पर छात्र छात्राओं का पलायन होगा जिससे विश्वविद्यालय बंद होने के कारेगार पर आ जाएगा।

वही बोधगया नगर मंत्री अभिषेक आर्य ने कुलपति महोदय के समक्ष मगध विश्वविद्यालय कैंपस में संचालित टइअ- क्ष कि मान्यता कि जांच कराई जाने कि मांग कि है साथ ही साथ इस विभाग में जो अनियमिता है उसे दुर किया जाए उसके लिए कठोर कदम उठाए जाने कि मांग कि है। आर्या ने कहा कि छात्र छात्राओं को डिग्री प्राप्त होने में जो समस्याएं हो रही है उसे जल्द दूर किया जाए एवं छात्र छात्राओं को डिग्री प्राप्त करने में क्या समस्या है इसके पीछे क्या वजह है उसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाए। परीक्षा प्रपत्र भरने के नाम पर मगध विश्वविद्यालय के सरकारी कॉलेज एवं गैर सरकारी कॉलेजों के प्राचार्य द्वारा मनमानी शुल्क लिया जा रहा है साथ ही साथ मगध विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में दलाली चरम सीमा पर पहुंच गई है इसकी जांच कर सभी दोषियों पर कार्रवाई की जाए साथ ही विश्वविद्यालय कैंपस एवं महाविद्यालय कैंपस में दैनिक दर पर कार्यरत कर्मियों को बिहार सरकार से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी को कठोरता से लागू कराया जाए जिससे कि गरीब कर्मचारियों के साथ न्याय हो। विश्वविद्यालय जल्द से जल्द स्नातक,स्नातकोत्तर एवं प्रोफेशनल- वोकेशनल कोर्स कि कक्षा संचालित करे साथ ही विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओ के साथ एक छात्र सम्वाद आयोजित करायें।इन सभी मुद्दो को गम्भीरतापूर्वक लेते हुए कुलपति महोदय डॉ प्रोफेशनल शशि प्रताप शाही ने कहां कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जो छात्र संवाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करने की मांग की है वह पूर्णता जायज है दो जून को छात्र संवाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जाएगा जिसमें छात्र-छात्राएं,कर्मचारी, शिक्षक शामिल होंगे और छात्रों से सीधा संवाद कर उनके समस्याओं को दूर कैसे किया जाए और उनकी समस्या क्या है उसे जानेगे और उसे दूर करने हेतु छात्र-छात्राओ से उनका राय जानेगे और उसे दूर करने के लिए कार्य करेगे। वही अभाविप ने वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्स के नामांकन लेने कि मांग को गंभीरता से लेते हुए इसी माह से पूर्व कि भाति नामांकन लिया जाएगा, स्टूडेंट ग्रीवेंस सेल, प्लेसमेंट सेल एवं वूमेन सेल के गठन हेतु छात्र कल्याण अध्यक्ष महोदय को निर्देश दिया जाएगा एवं जल्द इनकी गठन किया जाएगा।

## विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व मलेरिया दिवस पर मलेरिया विभाग, सदर अस्पताल कैंपस, आरा के द्वारा एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।जेल रोड स्थित अमीरचंद बालिका मध्य विद्यालय में इस रैली का उद्घाटन एसीएमओ, भोजपुर डॉ के एन सिन्हा ने फीता काटकर किया। साथ में थे डैम अश्विनी एवं डीपीएम रवि रंजन उद्घाटन के समय विद्यालय शिक्षिका मधुलिका पांडे के द्वारा एक पुस्तक "स्वयं की आवाज" सिविल सर्जन डॉक्टर सुरेश प्रसाद सिंह एवं एसीएमओ डॉ कें एन सिन्हा के लिए दिया गया। इसके बाद डॉ के एन सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रैली के प्रचार गाड़ी को रवाना किया, जिसके पीछे सैकड़ों छात्राएं रैली में शामिल हुई। यह रैली मलेरिया के बारे में प्रचार करते हुए विद्यालय से जेल रोड, बाजार होते हुए सदर अस्पताल ,आरा के जीएनएम भवन के पास पहुंची। जहां छात्राओं ने नारा लगाया कि" मलेरिया को भागाएंगे, समाज को बचाएंगे"। डॉ कें एन सिन्हा ने मलेरिया के बारे में बताते हुए कहा कि मलेरिया बुखार ,साधारण बुखार से लेकर जानलेवा तक हो सकता है, जब ये दिमाग को पकड़ता है और दिमागी मलेरिया हो जाता है। इस बीमारी से बचने के लिए अपने घर के आस-पास एवं घर में कहीं भी पानी नहीं जमने देना चाहिए, जैसे गढ़ों में या घर के भीतर कूलर, गमलों में। जमे पानी पर किरासन तेल का छिड़काव करना चाहिए। रात में मछरदानी लगा कर सोना चाहिए एवं बाहर निकलने पर मच्छर वाले क्षेत्र में मच्छर निरोधक मलहम ,ओडोमोज लगाना चाहिए। घर मैं अक्सर एंटी मॉस्किटो स्प्रे करना चाहिए। खतरनाक रूप में मलेरिया होने पर शरीर का असंख्य लाल रक्त कण टूट जाते है एवं जौंडिस और सिंकॉप अटैक से खतरा की संभावना रहती है। अतः सभी लोगों को मलेरिया के प्रति जागरूक होना चाहिए और सफाई पर ध्यान देना चाहिए ।इस रैली में मलेरिया विभाग के वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी रिचा कुमारी, प्रियंका जी, विनय जी, अमित पटेल ,चंदन जी ,संतोष जी आदि सभी मलेरिया फलेरिया के कर्मचारियों का सहयोग रहा । अन्य उपस्थित लोगों में थे विनोद कुमार ,दीपक कुमार, गार्ड सत्येंद्र कुमार ,बड़क एवं निक्कू जी आदि।

## पृथ्वी दिवस पर स्कूल में हुए कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

गया।पृथ्वी दिवस सप्ताह के अंतर्गत दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के जियोलॉजी भूविज्ञान विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने जूनियर हाई स्कूल नेपा में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया है जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) ने बताया कि भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल सिंह के नेतृत्व में विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. के. मिलनकुमार शर्मा सह प्राध्यापक, डॉ. प्रीति राय सहायक प्राध्यापक और डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक ने एमएससी के छात्रों के साथ स्कूल का दौरा किया और विश्व पृथ्वी दिवस 2023 मनाया गया। सीयूएसबी की टीम ने स्कूली बच्चों को पृथ्वी और उसके संसाधनों के महत्व के बारे में बताते हुए इसके संसाधनों को सुरक्षित रखने के उपाय बताए गए हैं । आगे स्कूल के बच्चों को पृथ्वी दिवस समारोह और 'हमारे ग्रह में निवेश' के थीम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई है। डॉ. शर्मा ने बच्चों को बताया कि पेड़ लगाना स्वस्थ पर्यावरण बनाने और जल, भूमि और पर्यावरण जैसे पृथ्वी के संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए सबसे प्रभावी तरीका है। छात्रों को पृथ्वी को बचाने के लिए अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया है। वहीं बच्चों को पृथ्वी के खनिजों, अयस्कों, चट्टानों, जीवाश्मों आदि के संदर्भ में भूवैज्ञानिक संसाधनों के बारे भी बताया गया है ।

इस अभियान के तहत स्कूल के परिसर में भूवैज्ञानिक मॉडल और चट्टान, अयस्क और जीवाश्म के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं।भूविज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने नेपा स्कूल के छात्रों और शिक्षकों को सीयूएसबी के भूवैज्ञानिक प्रयोगशाला का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अंत में स्कूल के शिक्षक श्री राजेंद्र शर्मा ने सीयूएसबी की टीम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम को समाप्त किया गया है।

## डॉ.जनार्दन मिश्र को मिला सम्मान, काठमांडू नेपाल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। चर्चित कवि कथाकार एवम् उपन्यासकार डॉ जनार्दन मिश्र का हार्दिक स्वागत नेपाल की शस्य श्यामली उर्वर धरती काठमांडू में शैली साहित्य समाज नेपाल के तत्वावधान में साहित्यकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । संदर्भित प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय संस्था के विद्वान अध्यक्ष डॉ मंजूश्री प्रधान एवम् त्रिभुवन विश्विद्यालय , काठमांडू के वरिष्ठ हिंदी और संस्कृत के प्रोफेसर डॉ पूनम झा ने डॉ मिश्र के कृतित्व और व्यक्तित्व पर विस्तार से संदर्भित सम्मान संगोष्ठी में कहा कि जनार्दन मिश्र का समस्त साहित्यिक कृतियां सर्वहारा वर्ग को प्रतिनिधित्व करती हुई विश्व बंधुत्व का संदेश देती हैं जो आज के कठिन समय के लिए बेहद ही अनिवार्य है ।इन्होंने अपनी समकालीन कविताओं और कहानियों में रोजमर्रो से जूझ रहे आम जीवन की तलाश की है ।इन्हें विशिष्ट सम्मान पत्र , अंगवस्त्र , नेपाली शुभ सूचक सिर के पाग से मंगलाचरण की करतल ध्वनि से सादर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर अपने उद्बोधन में डॉ मिश्र ने कहा कि भारत और नेपाल की यह मित्रता ऐतिहासिक है ।इसकी नींव सदियों से काफी ही मजबूत है। हिंदी और नेपाली भाषा एक दूसरे की सगी बहन है_ एक के बिना दूसरे का जीवन एक तरह से अधूरा । यह विशिष्ट सम्मान भारत और नेपाल के रिश्ते को और ही मजबूती प्रदान करेगा । डॉ मिश्र के सम्मानित होने पर यहां के साहित्यकारों में काफी ही खुशी है । वरिष्ठ कवि जगदीश नलिन , जितेंद्र कुमार , ओमप्रकाश मिश्र , सुमन कुमार सिंह , सुधीर सुमन , सिद्धार्थ वल्लभ , प्रसिद्ध रंगकर्मी श्रीधर शर्मा , कृष्णेंदु , आलोचक डॉ रविंद्रनाथ राय , वरिष्ठ कथाकार डॉ नीरज सिंह , प्रसिद्ध कथाकार डॉ मिथिलेश्वर , डॉ बलिराज ठाकुर , प्रो नंदजी दुबे , प्रो निलांबुज, प्रसिद्ध कवयित्री मीरा श्रीवास्तव , डॉ किरण कुमारी , डॉ रेणु मिश्र , डॉ ममता मिश्र , डॉ पूनम कुमारी आदि ने इन्हें अपनी हार्दिक शुभ कामनाएं व बधाइयां दी हैं ।

## लॉ के छात्र शिवम को मिला बेस्ट रिसर्चर अवार्ड

गया।दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय सीयूएसबी के विधि विभाग के छात्र शिवम कुमार ने सिम्बायोसिस नागपुर द्वारा आयोजित सीसीआई एसएलएस नागपुर राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बेस्ट रिसर्चर अवार्ड श्रेष्ठ शोधार्थी का पुरस्कार जीता है जन सम्पर्क पदाधिकारी पीआरओ ने बताया कि शिवम स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस एसएलजी के बीए एलएलबी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। शिवम को इस शानदार जीत के लिए आयोजकों द्वारा प्रमाणपत्र, ट्रॉफी के साथ दस हजार 10000 रुपये की नकद राशि दी गई है।इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव कर्नल राजीव कुमार सिंह ने शिवम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं ।विस्तृत जानकारी देते हुए सीयूएसबी की मूट कोर्ट सोसायटी की समन्वयक डॉ. नेहा शुक्ला व सह-समन्वयक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था।प्रतियोगिता में सीयूएसबी की टीम में शामिल रिया राय, आकांक्षा कुमारी ने वक्ता एवं शिवम कुमार ने शोधार्थी की भूमिका निभाई है ।विभिन्न राउंड्स चरणोंमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शिवम को श्रेष्ठ शोधार्थी घोषित किया गया है। एसएलजी के डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव ने शिवम की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विवि के लॉ के कोर्स स्ट्रक्चर एवं प्राध्यापकों के मार्गदर्शन की वजह से विभाग के छात्र राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं विधि विभाग के प्रो. पवन कुमार मिश्रा, डॉ. कुमारी नीतू, डॉ. अनुजा मिश्रा एवं चांदना सूबा ने भी वीरभद्र रेड्डी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## आनन्द मोहन की रिहाई के आदेश से समर्थकों में खुशी की लहर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार पीपुल्स पार्टी के पूर्व संस्थापक अध्यक्ष और पूर्व सांसद आनन्द मोहन की रिहाई की अधिसूचना जारी होते ही समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।लगभग साढ़े पंद्रह सालों के लम्बे संघर्ष और आंदोलन से जुड़े आनन्द मोहन समर्थकों ने अपने नेता की ससम्मान रिहाई के लिए बिहार सरकार को धन्यवाद दिया है और सरकार के प्रति आभार भी जताया है। डीएम जी कृष्णय्या हत्याकांड में लगभग साढ़े पंद्रह सालों से जेल में बन्द आनन्द मोहन को लगातार निर्दोष बताते समर्थकों ने जस्टिश फॉर आनन्द मोहन अभियान के तहत लंबा संघर्ष किया।यह संघर्ष और आंदोलन न सिर्फ बिहार के कोने कोने में जारी रहा बल्कि दिल्ली के जंतरमंतर से लेकर देश के कई राज्यों तक फैल गया था।अब बिहार सरकार द्वारा पूर्व सांसद आनन्द मोहन की रिहाई को नोटिफिकेशन जारी कर देने के बाद लम्बे समय से उनकी रिहाई की मांग कर रहे समर्थकों को सुकून मिल गया है और वे अब पूरी खुशी के बीच अपने नेता की सघन सक्रिय राजनीति में आने का इंतजार कर रहे हैं। भोजपुर जिले के आनन्द मोहन समर्थक अपने नेता की ससम्मान रिहाई का आदेश जारी होते ही एक दूसरे को बधाई देने में जुट गए हैं।सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर भी आनन्द मोहन की रिहाई की खुशी देखी जा रही है।विधायक बेटे चेतन आनन्द की सगाई पर पिता आनन्द मोहन की रिहाई का तोहफा मिलते ही न सिर्फ परिवार बल्कि देश भर के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। भोजपुर जिले में फ्रेंड्स ऑफ आनन्द के जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह राठौर,वरिष्ठ नेता अशोक सिंह, संजीव सिंह,ओम प्रकाश सिंह,संजय सिंह, पूर्व जिला पार्षद बीर बहादुर सिंह,मियां सिंह,श्याम मनोहर ओझा,दीपू उपाध्याय,संतोष प्रताप सिंह,प्रमोद कुमार सिंह कुशवाहा,सुधीर कुमार सिंह कुशवाहा,नीरज सिंह,अभिमन्यु सिंह,कुणाल सिंह,आलोक सिंह,ओम प्रकाश शर्मा,ओम प्रकाश ठाकुर,रजनीश सिंह,संटू सिंह,आशुतोष सहाय,राजू पाण्डेय, कुमार अमरेन्द्र सिंह,पिंटू सिंह,मनोज कुमार शुक्ला,मिथिलेश पासवान,प्रमोद पासवान,रितेश कुमार राय,गोपाल जी तिवारी,रिंकू सिन्हा,पंकज कुमार,अभय सिंह समेत फ्रेंड्स ऑफ आनन्द से जुड़े सैकड़ो नेताओ ने पूर्व सांसद आनन्द मोहन की रिहाई को न्याय की जीत बताया है।नेताओ ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है किंतु पराजित नही और अंततः न्याय की जीत हुई है। आनन्द मोहन समर्थकों ने कहा कि आनन्द मोहन की रिहाई बिहार के लाखों लाख समर्थकों,कार्यकर्ताओ के संघर्ष की जीत है। उधर पूर्व सांसद आनन्द मोहन के साथ लम्बे समय से जुड़े पूर्व छात्र नेता डॉ. सुरेन्द्र सागर ने आनन्द मोहन की रिहाई पर प्रशन्नता व्यक्त करते हुए इसे सत्य और न्याय की जीत बताया है।उन्होंने कहा कि समर्थकों ने चट्टानी एकता के साथ जुझारू संघर्ष और आंदोलन कर पूर्व सांसद आनन्द मोहन की ताकत का अहसास पूरे देश और दुनिया मे कराया। उन्होंने कहा कि लम्बे संघर्ष के बाद आनन्द समर्थकों को अब उसका परिणाम मिल गया है और अपने नेता की जेल से रिहाई के आदेश के बाद वे खुशियां मनाने और एक दूसरे को बधाई देने में जुट गए हैं।

## राजद के नई जिला कमेटी से जिला में होगी मजबूत : विनय

प्रात : किरण संवाददाता

गया। मोहम्मद नेजाम को राजद जिला अध्यक्ष सुभाष यादव का प्रधान महासचिव जितेंद्र यादव को महानगर अध्यक्ष विजय चंद्रवंशी को महानगर प्रधान महासचिव बनाए जाने से राजद गया जिला काफी मजबूत और संतुलित रहेगा। यह बातें राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता विनय कुशवाहा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नव मनोनीत राष्ट्रीय जनता दल के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोहम्मद निजाम प्रधान महासचिव सुभाष यादव जिला महानगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव जिला प्रधान महासचिव विजय चंद्रवंशी को बधाई देते हुए कहा कि इन नेताओं के मनोनयन से राष्ट्रीय जनता दल काफी मजबूत होगी। विनय कुशवाहा ने कहा कि जिलाध्यक्ष एवं प्रधान महासचिव का दायित्व बनता है की राष्ट्रीय जनता दल के मजबूती के लिए सब को एकजुट करके चलने का काम करें। राष्ट्रीय जनता दल सभी जाति धर्म की पार्टी है और जिला अध्यक्ष प्रधान महासचिव का कर्तव्य बनता है कि सभी जाति समुदाय के लोगों को पार्टी में जोड़ें सभी का मान सम्मान दें और किसी भी तरह के राजनीतिक विद्वेष को छोड़कर सब लोग एकजुट होकर पार्टी के मजबूती के लिए काम करें।

बधाई देने वालों में वीरेंद्र गोप, जुगनू यादव, मनोज कुशवाहा, जितेंद्र कुमार वर्मा, पवन कुमार वर्मा, पंकज यादव, कुमार शंभू प्रसाद अधिवक्ता, जय प्रकाश शर्मा, सत्येंद्र पांडे, छोटू पांडे, राजेंद्र प्रसाद मेहता, रविंद्र प्रसाद वर्मा, अजय कुमार वर्मा, बब्बन भारती आदि नेताओं ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दी है।

## शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जहानाबाद जिला के मखदुमपुर प्रखंड में मखदुमपुर हाई स्कूल में स्मार्ट क्लासेस का उद्घाटन करते हुए सांसद जहानाबाद चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी ने किया। उन्होंने संबोधन में कहा कि जहानाबाद में मखदुमपुर के छात्र छात्राओं के लिए यह स्मार्ट क्लास मिल का पत्थर साबित होगा,इस इलाके मे होनहार छात्र छात्राओं बहुत है इस क्लासेस से प्रतिभा का पता चलेगा।

### देवकुंड में महोत्सव आयोजित को लेकर बैठक कर विचार विमर्श

देवकुंड। मठाधीश कन्हैया नंदपुरी करपी (अरवल) अरवल जिले एवं औरंगाबाद जिले की सीमा पर स्थित चर्चित प्रसिद्ध देवकुंड में बाबा दूधेश्वर नाथ को लेकर आज 26 अप्रैल को देवकुंड मे महोत्सव आयोजित , उक्त बातें जानकारी देते हुए देवकुंड माठाधीश कन्हैया नंदपुरी ने बताया कि आज बुधवार को 11: बजे दिन में देवकुंड महोत्सव को।

### दूसरी बार जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव के मनोनयन पर दी बधाई

पूर्णिया । पार्टी के प्रति समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष मिथिलेश दास को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है। जिला अध्यक्ष के पद पर श्री दास के मनोनयन की सूचना मिलने के बाद से पूर्णिया राजद कार्यकताओं में खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। सभी कार्यकर्ता लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर श्री दास को बधाई दे रहे हैं। इसी क्रम में राजद नेता राजेश रमन ने दूसरी बार जिला अध्यक्ष बनने पर मिथिलेश कुमार दास को बधाई दी है। उन्होंने इस मनोनयन के लिए प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। श्री रमण ने कहा कि मिथिलेश दास के राजनीतिक अनुभव एवं संगठन के मजबूती हेतु किये गये कार्यों के आधार पर उन्हें दोबारा यह दायित्व सौंपा गया है।

## भागवत कथा का अमृतपान से होता है जीवन सफल : जगतगुरु श्रीधराचार्य

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। भागवत कथा का अमृतपान से जीवन सफल होता है। अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। जिस घर में भागवत कथा व पूजा होती है। उस घर में लक्ष्मी नारायण भगवान की कृपा सदैव बनी रहती है। जीवन की बंधन से मुक्ति का एक मार्ग श्रीमद् भागवत कथा श्रवण ही है।

इससे भक्तों की परेशानी दूर हो जाती है। उक्त बातें शहर के क्षत्रिय नगर स्थित गीता कुंज में अशर्फी भवन अयोध्या से पधारें जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने कही।जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने 9 मई 2023 से 15 मई 2023 तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ की तैयारी की। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने कहा कि भगवान हमेशा अपने भक्तों की रक्षा के लिए तैयार रहते हैं। बस जरूरत है उन्हें सच्चे मन से याद करने की। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने आगे कहा कि हम सभी जीव प्रभु के अंश हैं और भगवान ही हमारे अंशी हैं। प्रभु सत्ता के बिना हम सभी जीव अधूरे हैं। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज नऔरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक सौर तीर्थ स्थल देव में आयोजित भगवान श्री सूर्य नारायण महायज्ञ में शामिल होने आए थे। यज्ञ समिति से जुड़े सूरज पाण्डेय ने बताया कि 9 मई 2023 को सुबह 6 बजे से जल यात्रा निकलेगी जो पुनपुन नदी जम्होर से शुरू होकर क्षत्रिय नगर पहुचेगी। प्रत्येक दिन शाम 6 बजे से प्रवचन होगा। इस अवसर पर उनके शिष्य अनुज तिवारी, सूरज कुमार पाण्डेय, गीता पाण्डेय, निक्की ओझा, भास्कर प्रकाश, कृष्णा राज, राकेश कुमार चतुर्वेदी, निर्भय सिंह, आशुतोष कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

## रानीगंज में भामाशाह जयंती का आयोजन

औरंगाबाद। जिले के रानीगंज में अखिल भारतीय तेली महासभा द्वारा दानवीर भारत माता के अमर सपूत भामाशाह जी का 476 वीं जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्ष

## इंगका ने नौ स्क्रीन का मूवी थियेटर खोलने के लिए पीवीआर आईनॉक्स के साथ साझेदारी की

**नई दिल्ली , एजेंसी।** आइकिया की खुदरा परिचालक इंगका ग्रुप की इकाई इंगका सेंटर्स ने अपने गुड़गांव केंद्र में नौ-स्क्रीन वाला मूवी थियेटर खोलने के लिए पीवीआर आईनॉक्स के साथ साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि गुड़गांव में इंगका सेंटर्स का नया 'मीटिंग प्लेस' 2025 के अंत में शुरू होने वाला है। इसमें खुदरा, हरित स्थान, कार्यालय और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए स्थल होंगे। इंगका सेंटर्स ने पिछले साल अगस्त में घोषणा की थी कि अगले कुछ वर्षों में वह व्यापार, बैठकों-मुलाकातों और खरीदारी के लिए दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के गुड़गांव और नोएडा में 90 करोड़ डॉलर के निवेश से एक-एक केंद्र खोलेगी। कंपनी ने लगभग 40 करोड़ यूरो के कुल निवेश के साथ गुड़गांव परियोजना शुरू की है। कंपनी को यहां सालाना दो करोड़ आगंतुक आने की उम्मीद है। पीवीआर आईनॉक्स के प्रबंध निदेशक अजय बिजली ने कहा कि फिल्मों के दर्शकों और फिल्म उद्योग के साथ एक भरोसेमंद रिश्ते के अलावा पीवीआर आईनॉक्स खुदरा उद्योग और रियल एस्टेट विकास के बीच सेतु बनाने का जरिया बनाने में मदद करेगा।

## तीन माह में 29 रुपए किलो तक महंगी हुई अरहर दाल, दिल्ली में 105 से बढ़कर 128 पर पहुंची

**नई दिल्ली , एजेंसी।** देशभर में जमाखोरी के खिलाफ एक महीने से कई राज्यों में छापामार कार्रवाई और स्टॉक लिमिट तय किए जाने के बाद भी अरहर (तुअर) दाल के दाम बढ़ रहे हैं। दिसंबर 2022 में पूरे देश में 100 रुपए के आसपास चल रही दाल अब 129 रुपए किलो मिल रही है। यह खुद केंद्र सरकार मानती है। मार्च में दामों के 120 रुपए पार होने के बाद सरकार ने सीमा से अधिक दाल के भंडारण पर रोक लगा दी थी लेकिन दाम नहीं घटे। जानकार कहते हैं कि मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ने के कारण दाम बढ़े हैं। ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल कहते हैं, अरहर की फसल में 8 माह लगते हैं। इतने समय में किसान दूसरी दो फसलें ले लेता है। गेहूं-धान की तरह इसकी सरकारी खरीद भी नहीं होती। किसान उचित मूल्य को लेकर आश्वस्त नहीं रहता। इसलिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक में किसानों ने अरहर कम बुवाई की। इससे पैदावार घटी और दाम बढ़ गए। देश में 2021 में 42 लाख टन तुअर दाल का उत्पादन था। 2022 में 19 प्रतिशत घटकर 34 लाख टन रह गया। इस साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और मलावी से 4.5 लाख टन और म्यांमार से 2.5 लाख टन दाल आयात की जानी है। पिछले साल 4.5 लाख टन दाल ही मंगवाई गई थी। आयातित दाल खुदरा बाजार में आने के बाद ही दामों पर लगाम लग सकती है। हालांकि इसमें दो माह लग सकते हैं। मप्र दाल-चावल एसोसिएशन के अध्यक्ष शीलचंद्र लचकिया के मुताबिक, म्यांमार समेत कई अफ्रीकी देश भारत को निर्यात करने के लिए ही अरहर उगाते हैं। सरकार छोटे मिल संचालकों के लिए भी आयात के दरवाजे खोले।

## जिप इलेक्ट्रिक, जोमैटो अंतिम छोर तक डिलिवरी के लिए तैनात करेंगे एक लाख ई-स्कूटर

**मुंबई, एजेंसी।** इलेक्ट्रिक मोइलेबिलिटी स्टार्टअप जिप इलेक्ट्रिक ने कहा कि वर्ष 2024 तक अंतिम छोर तक डिलिवरी की सुविधा देने के लिए उसकी योजना जोमैटो के साथ मिलकर एक लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर तैनात करने की है। जिप इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा कि समझौते के तहत, कंपनी देश भर के विभिन्न शहरों में अंतिम छोर तक डिलिवरी सुविधा के लिए जोमैटो को डिलिवरी भागीदारी भी प्रदान करेगी। कंपनी ने कहा कि टिकाऊ परिवहन योजना के हिस्से के रूप में इस समय उसके 13,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेवा में हैं। कंपनी का लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन में 3.5 करोड़ किलोग्राम तक की कमी लाना है। बयान में कहा गया है कि कंपनी का 2024 तक ईवी के जरिये से एक करोड़ से अधिक हरित डिलिवरी प्राप्त करने का लक्ष्य है।

## नेस्ले इंडिया का मार्च तिमाही में मुनाफा 24.7 प्रतिशत बढ़कर 736.64 करोड़ रुपए पर

**नई दिल्ली , एजेंसी।** दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का 31 मार्च, 2023 को खत्म तिमाही में शुद्ध लाभ 24.69 प्रतिशत बढ़कर 736.64 करोड़ रुपए रहा है। यह कंपनी जनवरी-दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। पिछले वर्ष समान तिमाही में उसे 590.77 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी शुद्ध बिक्री 20.43 प्रतिशत बढ़कर 4,808.40 करोड़ रुपए रही है जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 3,962.84 करोड़ रुपए थी। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कुल व्यय 20.61 प्रतिशत बढ़कर 3,873.76 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 3,211.78 करोड़ रुपए था। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 21.18 प्रतिशत बढ़कर 4,612.73 करोड़ रुपए रही, 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में यह 3,806.20 करोड़ रुपए थी। कंपनी का निर्यात 24.91 प्रतिशत बढ़कर 195.67 करोड़ रुपए रहा है जो एक साल पहले समान तिमाही में 156.64 करोड़ रुपए था।

## वेलस्पन वन तमिलनाडु में 700 करोड़ रुपये के निवेश से दो वेयरहाउस परियोजना विकसित करेगी

**मुंबई, एजेंसी।** एकीकृत कोष और विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन लॉजिस्टिक्स पार्क्स (डब्ल्यूओएलपी) जीआरटी समूह के साथ संयुक्त उपक्रम में तमिलनाडु में 700 करोड़ रुपये के निवेश से दो वेयरहाउस परियोजनाएं विकसित करेगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।इस बाबत डब्ल्यूओएलपी ने पिछले वर्ष नवंबर में तमिलनाडु सरकार के साथ शुरुआती समझौता किया था। इस करार के तहत यह मंच पांच वर्ष के दौरान राज्य में करीब 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। कंपनी ने बताया कि प्रत्येक पार्क 60 एकड़ भूमि में फैला होगा और इसमें 13 लाख वर्गफुट क्षेत्र विकसित किया जा सकता है।

# 3 रुपए के शेयर वाली इस दिवालिया कंपनी को खरीदने के लिए क्यों अंबानी-अडानी में मची है होड़

**नई दिल्ली , एजेंसी।** आपने भी कभी ना कभी बिग बाजार , एफबीबी के ब्रांडेड स्टोर से शॉपिंग की होगी। कभी अरबों में कारोबार करने वाली कंपनी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड आज दिवालिया हो चुकी है। जिस कंपनी का नाम कभी बच्चे-बच्चे की जुबान पर था, आज वो कंपनी कर्ज में डूब चुकी है। कंपनी के शेयर 2.90 रुपये पर आ चुके हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि दिवालिया हो चुकी इस कंपनी को खरीदने के लिए होड़ मची है। एक-दो नहीं 48 कंपनियां कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए आमने-सामने है। इस लिस्ट में दिग्गज कंपनियों का नाम है। रिलायंस, अडानी समूह, जिंदल जैसी कंपनियां फ्यूचर रिटेल को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रही है।

फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के खरीदारों की फाइनल लिस्ट सामने आ गई है। इस लिस्ट में 48 नाम शामिल है। इस फाइनल लिस्ट में अंबानी और अडानी जैसे नाम शामिल है। रिलायंस रिटेल, जिंदल पावर लिमिटेड, अडानी ,जेसी फ्लावर्स, डब्ल्यूएच स्मिथ समूह जैसी बड़ी कंपनियां दिवालिया हो चुकी इस कंपनी को खरीदने के लिए आमने-सामने है। इसके अलावा सहारा एंटरप्राइजेज, सेंचुरी कॉपर कॉरपोरेशन, ग्रीनटेक वर्ल्डवाइड, हर्षवर्धन रेड्डी, पिनेकल एयर प्राइवेट लिमिटेड, यूनिवर्सल एसोसिएट्स जैसे नाम शामिल है। सोमवार को 48 योग्य संभावित रिज़ॉल्यूशन आवेदकों की लिस्ट जारी कर दी गई है। फ्यूचर रिटेल के अधिग्रहण के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट मंगाए गए थे। अब इसकी फाइनल लिस्ट सामने आ चुकी है।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कंपनी की कॉरपोरेट दिवालिया सामाधान प्रक्रिया को पूरा करने के लिए फ्यूचर रिटेल को 90 दिनों का वक्त दिया है। इसकी समयसीमा 15 जुलाई 2023 को खत्म होती है। दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही कंपनी के शेयरों की ट्रेडिंग बंद हो चुकी है। बैंकों के कर्ज चुकाने में नाकाम रही फ्यूचर रिटेल के खिलाफ एनसीएलटी ने पिछले साल इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस की शुरू कर दिया था। कंपनी को खरीदने के लिए 49 कंपनियों ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दाखिल किया था। इसमें अंबानी और अडानी की कंपनी भी है।

## वेदांत के शेयरों में तेजी

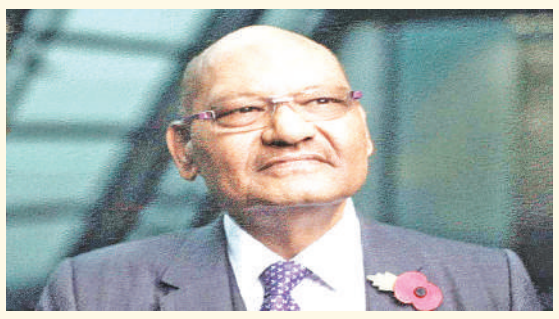

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मेटल और माइनिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी वेदांत लिमिटेड के शेयरों में आज खासी तेजी देखने को मिली। इसकी पैरेंट कंपनी वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड का कहना है कि उसके अप्रैल 2023 में मैच्योर हो रहे सभी लोन और बॉन्ड्स का भुगतान कर दिया है। इस तरह कंपनी ने अपने कुल कर्ज में एक अरब डॉलर की कमी की है। कर्ज संकट के कारण वेदांत के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से गिरावट देखने को मिल रही थी। लेकिन आज दोपहर बाद 2.20 बजे करीब दो फीसदी तेजी के साथ 280.65 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1,04,397.47 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस शेयर का 52 हफ्ते का टॉप 419.55 रुपये और लो 206.10 रुपये है। टेक्निकल टर्म की बात करें तो वेदांत के शेयर का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 46.3 है। इस बात का संकेत है कि यह स्टॉक न तो ओवरबॉट है और न ही ओवरसोल्ड है। इसका वन-ईयर बीटा 1.6 है जो इस दौर में इसमें काफी उतारचढ़ाव का इशारा दे रहा है। वेदांत का शेयर पांच दिन, 20 दिन, 50 दिन, 100 दिन और 200 दिन के मूविंग एवरेज से कम है। एक साल में इस शेयर में 34 फीसदी गिरावट आई है और इस साल यह 10.69 फीसदी गिरी है। पिछले साल 22 अप्रैल को यह 424.85 रुपये पर पहुंचा था जो इसका 52 हफ्ते का हाई था। एक जुलाई, 2022 को यह 206.10 रुपये पर पहुंचा था जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर था।

**अब कितना है कर्ज :** वेदांत का ग्रॉस डेट 24 अप्रैल, 2023 को 6.8 अरब डॉलर था जो मार्च के अंत में 7.8 अरब डॉलर था। पिछले साल मार्च के अंत में कंपनी पर कुल 9.7 अरब डॉलर का कर्ज था। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह फरवरी 2022 से अब तक अपने कर्ज में तीन अरब डॉलर की कटौती कर चुकी है। कंपनी ने तीन साल में अपने कर्ज में चार अरब डॉलर की कटौती करने का लक्ष्य रखा था और वह इसमें से 75 फीसदी लक्ष्य हासिल कर चुकी है।

## एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 22-23 में 184 करोड़ रुपये का लाभ और 10,888 करोड़ रुपये का जीडब्लूपी हासिल किया

**मुंबई, एजेंसी।** भारत की प्रमुख जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 22-23 के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा कर दी है। विकास की मजबूत गति को जारी रखते हुए, कंपनी ने वित्त वर्ष 23 में 184 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है, जो वित्त वर्ष 22 के मुकाबले 40 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल के मुकाबले 17.6 प्रतिशत फीसदी की वृद्धि के साथ 10,888 करोड़ रुपये के सकल लिखित प्रीमियम (जीडब्लूपी) के साथ कंपनी ने समग्र कारोबार में मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

अपनी पहुंच और डिजिटलीकरण पर जोर के साथ कंपनी के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो ने एसबीआई जनरल को वित्त वर्ष 23 में 22 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ 4.21 फीसदी तक बाजार हिस्सेदारी को सुधारने में मदद की है। कंपनी ने घर, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत दुर्घटना, वाणिज्यिक क्षेत्र और फसल सहित व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में भी मजबूत वृद्धि प्रदर्शित की है। कंपनी के राजस्व में भी इजाफा बढ़ोतरी हुई है और वित्त वर्ष 21-22 के 178 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 22-23 में कंपनी का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 244 करोड़ रुपये रहा। साथ ही इसका सॉल्वेंसी अनुपात 1.72 था, जो इसकी मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ किशोर कुमार पोलुदासू ने कहा, एसबीआई जनरल ने वित्त वर्ष 22-23 में लगातार वृद्धि जारी रखी है, और परिचालन के केवल 13 वर्षों मे इसने 10,000 करोड़ रुपये जीडब्ल्यूपी के बेंचमार्क को पार करने वाली शुरुआती कंपनियों में से एक होने की उपलब्धि हासिल की है।

## एमएसडीई और एमओई जी20 एडडब्ल्यूजी -फ्यूचर ऑफ वर्क के तहत प्रदर्शनी का आयोजन करेंगे

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और शिक्षा मंत्रालय (एमओई) जी20 की अध्यक्षता में 28 अप्रैल तक सीएसआईआर-इन्स्टीट्यूट ऑफ़ मिनरल्स एंड मैटीरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी), भुवनेश्वर, ओडिशा के तीसरे एजुकेशन वर्किंग ग्रुप (एडडब्ल्यूजी) की मीटिंग के दौरान भविष्य की कार्य प्रदर्शनी का आयोजन कर रहे हैं। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने हर स्तर पर टेक इनेबल्ड लर्निंग को अधिक गुणात्मक बनाने और भविष्य के कार्य के संदर्भ में क्षमता निर्माण करने की यात्रा शुरू करने के लिए जी20 अध्यक्षता ग्रहण की है। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री द्वारा किया जाएगा और यह टेक्नोलॉजी के लीडरों, इन्फ्लूएन्सर और शिक्षाविदों के लिए अपने दृष्टिकोण और काम के भविष्य के बारे में विज़न दिखाने के लिए एक अद्वितीय प्लेटफार्म होगा।

# अमेजन फ्रेश ने की सीजन के मनपसंद मैंगो फिएस्टा की घोषणा

**मुंबई, एजेंसी।** गर्मियों के मौसम का मतलब होता है फलों के राजा आम का मौसम। ऐसे में इस स्वादिष्ट फल का आनंद लेने के लिए अमेजन फ्रेश के मैंगो फिएस्टा से बेहतर तरीका और क्या हो सकता है। फिएस्टा देश के विभिन्न क्षेत्रों के बेहतरीन मलिटी वाले ताजा आमों की एक विस्तृत श्रृंखला को एक साथ लेकर आया है। यहां पर आपको इन आमों का बेहतरीन स्वाद शानदार कीमतों के साथ मिलता है। चाहें आप मीठे और रसीले रत्नागिरी अल्फांसो की बात करें, चटपटे और स्वाद से भरपूर बंगनापल्ली, या फिर सदाबहार एवं फाइबर रहित तोतापुरी की, रसदार बादामी आम की, विटामिन से भरपूर सफेदा/बंगानापल्ली आम की, या फिर आप मीठे सिंधुरा (लालबाग) आम के प्रशंसक हों; अमेजन फ्रेश के मैंगो फिएस्टा पर आपको हर तरह के आम का स्वाद मिलेगा। लोकप्रिय किस्मों के अलावा, अमेजन फ्रेश पर ग्राहकों की स्थानीय पसंद का भी ख्याल रखा गया है। यहां पर बेंगलुरू में ग्राहकों को पेड़ा रसम, कलापद और चेरुकुरसम और मुंबई में ग्राहकों के लिए थोथापुरी और सिंधुरा की पेशकश की जा रही है। अमेजन फ्रेश के मैंगो फिएस्टा के साथ, आप आम का स्वाद उसके सभी गुणों के साथ ले सकते हैं। यह आम कार्बाइड मुक्त हैं, सुरक्षित रूप से पके हैं और 4 स्तर के मलिटी टेस्ट प्रोसेस से गुजरते हैं और सीधे आपके दरवाजे पर डिलीवर किए जाते हैं। तो, अपने पसंदीदा आम खरीदें और पूरी गर्मियों में उनके स्वाद का आनंद लें।

फिएस्टा के दौरान ग्राहक बैंक ऑफर्स पर 10 प्रतिशत तक की छूट, कैशबैक और रिवार्ड्स सहित विभिन्न फायदों का आनंद ले सकते हैं। बंगलौर, दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव, गाजियाबाद, नोएडा, अहमदाबाद, मैसूर, जयपुर, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, इंदौर और चंडीगढ़ जैसे 50 से अधिक शहरों में रहने वाले ग्राहक बेहतरीन मलिटी वाले ताजे आम का आनंद ले सकते हैं। ये आम दो से तीन घंटे के डिलीवरी स्लॉट में डिलीवर किए जाएंगे। यह डिलीवरी सुबह 6 बजे से आधी रात तक उपलब्ध रहेगी।

## न्यू बिलिंग पॉलिसी पर दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा गूगल, सिंगल बेंच के निर्देश को दी चुनौती

**नई दिल्ली , एजेंसी।** सर्च इंजन गूगल ने न्यू बिलिंग पॉलिसी पर दिल्ली हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के निर्देश को चुनौती दी है। इसके साथ ही गूगल ने तत्काल सूचीबद्ध कर सुनवाई की मांग की थी लेकिन हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने इससे इनकार कर दिया है।

**क्या है मामला :** दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति तुषार राव गडेला की सिंगल बेंच ने सोमवार को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से गूगल की न्यू बिलिंग पॉलिसी के खिलाफ दायर अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की अर्जी पर 26 अप्रैल तक विचार करने को कहा है। देश में स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन एडीआइएफ ने कमीशन के आधार पर ऐप में खरीद की छूट और डाउनलोड की सुविधा देने की गूगल की नीति को चुनौती दी है। इस याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 42 के तहत सीसीआइ को आवेदनों पर विचार करने के लिए निर्देश देने में कानूनी या अन्यथा कोई भी बाधा नहीं है। याचिका के मुताबिक सीसीआइ ने कोरम के अभाव का हवाला देते हुए गूगल की तीसरा पक्ष ऐप डाउनलोड नीति के खिलाफ दायर आवेदन पर विचार करने से मना कर दिया था। एडीआइएफ की मांग क्या है- बता दें कि एडीआइएफ चाहता है कि गूगल अपने प्रस्तावित यूजर चॉइस बिलिंग (यूसीबी) को तब तक के लिए स्थगित रखे जब तक कि सीसीआइ पिछले साल अक्टूबर के गूगल प्ले स्टोर नीति मामले में जांच पूरी नहीं कर लेता। एडीआइएफ के मुताबिक गूगल को पहले ऐप डेवलपर्स को भुगतान किए गए ऐप डाउनलोड और इन-ऐप खरीदारी सहित सभी लेनदेन के लिए गूगल प्ले बिलिंग सिस्टम नामक भुगतान विधि का उपयोग करने की आवश्यकता थी। अक्टूबर 2022 में, एडीआइएफ के एक आवेदन पर सीसीआइ ने जीपीबीएस के लिए गूगल पर जुर्माना लगाया और उसे इन-ऐप भुगतान के लिए थर्ड पार्टी बिलिंग सर्विसेज के उपयोग की अनुमति देने का निर्देश दिया।

## अडानी का एक फैसला और शेयर खरीदने दौड़े निवेशक, रॉकेट की तरह बढ़ रहा भाव

**नई दिल्ली , एजेंसी।** अडानी समूह की कंपनियों के शेयर तीन शेयरों के साथ फोकस में हैं। अडानी ट्रांसमिशन (1,013.55 रुपये), अडानी टोटल गैस (935.35 रुपये) और अडानी ग्रीन एनर्जी (930.75 रुपये) बीएसई पर मंगलवार को अपर सर्किट में हैं। समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी विल्मर, नई दिल्ली टेलीविजन , एसीसी, अंबुजा सीमेंट्स और अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन के शेयर आज 4 प्रतिशत तक चढ़ गए। दरअसल, सोमवार को अडानी ग्रुप ने कहा कि कर्ज पुनर्खरीद कार्यक्रम शुरू किया। इस साल जनवरी में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह ने पहली बार ऋण पुनर्खरीद शुरू की है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक एपीएसईजेड ने अपने जुलाई 2024 के बॉन्ड की 13 करोड़ डॉलर तक पुनर्खरीद करने के लिए निविदा आमंत्रित की है। कंपनी अगली चार तिमाहियों में समान राशि की पुनर्खरीद और करेगी। समूह अपनी नकदी की स्थिति को बेहतर साबित कर निवेशकों का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए यह कदम उठा रहा है। आपको बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी को आई एक रिपोर्ट में समूह के खातों में धोखाधड़ी और शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोप लगाए गए थे।

## होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आयोजित किया सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

**भोपाल।** भारत में सुरक्षित राइडिंग की आदतों के निर्माण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने मध्य प्रदेश के भोपाल में अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया। सड़क सुरक्षा होण्डा के लिए विश्वस्तरीय प्राथमिकता है। कोपल पब्लिक स्कूल और डीएवी स्कूल, भोपाल में आयोजित इस चार दिवसीय कैम्प में 4100 से अधिक स्कूली छात्रों एवं स्टाफ के सदस्यों ने हिस्सा लिया और सुरक्षित राइडिंग के गुर सीखे।

## आईसीआईसीआई बैंक ने पेश किया 'समर बोनांजा' - गर्मी के इस सीजन में ग्राहकों के लिए ऑफर्स का एक विशेष गुलदस्ता!

**मुंबई, एजेंसी।** आईसीआईसीआई बैंक ने 'समर बोनांजा' का एक नया एडिशन लॉन्च किया है। इसके तहत बैंक अपने ग्राहकों को मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स, यात्रा, ऑनलाइन शॉपिंग, डाइनिंग और फूड ऑर्डरिंग, स्वास्थ्य और सौंदर्य और गिफ्टिंग जैसी विभिन्न श्रेणियों में शानदार और दिलचस्प ऑफर दे रहा है। ऑफर लगभग सभी प्रमुख ब्रांडों पर उपलब्ध हैं। इनमें अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, एपल, वनप्लस, सैमसंग, एलजी, सोनी, मेक माई ट्रिप, ईज माई ट्रिप, टाटा क्लिक, स्विगी और जोमाटो इत्यादि शामिल हैं। इस साल, आईसीआईसीआई बैंक ने 'बीट द हीट विद ईएमआई' की थीम के साथ विशेष ईएमआई ऑफर तैयार किए हैं ।

# आइटी कंपनियों ने घटाई कैंपस प्लेसमेंट की रफ्तार, 2017-18 से भी कम हो गई भर्तियां

**नई दिल्ली , एजेंसी।** कॉलेज और विश्वविद्यालय कैंपसों से भारतीय आइटी कंपनियों में नियुक्तियों की रफ्तार इस साल सुस्त रह सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि आइटी कंपनियों की कैंपस नियुक्तियां इस साल 2018-19 के मुकाबले महज 70 फीसदी रहने के आसार हैं। मानव संसाधन विशेषज्ञों के हिसाब से तीन साल से मांग में उतार-चढ़ाव के बाद कंपनियों के भर्ती के लक्ष्य अब कोविड से पहले के स्तर पर आ जाएंगे। देश की शीर्ष आइटी कंपनियों द्वारा की गई घोषणाओं में इस बात का संकेत पहले ही मिल चुका है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आइटी सेवा कंपनी इन्फोसिस ने चालू वित्त वर्ष के लिए भर्तियों का अपना लक्ष्य अभी तक नहीं बताया है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के भर्ती आंकड़े कोविड से पहले के स्तर पर लौट आए हैं। कंपनी करीब 40,000 फ्रेशर भर्ती करेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजिज वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले इस साल आधे लोग ही भर्ती करेगी। कंपनी ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि वह लगभग 30,000 कर्मी भर्ती कर सकती है। मगर वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में उसने कहा कि 13,000 से 15,000 की ही भर्ती की जाएगी।

इन आंकड़ों की तुलना वित्त वर्ष 2019 में आइटी कंपनियों द्वारा की गई भर्ती के आंकड़ों से की जाए तो खबरों के मुताबिक टीसीएस ने 30,000 फ्रेशर रखे थे और ढ्ढठ्ठद्धश्वह्य4ह्य के मामले में यह आंकड़ा 20,000 रहा था। उस दौरान एचसीएल टेक्नोलॉजिज और विप्रो ने कैंपस से ज्यादा भर्ती नहीं की थीं।

कैंपस से भर्तियों पर नजर रखने वाली फर्म हायरप्रो के मुख्य परिचालन अधिकारी पशुपति एस का मानना है कि वित्त वर्ष 2024 में कंपनियों में कोविड से पहले जितनी ही भर्तियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'वर्ष 2019-20 में उद्योग सामान्य तरीके से बढ़ रहा था और उसके बाद कुछ अरसे के लिए भर्तियां बढ़ गईं। 2019-20 से मुकाबला करें तो उस साल के मुकाबले इस वित्त वर्ष में केवल 70 फीसदी नियुक्तियां होने के आसार हैं।' उन्होंने कहा कि भारतीय आइटी कंपनियां तीन समस्याओं से जूझ रही हैं- जरूरत से ज्यादा भर्ती, भर्ती किए गए ग्रैजुएट्स का इस्तेमाल नहीं कर पाना और भारी तादाद में भर्ती करने के चक्कर में गुणवत्ता का अभाव।

# आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया का ऐलान

● अजिंक्य रहाणे की वापसी ● रहाणे ने 2022 में खेला था आखिरी टेस्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम का ऐलान किया है। इस टीम में लंबे समय बाद अजिंक्य रहाणे की वापसी हुई है। रहाणे ने आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए गजब का प्रदर्शन किया है। उन्होंने मुंबई और कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ विध्वंसक अंदाज में बैटिंग करते हुए हाफ सेंचुरी लगाई थी। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट साउथ अफ्रीका के खिलाफ जनवरी 2022 में खेला था। खराब प्रदर्शन की वजह से पहले उन्हें उपकप्तानी गंवानी पड़ी। बाद में उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब जब उन्होंने डोमेस्टिक क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया तो भारतीय टीम के सिलेक्टर्स ने उन्हें एक बार फिर मौका दिया है।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकत।

**डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत की टेस्ट टीम-** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबला 7 जून से इंग्लैंड के ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराते हुए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वॉलिफाइ किया था। इंग्लैंड नेचुरल वेन्यू है। ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद ऐशज सीरीज भी खेलना है।

### ऐसी है ऑस्ट्रेलिया की टीम

दूसरी ओर, 19 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया था। मिचेल मार्श की 4 वर्ष बाद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में वापसी हुई है। टीम की कप्तानी पैट कमिंस के पास है, जबकि डेविड वॉर्नर भी टीम का हिस्सा हैं। स्टीव स्मिथ, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए मोर्चा संभालेंगे।

**विश्व टेस्ट चैपियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम** – पैट कमिंस (कप्तान), कैमरून ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, टोड मर्फी , मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क, डेविड वॉर्नर, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिशेल मार्श

## रहाणे धोनी के विश्वास पर खरे उतरे

### आईपीएल में एमएस धोनी ने पलट दी किस्मत, टीम इंडिया में वापसी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** खराब फॉर्म के कारण टीम इंडिया से बाहर हुए अजिंक्य रहाणे का नाम जब आईपीएल नीलामी में पुकारा गया तो कुछ देर के लिए हॉल में सन्नाटा छा गया। टीम इंडिया को कई मैच जीता चुके इस अनुभवी बल्लेबाज ने अपना बेस प्राइस सिर्फ 50 लाख रुपये रखा था, लेकिन शायद यह कीमत भी फ्रेंचाइजियों को ऊंची लग रही थी। कुछ देर के सन्नाटे के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स ने रहाणे के लिए उनके बेस प्राइस पर बोली लगाई। कोई दूसरी टीम आगे नहीं बढ़ी और रहाणे महज 50 लाख में चेन्नई के साथ जुड़ गए और आईपीएल में ऐसा खेल रहे हैं कि चयनकर्ता उन्हें टीम इंडिया में एकसाल बाद लेने को मजबूर हो गए।

**धोनी के भरोसे पर खरे उतरे** – बदले-बदले से रहाणे ने करीब 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए रंग जमा दिया। पिछले मैच के बाद चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपने इस अनुभवी प्लेयर के बारे में कहा था कि जब हम किसी को बेस्ट पोजिशन पर उसी के अंदाज में खुलकर बल्लेबाजी का मौका देते हैं, तभी हम उसकी असली क्षमता से वाकिफ हो पाते हैं। धोनी का ये बयान बताता है कि रहाणे पर उन्हें कितना भरोसा है और इस विश्वास को अजिंक्य ने टूटने भी नहीं दिया। टी-20 क्रिकेट में रहाणे का करियर स्ट्राइक रेट महज 120.50 का रहा है। आईपीएल के पिछले तीन सीजन में भी उनका स्ट्राइक रेट कभी 105 के ऊपर नहीं गया। 10 गेंद खेलने के बाद उनका स्ट्राइक रेट 233 पहुंच जा रहा है और यहां भी वह सभी टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों के मुकाबले सबसे तेजी से रन बना रहे हैं।

**अभी और बेहतर करना है** – रहाणे ने रविवार रात कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ 29 गेंदों पर 71 रन की नाबाद पारी खेलकर कोहराम मचा दिया। लोग रहाणे का यह अटैकिंग अवतार देखकर हैरान हैं, लेकिन रहाणे की मानें तो अभी उनका सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। मैं इस फॉर्म को जारी रखना चाहता हूं। मेरे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे खेलने का मौका मिल रहा है। यदि आप एक या दो वर्ष पहले देखें, मुझे खेलने का मौका नहीं मिल रहा था। अगर आप लगातार नहीं खेल सकते हैं, तो आप कैसे दिखा सकते हैं कि आपके पास किस तरह के शॉट्स हैं? सीएसके में, मुझे खेलने का मौका दिया गया है। जब सीएसके ने मुझे चुना तो मैं बहुत खुश था। जब आप माही भाई (एमएस धोनी) के साथ खेलते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है।

### आईपीएल 2023 में रहाणे का प्रदर्शन

| रन | – टीम |
|---|---|
| 61(27) | मुंबई इंडियंस |
| 31(19) | राजस्थान रॉयल्स |
| 37(20) | रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर |
| 9(10) | सनराइजर्स हैदराबाद |
| 71*(29) | कोलकाता नाइटराइडर्स |

आईपीएल 2023

## आखिरी चरण से बाहर रह सकता है लखनऊ सुपर जाइंट्स का मुख्य गेंदबाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मार्क वुड अगले महीने अपने बच्चे के जन्म के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम चरण से बाहर रह सकते हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अब तक सुपर जाइंट्स की ओर से चार मैच में 11 विकेट चटकाए हैं और इस दौरान 8.12 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। वह हालांकि बीमार होने के कारण टीम के पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए।

रिपोर्ट के अनुसार, 'वुड और उनकी पत्नी मई के अंत में दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं और बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए वुड आगामी हफ्तों में किसी समय स्वदेश लौटेंगे। आईपीएल क्वालीफायर 23 और 26 मई को खेले जाएंगे जबकि फाइनल 28 मई को होगा।

इंग्लैंड को आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद एक जून से लार्ड्स में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी इससे पहले कह चुके हैं कि इस मुकाबले की तैयारी के लिए वह आईपीएल के अंतिम चरण से बाहर रह सकते हैं।

## बेंगलुरु दौड़ की अंतरराष्ट्रीय दूत होगी सान्या रिचर्ड्स रॉस

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** पूर्व ओलंपिक और 400 मीटर में विश्व चैंपियन सान्या रिचर्ड्स रॉस को 21 मई को यहां होने वाली विश्व 10 किमी बेंगलुरु दौड़ का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दूत नियुक्त किया गया है। अमेरिका की एथलीट सान्या रिचर्ड्स रॉस विश्व एथलेटिक्स की नामी खिलाड़ियों में शामिल है। वह ओलंपिक में लगातार तीन बार चार गुणा 400 मीटर रिले दौड़ जीतने वाली दुनिया की एकमात्र महिला एथलीट हैं।जमैका में जन्मी सान्या रिचर्ड्स रॉस ने ओलंपिक तथा विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 14 पदक जीते हैं। इसके अलावा विश्व रिले में उनके नाम पर तीन स्वर्ण पदक दर्ज है। उन्होंने डायमंड और गोल्डन लीग में भी कई पदक जीते हैं। सान्या रिचर्ड्स रॉस ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' मैं टीसीएस विश्व 10 किमी बेंगलुरु का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। भारत में इस तरह की दौड़ तेजी से विकास कर रही है और मैं 2018 में देश के पिछले दौरे के दौरान दिल्ली में इसकी गवाह रह चुकी हूं।

## लारा ने बल्लेबाजों को हार का जिम्मेदार ठहराया

### कहा- आक्रामकता दिखाने में काफी देर की

**हैदराबाद (एजेंसी)।** सनराइजर्स हैदराबाद के कोच ब्रायन लारा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहने के लिए अपने बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने अपना आक्रामक रवैया दिखाने में काफी देर कर दी थी। सनराइजर्स को सोमवार की रात को दिल्ली के हाथों सात रन से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी लगातार तीसरी पराजय है। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने बेहद रक्षात्मक रवैया अपनाया जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। उसके सामने 145 रन का लक्ष्य था लेकिन आखिर में वह छह विकेट पर 137 रन ही बना पाया। लारा ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'पिच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं थी तथा हमें पूरी पारी के दौरान अधिक सक्रियता दिखानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'हमने सब कुछ आखिर के लिए छोड़ दिया। मुझे अच्छा लगता अगर हमारे बल्लेबाज पावर प्ले का पूरा फायदा उठाते। हमने उन्हें बीच के ओवरों में विकेट लेने और हावी होने का मौका दिया।

सनराइजर्स पावर प्ले में 36 रन ही बना पाया जबकि उसकी आधी टीम 14.1 ओवर में 85 रन पर पवेलियन लौट गई थी। लारा ने कहा, 'पहले 15 ओवर काफी महत्वपूर्ण होते हैं और तब तक हमें काफी बेहतर स्थिति में होना चाहिए था। सनराइजर्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अब प्रत्येक मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लारा ने कहा, 'हमें अब आगे के बारे में सोचना होगा और जल्द ही एकजुट होना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि अब हमारे लिए राह मुश्किल है और हमें अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 144 रन का स्कोर बनाया था लेकिन स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि टीम को विश्वास था कि वह अपने स्कोर का बचाव करने में सफल रहेगी। कुलदीप ने कहा, 'शत प्रतिशत एक टीम के रूप में हमें अपनी गेंदबाजी इकाई पर पूरा भरोसा था और हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छी गेंदबाजी की है और यहां पर हमारे पास अपना कौशल दिखाने का मौका था। उन्होंने कहा, 'हमने पावर प्ले में अच्छी गेंदबाजी की। इसके बाद बीच के ओवरों में मैंने और अक्षर पटेल ने हमें मैच में बनाए रखा जबकि अंतिम चार ओवरों में एनरिक नोर्किया और मुकेश कुमार ने अच्छी गेंदबाजी की।

## ऐसा लगता है कि SRH रन चेज करना भूल गया है, मैच के बाद बोले आकाश चोपड़ा

**हैदराबाद (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स के भाग्य का पहिया घूम रहा है और डेविड वॉर्नर की अगुवाई वाली टीम ने यहां आईपीएल 2023 के 34वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 7 रन से हराकर अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। मामूली 144 का बचाव करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार रात सनराइजर्स को 137/6 पर रोक दिया जिससे लगातार पांच हार के बाद लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मैच के बाद पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कह कि सनराइजर्स हैदराबाद रन चेज करना भूल गया है।

जियोसिनेमा विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा, यह पता लगाना मुश्किल था कि कौन सी टीम जीती और कौन सी टीम हार गई। इस खेल में हैदराबाद हार गया या डीसी जीत गया? मैच इतना लंबा चलने के पीछे कोई तर्क नहीं था। वे सात रन से मैच हार गए और आपके पास चार विकेट थे। मैं 18वें ओवर तक पूरी कोशिश करूंगा, क्योंकि मुझे पता है कि हमने कोशिश की, लेकिन वे रन तक नहीं पहुंच सके। यह मैच 18वें या 19वें ओवर तक क्यों नहीं खत्म हो गया? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे गति के साथ नहीं खेलते हैं। मुझे नहीं पता कि क्या चल रहा है, लेकिन यह एक अलग तरह का चेज है। ऐसा लगता है कि वे भूल गए हैं कि कैसे रन चेज करना है।

चोपड़ा ने हालांकि, सनराइजर्स के लिए अग्रवाल के बल्लेबाजी प्रयास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, %मयंक ही एकमात्र ऐसा खिलाड़ी था जिसने रन बनाए। उसने अच्छी बल्लेबाजी की और आक्रामक था। 39 गेंदों में 39 अभी भी खराब वापसी नहीं है। एक तरफ से आप टीम की पारी को जीवित रखते हैं और उसका इरादा अच्छा था। वह संघर्ष कर रहा था। बहरहाल उसने अच्छा काम किया। लेकिन बाकी सब क्या कर रहे थे?

गौर हो कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला गया महत्वपूर्ण मुकाबला जीत लिया। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले खेलते हुए 144 रन बनाए थे। जिसके जवाब में खेलने उतरी हैदराबाद अच्छी शुरूआत के बावजूद मध्यक्रम में ढेरी हो गई। मयंक अग्रवाल ने 49 रन जरूर बनाए लेकिन अंत के ओवरों में वाशिंगटन सुंदर अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार को आखिरी ओवर में 13 रन डिफेंड करने थे, उन्होंने शानदार गेंदबाजी की और दिल्ली के खाते में जीत डाल दी।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप

## राउंड 11 - नेपोमनिशी 6-5 से हुए आगे , विश्व खिताब से 1.5 अंक दूर

**अस्ताना, कज़ाकिस्तान (एजेंसी)।** विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2023 के ग्यारवें राउंड में बढ़त पर चल रहे रूस के यान नेपोमनिशी नें सफ़ेद मोहरो से संतुलित खेल दिखाते हुए अपने प्रतिद्वंदी चीन के डिंग लीरेन को वापसी का फिर से कोई मौका नहीं दिया और मैच बिना किसी जीत हार के बेनतीजा रहा , इस परिणाम के बाद नेपोमनिशी अब 14 राउंड की विश्व चैंपियनशिप में 6-5 से आगे चल रहे है और अब उन्हे विश्व खिताब हासिल करने के लिए 1.5 अंको की और आवश्यकता है वहीं डिंग के लिए लगातार जीत ही उन्हे विश्व खिताब दिला सकती है । बचे हुए तीन राउंड में डिंग के पास दो बार सफ़ेद मोहरे तो एक बार काले मोहरे होंगे ।

ग्यारहवें राउंड में नेपो नें राय लोपेज ओपनिंग का क्लोस वेरिएशन खेलते हुए और खेल की आठवीं चाल में हाथी के सामने का प्यादा एक घर चलकर 3 साल पहले डिंग के खिलाफ जीती गयी बाजी को दोहराने की कोशिश की जिसे डिंग नें चाल बदलकर जबाब दिया और लगातार मोहरो की अदला बदली की बीच बाजी 39 चालों के बाद ड्रॉ रही ।अब एक दिन के विश्राम के बाद अगले दो राउंड खेले जाएँगे ।

## आईपीएल के बीच न्यूजीलैंड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

### 5वें विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एक तरफ जहां कई क्रिकेट प्रेमी आईपीएल देखने का आनंद ले रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देश पाकिस्तान को 5 टी20 मैचों की सीरीज के आखिरी मैच से न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने इसी के साथ सीरीज 2-2 पर समाप्त की, साथ ही एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना दिया है। दरअसल, न्यूजीलैंड की तरफ से टी20 क्रिकेट में 5वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। यह कारनामा किया है मार्क चैपमैन और जिमी निशम की जोड़ी ने, जिन्होंने 121 रनों की साझेदारी की और इतिहास रच दिया।

दोनों ने इस मैच में पांचवे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। ये टी20 क्रिकेट में पांचवे विकेट के लिए हुई अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। इसी के साथ मिस्बाह-उल-हक और शोएब मलिक की साझेदारी का रिकॉर्ड टूटा, जिन्होंने पहले 119 रनों की साझेदारी की थी। वहीं पांचवे नंबर के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप के मामले में नंबर 3 पर आयरलैंड के कैंमपर और डॉकरेल की जोड़ी है, जिन्होंने 119 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की जोड़ी चौथे नंबर पर है, जिसने 113 रन जोड़े थे।

### पांचवें विकेट लिए सबसे बड़ी साझेदारी-

1. मार्क चैपमैन और जेम्स नीशम - 121 रन
2. मिस्बाह उल हक और शोएब मलिक - 119
3. कैंमपर और डॉकरेल - 119 रन
4. विराट कोहली और हार्दिक पांड्या - 113 रन
5. एसजे मोदानी और जी. सिंह - 110 रन

वहीं मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए थे। मोहम्मद रिजवान ने 98 रनों की पारी खेली थी। जवाब में उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 10 ओवर के अंदर ही 4 विकेट गंवा दिए। जिसके बाद मार्क चैपमैन ने शतकीय पारी खेली और टीम को जीत दिला दी।

## आज आरसीबी के खिलाफ अपना अभियान पटरी पर लाने उतरेगा केकेआर

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** लगातार चार मैचों में हार से आहत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपना अभियान वापस पटरी पर लाने का प्रयास करेगा। दो बार के चैंपियन केकेआर ने अभी तक सात मैचों में से केवल दो में जीत दर्ज की है और वह सातवें स्थान पर काबिज है। इससे उसकी आगे की राह काफी कठिन हो गई है। केकेआर को बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उसे नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर और ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की कमी भी खल रही है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रविवार को खेले गए पिछले मैच में केकेआर के बल्लेबाजों को बड़े लक्ष्य के सामने अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी लेकिन उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर, कप्तान नितीश राणा और एन जगदीशन ने दबाव में अपने विकेट गंवाए। केकेआर अभी तक अदद सलामी जोड़ी नहीं तलाश पाया है। उसने अभी तक सुनील नारायण, जगदीशन, लिटन दास, जेसन रॉय और रहमानुल्लाह गुरबाज को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया है। पिछले मैच में जेसन रॉय और रिंकू सिंह ने अर्धशतक जमाए लेकिन इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया। आंद्रे रसेल भी फिनिशर की अपनी भूमिका में खरे नहीं उतर पाए। केकेआर के लिए उनकी फिटनेस भी चिंता का विषय है क्योंकि इस सत्र में वह अभी तक एक बार भी अपने कोटे के चारों ओवर नहीं कर पाए हैं। केकेआर ने इस सत्र के शुरू में आरसीबी को 81 रन से हराया था और वह उस मैच से प्रेरणा लेकर मैदान पर उतरेगा। आरसीबी का हालांकि पिछले मैच में राजस्थान रॉयल पर सात रन की जीत से मनोबल बढ़ा होगा और वह अपना विजय अभियान जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। फाफ डुप्लेसी की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम ने अभी तक सात में से चार मैच जीते हैं और वह पांचवें स्थान पर है। उसकी तरफ से कुछ खिलाड़ियों ने अभी तक इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। डुप्लेसी अभी बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने विराट कोहली तथा ग्लेन मैक्सवेल के साथ उपयोगी साझेदारियां निभाई हैं। आरसीबी के लिए हालांकि यह चिंता का विषय होगा कि उसकी तरफ से अधिकतर रन इन तीनों बल्लेबाजों ने बनाए हैं जबकि बाकी बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। केकेआर के खिलाफ उसको मध्यक्रम के बल्लेबाजों से ही उपयोगी योगदान की उम्मीद रहेगी। उसके मध्यक्रम में दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमरोर, शाहबाज अहमद और सुयश प्रभुदेसाई जैसे बल्लेबाज हैं।

गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने आईपीएल के वर्तमान क्षेत्र में अभी तक सर्वाधिक विकेट लिए हैं। सिराज का वायने पर्नेल और हर्षल पटेल अच्छा साथ दे रहे हैं। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा के आने से टीम की गेंदबाजी को मजबूती मिली है। आरसीबी की टीम इस सत्र के शुरू में केकेआर के स्पिनरों के सामने लड़खड़ा गई थी। केकेआर के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, सुयश शर्मा और नारायण फिर से वही प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे।

### टीम इस प्रकार है

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु** – विराट कोहली (कप्तान), फाफ डु प्लेसिस, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, शाहबाज़ अहमद, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सुयश प्रभुदेसाई, डेविड विली, वानिंदु हसरंगा, मोहम्मद सिराज, विजयकुमार वैशाक, हर्षल पटेल

**कोलकाता नाइट राइडर्स** – एन जगदीसन (विकेटकीपर), जेसन रॉय, नितीश राणा (कप्तान), आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, डेविड विसे, शार्दुल ठाकुर, सुयश शर्मा, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती

**समय** – शाम 7.30 बजे से।

## संक्षिप्त समाचार

### मरेंगो सिम्स अस्पताल ने गुजरात के पहले द्विपक्षीय फेफड़े के प्रत्यारोपण मरीज़ की सफल रिकवरी का जश्न मनाया

**अहमदाबाद, एजेंसी।** गुजरात राज्य में पहली बार द्विपक्षीय फेफड़े के प्रत्यारोपण का प्राप्तकर्ता अपने सभी परीक्षणों के बाद फिट होने के बाद अपने देश जाने के लिए तैयार है। 41 वर्षीय सीरियाई, अहमद, जो एक बिगड़ती अंतरालीय फेफड़े की बीमारी से 3 महीने से अधिक समय से बिस्तर पर थे, इस साल जनवरी में प्रत्यारोपण प्रक्रिया से गुजरे। मरेंगो एशिया हॉस्पिटल्स सिम्स और फरीदाबाद की संयुक्त विशेषज्ञता से गठित फेफड़े के प्रत्यारोपण दल का नेतृत्व फेफड़े के प्रत्यारोपण के कार्यक्रम निदेशक डॉ कुमुद धीतल ने किया। मरेंगो अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा से डॉ. धीतल को उनकी टीम का समर्थन प्राप्त था, जिसमें डॉ. प्रदीप कुमार, निदेशक - एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, सीटीवीएस और हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांट, श्री प्रवीण दास, चीफ परफ्यूजनिस्ट शामिल थे, जिन्हें सिम्स अस्पताल के स्थानीय विशेषज्ञों का सहयोग मिला था - डॉ धीरेन शाह, सीटीवीएस और हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण के निदेशक, डॉ प्रणव मोदी, कंसल्टेंट थोरैसिक एंड लंग ट्रांसप्लांट सर्जन, और डॉ धवल नाइक, वरिष्ठ सलाहकार सीटीवीएस और हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन। डॉ. कुमुद धीतल, डॉ. धीरेन शाह, डॉ. केयूर परीख, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. कपिल अय्यर, डॉ. अमित पटेल और श्री गौरव रेखी, क्षेत्रीय निदेशक- गुजरात और राजस्थान ने मीडिया को संबोधित किया और सवालों के जवाब दिए। मरीज की गतिहीनता और सामान्य कमजोरी को देखते हुए, उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में रहने की आवश्यकता थी और प्रक्रिया के 7 सप्ताह बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। प्रोटोकॉल के अनुसार, मरीज को ऑपरेशन के बाद कम से कम 3 महीने तक अहमदाबाद में रहने की आवश्यकता थी ताकि पुनर्वास के कठोर पोस्ट-डिस्चार्ज शेड्यूल और अस्वीकृति और संक्रमण के लिए चिकित्सा निगरानी और उसके लिए अपनी जीवन शैली और जीवनभर दवाएं को समायोजित करने के लिए आवश्यक समय का पालन किया जा सके। अहमद अब आखिरकार अपने देश वापस जाने के लिए तैयार हैं। डॉ. कुमुद धीतल, प्रोग्राम डायरेक्टर लंग ट्रांसप्लांटेशन, मरेंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने बताया कि, अहमद को मूल रूप से मुझे 2022 के जुलाई में इंटरस्टिशियल लंग डिजीज के परिणामस्वरूप उन्नत फेफड़े की विफलता के साथ फ्रांस के एक निजी मित्र द्वारा भेजा गया था।

### वसुंधरा के पार्क में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद के साहिबाबाद से हैरान करने वाली जानकारी सामने आ रही है, जहां पार्क में एक पेड़ से युवक का शव लटका हुआ मिला है। पार्क में युवक का शव मिलने से आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि साहिबाबाद के वसुंधरा स्थित पार्क में एक पेड़ पर 20 वर्षीय युवक का शव लटका मिला है। अभी युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

### गोल्डन सोसाइटी की तीसरी मंजिल पर ब्लास्ट, दिवाली पर बेचने के लिए बचा रखा था बिस्फोटक

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद जिले के वसुंधरा सेक्टर-5 की गोल्डन सोसाइटी के तीसरी मंजिल के एक फ्लैट की बालकनी में सोमवार दोपहर को अचानक तेज धमाका हो गया। इससे बालकनी में पानी का पाइप, लकड़ी की अलमारी और खिड़की के शीशे टूट गई। आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने फोरेंसिक टीम, बम और डाग स्क्वाड की टीम को मौके पर बुलाया। जांच में आया कि गंधक और पोटाश के मिश्रण से धमाका हुआ है। युवक ने दिवाली पर बेचने के बाद यहां छिपाकर रखा था। पुलिस युवक के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रही है।

### 12 रूट पर संचालित होगी एनएमआरसी की 25 वातानुकूलित सीएनजी मिनी बसें तकनीकी पहलुओं पर चल रहा काम

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** दनकौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक ने पड़ोस में रहने वाली महिला के घर में घुसकर तमंचा के बल पर दुष्कर्म किया। पीड़िता केस दर्ज कराने के लिए सोमवार सुबह से ही दनकौर कोतवाली पहुंच गई। आरोप है कि पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय लीपापोती कर रही है। खबर लिखे जाने तक आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। पीड़ित स्वजन ने पुलिस पर आरोपित पक्ष से सांठगांठ का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित महिला के पति ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक दबंग है। आरोप है कि सोमवार को जब वह घर से बाहर गया हुआ था, उसी समय उसकी पत्नी के साथ तमंचा के बल पर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। मामले की जानकारी पीड़ित पति समेत अन्य स्वजन को हुई। महिला ने स्वजन को बताया कि आरोपित करीब तीन वर्ष से लगातार दुष्कर्म करता आ रहा है।

# इंटरनेट पर लड़ने के लिए उतरा विश्व हिंदू परिषद, भ्रामक और झूठी खबरों के खिलाफ तैयार होंगे जमीनी स्तर पर योद्धा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश को अस्थिर व समाज को बांटने की साजिश में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हमले पर केंद्र व राज्य सरकारें चिंता जता चुकी हैं। अब इस तरह की भ्रामक व झूठी खबरों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने भी कमर कसने की तैयारी की है।

उसके द्वारा देशभर में खंड स्तर पर कार्यकर्ताओं का ऐसा ढांचा खड़ा किया जाएगा जो इस तरह के मामलों में त्वरित सच्चाई सामने लाकर समाज को गुमराह करने की कोशिश की हवा निकालेंगे। जरूरी होने पर इन मामलों को कानून के दरवाजे तक भी लेकर जाएंगे। इसके लिए संगठन का विधि प्रकोष्ठ साथ काम करेगा।

यह रणनीति विहिप के प्रचार विभाग व विधि प्रकोष्ठ की वाराणसी में हुई दो दिवसीय बैठक में बनी है। रविवार को संपन्न हुई इस बैठक में विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार व संयुक्त महामंत्री डा. सुरेंद्र जैन का मार्गदर्शन मिला। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल समेत देशभर के जिला स्तर के पदाधिकारी जुटे। करीब 500 लोगों की मौजूदगी में सेवानिवृत्त जज व सुप्रीम कोर्ट के कई अधिवक्ता भी शामिल रहे थे।

भ्रमित व बांटने वाली खबरों में दलित, आदिवासी व धार्मिक मामले ज्यादा है। विनोद बंसल ने बताया कि बैठक में राजस्थान में पिछले वर्ष एक स्कूल में दलित छात्र द्वारा स्कूल के मटके से पानी पीने पर अध्यापक द्वारा पिटाई से मौत का मामला छाया हुआ था। बैठक में इसका जिक्र करते हुए एक पदाधिकारी ने बताया कि उसमें मामला कुछ और था लेकिन इसे दलित का एंगल देकर समाज को बांटने की कोशिश की गई। इसी तरह दलित दुल्हे द्वारा घोड़ी से बारात निकाले जाने की खबरों में प्रकरण कुछ और होता है, लेकिन रंग कुछ और दिया जाता है। ऐसा ही कुछ दंगे और आदिवासी मामलों में देखने को मिलते हैं।

अक्सर ऐसे मामले छोटे गांवों से आते हैं, जिसकी धमक राष्ट्रीय स्तर पर होती है। ऐसे मामलों की सच्चाई देखने के लिए स्थानीय स्तर पर तंत्र खड़ा किया जाएगा, जो घटनास्थल जाकर पूरी सही तथ्यों का पता कर भ्रमित खबरों के जवाब में सच्चाई बताएगी। ऐसे लोगों को इंटरनेट माध्यम का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हैशटैग, यूजर्स और ग्रुप के बारे में बताने के साथ वीडियो, फोटो, स्टोरी बनाना सीखाया जाएगा।

इसके लिए कार्यकर्ताओं को इंटरनेट मीडिया के इस्तेमाल व ऐसे पोस्टों की तत्काल पहचान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में उन्हें ऐसे लोग, संगठन तथा यूजर्स नाम की जानकारी भी दी जाएगी जो ऐसे कृत्यों में आगे रहते हैं। साथ ही समाज को सशक्त व समरसता लाने वाली खबरों को भी ये सबके सामने लेकर आएंगे।संत परंपरा, सेवा कार्य, महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याणकारी बातों व संस्कारों को बढ़ावा दिया जाएगा। वनवासी के बीच सेवा कार्यों को भी ठीक से उभारा जाएगा।

इस ढांचे में संगठन को एक ऐसे प्लेटफार्म पर लाया जाएगा, जिससे कि कुछ ही मिनटों में कोई भी सूचना संगठन की देश में मौजूद सभी प्रखंड-खंड स्तर तक की 60 हजार समितियों तक पहुंच सके।

### बीमा के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 6 गिरफ्तार, एक हजार से ज्यादा एटीएम कार्ड बरामद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में एक व्यक्ति के साथ बीमा के नाम पर 2.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। इस बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस आइएफएसओ, डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि हमें शिकायत मिली कि कुछ लोग बीमा के नाम पर धोखाधड़ी कर रहे हैं, हमने एफआइआर दर्ज़ की है। वादी के साथ करीब 2.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई है। ये मामला बिहार के बेगूसराय से जुड़ा हुआ है।

**6 आरोपितों को किया गिरफ्तार:** उन्होंने आगे बताया कि हमने इस मामले में बिहार के बेगूसराय से 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हमें जो अकाउंट मिले हैं, उसमें 40 करोड़ की लेन-देन है। हमने 1091 एटीएएम कार्ड, 56 खाली पासबुक आदि बरामद की हैं।

# चुनाव से पहले 134 शरारती तत्वों को पुलिस जारी करेगी रेडकार्ड, रह सकते हैं नजरबंद

**गाजियाबाद, एजेंसी।** नगर निकाय चुनाव को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने 134 ऐसे लोगों को चिह्नित किया है जो शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव में रोड़ा बन सकते हैं। ये सभी लोग वर्ष 2012 व वर्ष 2017 में हुए नगर निकाय चुनाव में भी शांति-व्यवस्था में बाधक बने थे।

पिछले रिकार्ड को खंगाल कर पुलिस ने इन लोगों की कुंडली तैयार कराई है। चुनाव से पूर्व ही इस सभी के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के साथ इन शरारती तत्वों को रेड कार्ड जारी किए जाएंगे।

इन लोगों को लेकर अंदेशा जताया गया है कि ये शांतिपूर्ण व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं और चुनाव में खलल डाल सकते हैं। ये लोग चुनाव तो प्रभावित कर ही सकते हैं साथ ही वोटरों को भी प्रभाव में ले सकते हैं।

पुलिस इनके खिलाफ पुलिस दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 107/16 व गुंडा एक्ट की कार्रवाई अमल में ला रही है। सभी को मुचलकों में पाबंद किया जा रही है। साथ ही पुलिस व खुफिया विभाग अभी से इनकी गतिविधियों पर निगाह बनाए हुए है। जिले में वर्तमान में एक नगर निगम, चार नगर पालिका व चार नगर पंचायत हैं। जिले में वर्तमान में कुल 294 वार्ड, 606 मतदान केंद्र व 2371 मतदान बूथ हैं। इन सभी पर पुलिस ने आचार संहिता लगने से पहले ही काम शुरू कर दिया था। पुलिस जिन लोगों को रेड कार्ड जारी करेगी, उन्हें मतदान वाले दिन केवल मतदान करने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके बाद वह घर से नहीं निकल सकेंगे। माहौल को देखते हुए ऐसे लोगों को घरों में नजरबंद किया जा सकता है। घर पर भी इनकी गतिविधियों पर पुलिस निगाह रखेगी। इन्होंने यदि किसी भी प्रकार से माहौल खराब करने का प्रयास किया तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। चुनाव से पहले भी बीट कांस्टेबलों के माध्यम से इनकी नियमित निगरानी कराई जाएगी।

### केरल में मोबाइल फटने से 8 वर्षीय बच्ची की मौत, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

**त्रिशूर, एजेंसी।** केरल के तिरुविल्वामला में एक आठ साल की बच्ची की कथित तौर पर उसके पास रखे फोन की बैटरी फटने से मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तिरुविल्वामला निवासी आदित्यश्री द्वारा इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे कथित तौर पर फट गया। आदित्यश्री पास के एक स्कूल में तीसरी कक्षा की छात्रा थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

# पाकिस्तान से आई 195 करोड़ की हेरोइन के मामले में लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ

## कोर्ट ने गुजरात एटीएस को सौंपा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के बाद गुजरात एटीएस गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट कस्टडी दे दी। एटीएस लॉरेंस से पाकिस्तान से तस्करी कर भारत लाई गई 195 करोड़ हेराइन के मामले में पूछताछ करेगी। साथ ही उसके पाकिस्तानी गठजोड़ को लेकर भी छानबीन की जाएगी।

लॉरेंस को एनआइए ने सात दिन के रिमांड के बाद कोर्ट में पेश किया था। उसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ने, सीमा पार से हथियार तस्करी सहित अन्य मामलों में पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया था। कोर्ट ने गुजरात एटीएस ने उसे कस्टडी में ले लिया। गुजरात एटीएस ने 2022 में मीठा पोर्ट से 38 किलोग्राम हेरोइन के साथ छह पाकिस्तानी तस्करों को गिरफ्तार किया था। एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने संयुक्त अभियान के तहत कार्रवाई की थी। उन्होंने मछली पकड़ने वाली एक पाकिस्तानी नाव अल-तय्यसा को पकड़ा था, इस पर छह पाकिस्तानी नागरिक सवार थे।

**तस्करों की हुई पहचान:** इनकी पहचान मोहम्मद शफी, इमरान, मोहसिन शहजाद, जहूर अहमद, मोहम्मद सोहेल और मोहम्मद कामरान के रूप में हुई है। नाव से 194.97 करोड़ रुपय की 38.994 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। गुजरात एटीएस की जांच में सामने आया कि लॉरेंस बिश्नोई सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी भी में शामिल था। एक नाइजीरियाई महिला उसके लिए काम कर रही थी। नाइजीरियाई महिला की देखरेख में पाकिस्तान स्थित संचालकों द्वारा बिश्नोई के लिए खेप भेजी गई थी। खेप को बलूचिस्तान पाकिस्तान के पासनी बंदरगाह के पास लोड किया गया था। पंजाब जेल से कॉल किए गए थे। इसी मामले में पूछताछ के लिए गुजरात एटीएस ने कोर्ट में बिश्नोई की कस्टडी देने की गुहार लगाई थी। इसी मामले विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक की कोर्ट ने लॉरेंस बिश्नोई को गुजरात एटीएस की कस्टडी में भेजा है। इससे पहले एनआईए के पास सात दिन रिमांड पर था। एटीएस उसे गुजरात स्थानीय कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी। लॉरेंस को भारी सुरक्षा के बीच गुजरात ले जाया जाएगा। उसके साथ दिल्ली पुलिस की थर्ड बटालियन, चेतक कमांडो सहित एटीएस की टीम रहेगी।

### पाकिस्तानी अब्दुल्ला और लॉरेंस बिश्नोई के संबंधों पर होंगे सवाल-जवाब

एटीएस ने जांच के दौरान दो आरोपितों सरताज सलीम मलिक और मोहम्मद शफी उर्फ जग्गी सिंह वीरपाल सिंह को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया था। यह खेप की डिलीवरी लेने पहुंचे थे। जांच के दौरान पता चला था कि ड्रग्स की खेप लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर एक पाकिस्तानी नागरिक अब्दुल्ला द्वारा भारत भेजी गई थी। अब गुजरात पुलिस अब्दुल्ला और लॉरेंस के संबंधों के बारे में भी सवाल जवाब करेगी। गिरफ्तार पाकिस्तानी एक तस्कर ने बताया था कि पंजाब की कपूरथला जेल मोबाइल के जरिए संपर्क किया था। इसमें उसे बताया गया था कि 15 दिन के भीतर लॉरेंस बिश्नोई की खेप अब्दुल्ला द्वारा पहुंचाई जाएगी।

# एंकर ने नौकरी छोड़ी...चैनल को 41 हजार करोड़ का घाटा

### फॉक्स न्यूज ने 2020 के यूएस प्रेसिडेंट इलेक्शन पर सवाल उठाए थे

**न्यूयार्क , एजेंसी।** अमेरिका के सबसे बड़े न्यूज चैनलों में से एक फॉक्स न्यूज में प्राइम टाइम शो लाने वाले टीवी होस्ट टकर कार्लसन ने इस्तीफा दे दिया है। टकर को डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का समर्थक माना जाता है। फॉक्स मीडिया नेटवर्क ने बताया कि शुक्रवार को टकर ने अपना आखिरी शो होस्ट किया था। टकर कार्लसन के फॉक्स न्यूज से बाहर होने के बाद चैनल की पेरेंट कंपनी के शेयरों में 5.4त्न की गिरावट दर्ज की गई है। यानी उसे एक दिन में 41 हजार करोड़ का घाटा हुआ है। वहीं, अब तक न तो टकर और न ही फॉक्स न्यूज ने इस्तीफे की वजह बताई है। हालांकि, टकर का इस्तीफा उस समय आया है जब पिछले हफ्ते फॉक्स ने मानहानि के केस में एक वोटिंग मशीन कंपनी को 64 हजार करोड़ रुपए देकर सेटलमेंट किया था।

तस्वीर फॉक्स न्यूज पर अपना शो होस्ट कर रहे टकर कार्लसन की है।

**राष्ट्रपति चुनाव पर सवाल खड़े किए थे:** अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक फॉक्स न्यूज ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान धोखाधड़ी होने के दावे किए थे। ये दावे करने में फॉक्स न्यूज के टीवी होस्ट कार्लसन टकर भी शामिल थे। दरअसल, फॉक्स न्यूज ने 20 ऐसे दावे किए थे, जिनमें वोटिंग मशीन में गड़बड़ी करने के आरोप थे।

इन दावों के बाद ट्रम्प के समर्थकों ने 6 जनवरी 2020 को व्हाइट हाउस पर हमला किया था।2021 में फॉक्स न्यूज के खिलाफ वोटिंग मशीन कंपनी डोमिनियन ने मामला दर्ज कराया था। उस समय टकर कार्लसन समेत कंपनी में काम करने वाले कई लोगों के प्राइवेट मैसेज भी लीक हुए थे। इसमें खुद कंपनी के लोगों ने माना था कि चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं हुई थी। टकर कार्लसन का एक मैसेज काफी वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने ट्रम्प के बारे में लिखा था- मैं उससे नफरत करता हूं। इससे काफी विवाद खड़ा हुआ था।

**टकर ने भारतीयों पर अंग्रेजी हुकुमत की तारीफ की थी:** 2022 में जब ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिजाबेथ का निधन हुआ तो उस पर एक चर्चा के दौरान टकर ने भारत में अंग्रेजों की हुकुमत की तारीफ कर दी थी। इस पर अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने आपत्ति जताई थी। टकर ने कहा था, भारत में अंग्रेजों की हुकुमत को जनसंहार से बढ़ कर देखा जाना चाहिए। ताकतवर देश तो कमजोर देशों पर राज करते ही हैं। ये ट्रेंड अब भी नहीं बदला है। टकर ने ये भी कहा था कि अंग्रेजी हुकूमत ने ही भारत को सभ्यता दी।

### विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वरिष्ठ अधिकारी टेमो वकानिवालु को किया बर्खास्त, यौन दुराचार का लगा आरोप

**जिनेवा,एजेंसी।** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पांच साल में यौन दुराचार के तीन अलग-अलग मामलों के आरोपी वरिष्ठ अधिकारी टेमो वकानिवालु को बर्खास्त कर दिया है। डब्ल्यूएचओ की प्रवक्ता मार्सिया पूले ने मंगलवार को समाचार एजेंसी एपी को एक ईमेल में बताया कि, डॉ टेमो वकानिवालु को उनके खिलाफ यौन दुराचार के मद्देनजर डब्ल्यूएचओ से बर्खास्त कर दिया गया है।

मार्सिया ने आगे कहा कि डब्ल्यूएचओ के लिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार का यौन दुराचार चाहे वह कर्मचारी, सलाहकार, भागीदार के रूप में हो अस्वीकार्य है। एपी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल जनवरी में वकानिवालु पर अक्टूबर में बर्लिन सम्मेलन में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया था। इसके अलावा एक अन्य कर्मचारी को कथित रूप से परेशान करने के लिए सालों पहले डब्ल्यूएचओ के वरिष्ठ निदेशकों को इसके बारें में अवगत कराया गया था। पहले के लगे आरोपों से वाकानिवालु दोषी साबित नहीं हो पाए थे।

एपी द्वारा प्राप्त गोपनीय दस्तावेजों के अनुसार, डब्लूएचओ के वरिष्ठ निदेशकों को 2018 में वकानिवालु के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप के बारे में सूचित किया गया था। वकानिवालु को बाद में एक अनौपचारिक चेतावनी भी दी गई थी। डब्ल्यूएचओ के जांचकर्ताओं के साथ साक्षात्कार में वकानिवालु ने अपने ऊपर लगे आरोपों से साफ इनकार किया और दावा किया कि उन्होंने कभी भी किसी का यौन उत्पीड़न नहीं किया था।

हाल के वर्षों में, डब्ल्यूएचओ में यौन दुराचार की कई रिपोर्ट सामने आई है। इससे पहले, मई 2021, में एपी ने बताया था कि कांगो में इबोला के प्रकोप के दौरान यौन शोषण के कई मामले सामने आए थे और इसकी जानकारी वरिष्ठ डब्ल्यूएचओ प्रबंधकों को दी गई थी। लेकिन इसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया गया। डब्ल्यूएचओ द्वारा नियुक्त एक पैनल ने बाद में पाया कि डब्ल्यूएचओ के निर्देशन में 80 से अधिक कर्मचारियों ने महिलाओं का यौन शोषण किया।

# कोविड-19 की सच्चाई छिपा रहा चीन, पहली जांच रिपोर्ट ही गायब कर दी

## इंटरनेशनल टीम को इन्वेस्टिगेशन नहीं करने दिया

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** साल 2020 के शुरुआती दिनों की बात है। दुनिया में एक नई बीमारी तेजी से फैल रही थी। इसे कोविड-19 नाम दिया गया। अमेरिका और चीन के साइंटिस्ट्स ने इससे जुड़ा कुछ अहम डेटा जारी किया। इसमें बताया गया था कि यह वायरस कितनी तेजी से फैल रहा है और लोग मारे जा रहे हैं।

तमाम तरह की हेल्थ वॉर्निंग्स और अलर्ट जारी किए किए। मकसद था कि इस वायरस से निपटने के लिए तमाम देश मिलकर काम करें। बहरहाल, चंद दिनों में ही यह रिसर्च पेपर और डेटा गायब हो गया। कहा गया कि रिसर्च रिपोर्ट सही नहीं थी। सच्चाई ये है कि चीन ने इसे हटाया। इसके साथ ही डेटा जारी करने वाले वैज्ञानिकों को भी टॉर्चर किया गया। तब तक कोविड-19 महामारी बन चुका था।

**चीन सरकार का दबाव:** अब यह साफ हो चुका है कि रिसर्च में कोई खामी नहीं थी, बल्कि हकीकत यह थी कि चीन सरकार सच्चाई छिपाना चाहती थी। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा की प्रोफेसर इरा लोन्गिनी ने कहा- चीन से कोई भी जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल है। मैंने भी उस रिसर्च में हिस्सा लिया था। कई बातों को छिपाया गया और कुछ को तो सिरे से गायब ही कर दिया गया।

चीन ने अपने साइंसदानों को परेशान किया, इंटरनेशनल लेवल की कोई इन्वेस्टिगेशन नहीं होने दी और ऑनलाइन डिस्कशन भी बैन कर दिया। इन बातों के तमाम सबूत मौजूद हैं। सेंसरशिप का यह आलम रहा कि इंटरनेशनल जर्नल्स और साइंटिफिक डेटा तक सामने नहीं आ सका। सरकार के दबाव में चीनी वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन डेटा ही हटा दिया। इसके अलावा जेनेटिक सीक्वेंसिंग और पब्लिक डेटाबेस जैसे सबूत भी सामने नहीं आ सके। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कुछ डॉक्यूमेंट्स जरूर हासिल कर लिए और इनका एनालिसिस भी किया।

**तमाम सबूत नहीं मिटा सका चीन:** कुछ ग्रुप्स के पास फरवरी 2020 में जारी रिसर्च पेपर की जानकारी मौजूद है। हालांकि, इसमें भारी कांटछांट कर दी गई है। इस डेटा और रिसर्च पेपर की जरूरत इसलिए है, क्योंकि फ्यूचर के लिहाज से वैज्ञानिकों को इसकी सख्त जरूरत है। चीन अब भी लगातार कोशिश कर रहा है कि वायरस कहां से और कैसे फैला, इसकी सच्चाई को छिपाया जाए।

उसकी हरकतों की सच्चाई भी सामने आ रही है। जनवरी 2020 में चीन के वुहान मार्केट से वायरस के फैलने के बाद सीक्वेंसिंग डेटा जुटाया गया था। हालांकि, चीन के वैज्ञानिकों द्वारा जुटाया गया यह डेटा तीन साल तक दुनिया के बाकी साइंटिस्ट्स के साथ शेयर नहीं किया गया। एक अमेरिकी रिसर्चर ने कहा- इस हरकत के लिए कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता। अब ये साफ होता जा रहा है कि गैरकानूनी मवेशी बाजार से यह वायरस मनुष्यों में फैला। न्यूयॉर्क टाइम्स ने जब वॉशिंगटन में मौजूद चीन की ऐंबैसी से इस बारे में पूछा तो वहां से कोई जवाब नहीं मिला।

हैरानी की बात यह है कि इसी महीने चीन की हेल्थ मिनिस्ट्री ने कोविड-19 मामले पर होने वाली आलोचना को गलत बताते हुए धमकी दी थी कि इस तरह की हरकतों को सहन नहीं किया जाएगा।

**सच छिपाने की असली वजह क्या:** इसकी कोई एक वजह बताना मुश्किल है। वैसे भी चीन में सेंसरशिप किसी से छिपी नहीं है। महामारी के दौर में भी यही हुआ। वहां भी सवाल उठता रहा है कि क्या वायरस को कंट्रोल करने में जरूरत के मुताबिक, तेजी दिखाई या नहीं। कोई सबूत यह नहीं बताता कि वायरस के ओरिजन को छिपाने के लिए ही सारी कवायद की गई। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि कोविड-19 भी दूसरे वायरस की तरह जानवरों से इंसानों में फैला। एक दावा तो वेस्टर्न वर्ल्ड करता रहा है कि वायरल चीन के किसी लैब से फैला। दोनों ही पक्ष इस बारे में कुछ डेटा भी दिखाते हैं। बहरहाल, इन दावों के बीच दोनों पक्ष एक बात पर सहमत हैं कि चीन सरकार ने एक साइंस के मुद्दे पर भी सच छिपाने की साजिश रची। इस बारे में सिडनी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एडवर्ड होम्स ने कहा- अफसोस की बात है कि साइंस के मामले में भी पॉलिटिकल एजेंडा थोपा जा रहा है। होम्स उन साइंटिस्ट्स में शामिल थे, जिन्होंने वायरस फैलने पर शुरुआती रिसर्च किया था।

**बाइडेन का आदेश का क्या हुआ:** दो साल पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों से कोरोना के ओरिजन पर बारीकी से जांच करने के लिए कहा था। रिपोर्ट 90 दिन में मांगी थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555